- धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत, अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट
- 14

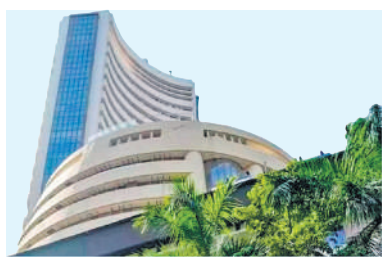

- सेंसेक्स में गिरावट 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर हुआ बंद
- 14

- भारत में जहाज निर्माण नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता
- 15

- सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत
- 16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 26 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 2, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

युगांतकारी... राम मंदिर के शिखर पर फहरा धर्मध्वज

अवधपुरी अति रुचिर बनाई... देवन्ह सुमन बृष्टि झरि लाई

वैदिक मंत्रोच्चार और जय श्री राम के नारों के बीच की ध्वज स्थापना

अनुष्ठान के साथ औपचारिक रूप से पूरा हुआ मंदिर का निर्माण

मोदी ने कहा- यह धर्मध्वज 'प्राण जाय पर वचन न जाई का प्रतीक'

अजय दयाल, अयोध्या

यह धर्मध्वज केवल ध्वज नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग इस पर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ओम शब्द व अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। यह ध्वज संकल्प, सफलता और संघर्ष से सृजन की गाथा है। यह ध्वज सदियों से चले आ रहे सपनों का साकार स्वरूप है। यह ध्वज संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है। सदियों और सहस्राब्दियों तक यह धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों व सिद्धांतों का उद्घोष करेगा। - प्रधानमंत्री मोदी

अमृत विचार: अयोध्या में मंगलवार की सुबह एक और नया इतिहास रचा गया। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सनातन परंपरा और आस्था का प्रतीक धर्मध्वज का राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापित हुआ तो अयोध्यावासियों और संत समाज के साथ यह क्षण जन-जन के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के बाद राममंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ धर्मध्वज सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बनकर लहराया। मोदी ने इस क्षण को युगांतरकारी कहा।

'सियावर रामचंद्र की जय' का उद्घोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र के संकल्प की चर्चा करते हुए मैंने कहा था कि आने वाले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है और जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में सोचना है। जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था और जब हम नहीं रहेंगे, यह देश तब भी रहेगा। हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा। हमें आने वाले दशकों और सदियों को ध्यान में रखना ही होगा। उन्होंने कहा, सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहूति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्ज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं, आज भगवान श्रीराम मंदिर के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम का दिव्य प्रताप इस धर्मध्वजा के रूप में दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है।

ध्वज रघुकुल परंपरा का प्रतीक : भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख-शांति प्रदान करता था, वह ध्वज आज फिर नीचे से ऊपर चढ़कर शिखर पर विराजमान हो चुका है। इसे हमने अपनी आंखों से इसी जन्म में देखा है। ध्वज धर्म का प्रतीक होता है। इतना ऊंचा ध्वज चढ़ाने में भी समय लगा, ठीक ऐसे ही मंदिर बनाने में भी समय लगा। 500 साल छोड़ें तो भी 30 साल तो लगे ही। उस मंदिर के रूप में हमने उन तत्वों को ऊपर पहुंचाया है जिनसे संपूर्ण विश्व का जीवन ठीक चलेगा। उसी धर्म का प्रतीक भगवा रंग इस धर्म ध्वज का रंग है।

ये पूर्णाहूति नहीं, नए युग का शुभारंभ: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण को यज्ञ की पूर्णाहूति मात्र नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ करार दिया। उन्होंने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीराम भक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

पीएम के हैंडल घुमाते ही ऊपर चढ़ने लगा धर्म ध्वज

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही हैंडल (लीवर सी डिवाइस) घुमाया धर्मध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। पीएम ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वज फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव किया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

विश्व ने सुनी अयोध्या से उठी जय श्री राम की गूंज

अयोध्या से फिर उठे जय श्री राम के उद्घोष की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दी। यहां इंटरनेशनल मीडिया की भी निगाहें लगी हुईं थीं। धर्मपथ सहित शहर की सभी प्रमुख सड़कों पर जयघोष करते श्रद्धालु उमड़ पड़े और राम नाम की गूंज से नगर भक्तिरस से सराबोर हो गया। लता मंगेशकर चौक पर हजारों की संख्या में भक्त एकत्रित होकर ध्वजारोहण का सीधा प्रसारण देखते रहे। जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर शिखर पर धर्मध्वजा स्थापित की, उपस्थित जनसमूह भावविभोर होकर जय श्रीराम के उद्घोष में डूब गया।

ब्रीफ न्यूज

प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में उच्च न्यायालय प्रशासन समेत राज्य सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। न्यायालय ने कहा कि प्रमुख सचिव वित्त/वित्त परामर्शी, अपर मुख्य सचिव वित्त अपने अलग-अलग हलफनामे दाखिल करके इन अदालतों के गठन के लिए हुई प्रगति बताएं। अदालत ने मामले को पहले दिए गए आदेश के तहत 26 नवंबर को सुनवाई के लिए पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यह आदेश प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में इसी वर्ष स्वयं संज्ञान लेकर दर्ज कराई गई जनहित याचिका पर दिया। इससे पहले अदालत ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामे में 9149 अदालतों के गठन मामले में पहले दिए गए आदेश के तहत हुई प्रगति का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था।

दुर्घटना में मौत पर 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने दोपहिया वाहन दुर्घटना में एक युवती की मौत के बाद उसके माता-पिता को 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। युवती की दो दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से यात्रा के दौरान दुर्घटना में मौत हो गई थी। पीठासीन अधिकारी रुचिका सिंगला ने सात दिसंबर 2020 को हुई दुर्घटना में मारी गई शिल्पा के माता-पिता द्वारा दायर दावा याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। शिल्पा और उसकी दोस्त अंजलि दोपहिया वाहन पर सवार थे, जबकि उनका दोस्त रोहित उस वाहन को चला रहा था। न्यायाधिकरण ने कहा कि वाहन किसी अन्य व्यक्ति का है और उसका बीमा नहीं था। वाहन चालक और मालिक संयुक्त रूप से तथा पृथक रूप से मुआवजा देने के लिए उत्तरदायी हैं।

हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- हिरासत में मौत नहीं होने दे सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में हिंसा और मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी संबंधी एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में पारित अपने आदेश का हवाला दिया और कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। पीठ ने कहा, आप हिरासत में मृत्यु नहीं होने दे सकते।

सितंबर में शीर्ष अदालत ने मीडिया की राजस्थान की एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। यहां पुलिस हिरासत में हुईं 11 लोगों की मौत में से सात मामले उदयपुर संभाग से आए थे। एक अलग मामले में कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं जो एक अलग मामले में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। उस आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। पीठ को बताया गया कि केवल 11 राज्यों ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। दवे ने कहा कि पहले के मामले में भी कई राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए थे। दवे ने कहा कि तीन केंद्रीय जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं, लेकिन अन्य तीन ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया है।

बेंच ने पूछा- केंद्र इस अदालत को हल्के में ले रहा है क्या

पीठ ने केंद्र से भी पूछा कि उसने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने पूछा, केंद्र इस अदालत को बहुत हल्के में ले रहा है, क्यों। मेहता ने कहा कि कोई अदालत को हल्के में नहीं ले सकता, केंद्र तीन सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेगा। पीठ ने हलफनामे दाखिल न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की। कहा, यदि इस तिथि तक हलफनामे दाखिल नहीं किए जाते हैं तो गृह विभाग में उनके प्रधान सचिव अपने स्पष्टीकरण के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को भी अदालत में आना पड़ सकता है।

गलत कारावास पर मुआवजे के लिए केंद्र राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ितों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गई है। कोर्ट ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि गलत या लंबी विचाराधीन हिरासत मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

जल जीवन मिशन : 7 राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- परियोजना में गड़बड़ी पर केंद्र का कदम, गुजरात पर सबसे ज्यादा 120 करोड़ रुपये का जुर्माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने सात राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सबसे ज्यादा 120.65 करोड़ का जुर्माना गुजरात पर लगाया गया है। इस जुर्माने की वसूली की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने पांच साल की अवधि में देश के हर घर में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मंशा से 2019 में जल जीवन मिशन शुरू किया था। जिन सात राज्यों से वसूली शुरू की गई है, उनमें गुजरात के अलावा तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं। एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने गुजरात से जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 6.65 करोड़ रुपये वसूल चुका है।

20% बढ़ चुका है परियोजना का खर्च

अधिकारी ने बताया, इस योजना का प्रारंभिक परिव्यय 3.60 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस पर 4.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। योजना में अनियमितताओं को लेकर देश भर से शिकायतें आ रही थीं, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सख्ती करने के निर्देश जारी किए थे।

इथोपिया से उठी ज्वालामुखी की राख से दिल्ली में कुछ उड़ानें रद्द, कई लेट

नई दिल्ली, एजेंसी

- डीजीसीए ने विमानन कंपनियों को दिया नियमों के पालन का निर्देश

इथियोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के गुबार के कारण मंगलवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं और 10 से ज्यादा विदेशी उड़ानें देर से रवाना हो पाईं। अकेले एअर इंडिया ने सोमवार से अब तक 13 उड़ानें रद्द कर दीं।

दरअसल, इथियोपिया में हाल ही में हुए हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के बादल उड़ानों के संचालन को प्रभावित कर रहे हैं और ऐसी खबरें हैं कि ये बादल भारत के पश्चिमी हिस्सों की ओर बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी के मुताबिक ज्वालामुखी के राख के गुबार के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर आने और जाने वाली सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया और 12 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें विलंबित रहीं। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है, जहां रोज 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है।

मंगलवार को अन्य भारतीय विमानन कंपनियों की ओर से स्थिति के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी गई। हालांकि उनकी भी कई उड़ानें प्रभावित होने की संभावना है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को विमानन कंपनियों से कहा था कि वे ज्वालामुखी की राख से प्रभावित क्षेत्रों व उड़ान स्तर पर नियमों का सख्ती से पालन करें।

गंभीर संकट | सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने जारी की रिपोर्ट, दिल्ली के बाद असम प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित

दिल्ली में मानक से 20 गुना ज्यादा हुआ पीएम- 2.5 का स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी में देश भर में सबसे ज्यादा प्रदूषण का जहर

देश के 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली सबसे प्रदूषित हो गई है. जहां पीएम 2.5 प्रदूषक तत्वों की सांद्रता का वार्षिक औसत 101 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया है। यह भारतीय मानक से 2.5 गुना और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से 20 गुना ज्यादा है। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' ने उपग्रह-आधारित विश्लेषण के आधार पर इस संबंध में रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 तक चंडीगढ़ में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 70 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया और वह इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जिसके बाद हरियाणा में 63 और त्रिपुरा में 62 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का

स्तर दर्ज किया गया। असम 60, बिहार 59, पश्चिम बंगाल 57, पंजाब 56, मेघालय 53 और नगालैंड 52 में भी स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक था। कुल 749 जिलों में से 447 यानी 60 प्रतिशत जिलों में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से अधिक स्तर दर्ज किया गया। इन जिलों में वार्षिक पीएम2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। विश्लेषण से पता चला कि सबसे प्रदूषित जिले कुछ ही राज्यों के हैं। इनमें दिल्ली और असम के 11-11 जिले मिलकर इस मामले में शीर्ष 50 में से लगभग आधे जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसके बाद बिहार और हरियाणा में सात-सात का स्थान है। उत्तर प्रदेश में चार, त्रिपुरा में तीन, राजस्थान में दो और पश्चिम बंगाल में दो जिले शामिल हैं।

आशंका: इथोपिया से उठा ज्वालामुखी की राख का गुबार और जहरीली हो सकती है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भी घनी धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता ' 'बेहद खराब'' बनी रही। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठा राख का गुबार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को और बढ़ा सकता है। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित ढाल-ज्वालामुखी हायली गुब्बी रविवार को फट गया, जिससे राख का गुबार करीब 14 किमी (45,000 फुट) की ऊंचाई तक गया और लाल सागर की ओर पूर्व दिशा में फैलने लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार ये राख के गुबार चीन की ओर बढ़ रहे हैं और मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चले जाएंगे। विभाग ने बताया कि पूर्वानुमान मॉडल के मुताबिक मंगलवार को गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा पर राख का कुछ प्रभाव देखा जा सकता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 26 नवंबर 2025

पदयात्रा एवं विशाल जनसभा के लिए पीलीभीत की जनता का धन्यवाद

लखनऊ में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से शिष्टाचार भेंट कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की ऐतिहासिक विजय पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

लखनऊ में माननीय उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी से शिष्टाचार भेंट कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की ऐतिहासिक विजय पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं अभिव्यक्त कीं।

बिहार विधानसभा के लिए हुए चुनाव के दौरान प्रचार के लिए राज्यमंत्री, संजय सिंह गंगवार जी व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के साथ बातचीत करते हुए।

अजय सिंह गंगवार

ब्लॉक प्रमुख ललौरी खेड़ा,
जिला अध्यक्ष ब्लाक प्रमुख संघ पीलीभीत

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राज्य मंत्री गन्ना एवं चीनी मिलें उत्तर प्रदेश सरकार

संजय सिंह गंगवार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नगर पालिका परिषद, बीसलपुर

अपील

1. नगर में खुले में कूड़ा न डालें तथा गीला कूड़ा अलग-अलग कर नीले, हरे डस्टबिन में ही डालें। 2. खुले में शौच / मल-मूत्र का त्याग न करें। 3. प्रतिबन्धित प्लास्टिक का प्रयोग न करें और करने दें।4. संचारी रोग की रोकथाम हेतु साफ-सफाई तथा अपने आस-पास वर्ष आदि का पानी एकत्रित न होने दें। 5. जरूरत से ज्यादा जल व्यर्थ न करें। 6. नगर पालिका को साफ सुथरा रखने में सहयोग करें। 7. नगर के बिजली के खम्भों में लगे मरकरी बल्बों आदि को न तोड़ें। 8. नगर के बकाया जलमूल्य व गृहकर आदि, समय पर जमा करके विकास कार्यों में सहयोग प्रदान करें। 9. जन्म मृत्यु का पंजीयन समय से करायें एवं भविष्य में होने वाली परेशानियों से बचें। 10.नगर पालिका अपनी है इसको स्वच्छ रखने में अपना सहयोग प्रदान करें। 11. नगर पालिका आपके सहयोग एवं सुझाव के लिये सदा आभारी रहेगी। 12. समस्त नागरिकों से अनुरोध है कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में अपना योगदान करें।

ज्ञानेन्द्र सिंह
जिलाधिकारी

प्रसून द्विवेदी
अपर जिलाधिकारी (वि./रा.)

श्री शमशेर
अधिशासी अधिकारी

शशि जायसवाल
पालिका अध्यक्ष

समस्त सभासदगण, नगर पालिका परिषद बीसलपुर

न्यूज ब्रीफ

कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर न्यूरिया पुलिस ने शाहजहांपुर जिले के तिलहर थाना क्षेत्र के ग्राम जोगीपुर निवासी जुगल किशोर की ओर से रिपोर्ट दर्ज की। जिसमें बताया किउसका पुत्र मोरपाल पीलीभीत में पानी की टंकी बनवाने का ठेका लेकर कार्य करता था। 20 नवंबर को शाम साढ़े पांच बजे उसका पुत्र टंकियों का कार्य देखकर गांव से अपनी बाइक से पीलीभीत आ रहा था। उसकी बाइक पर पीछे प्रभु दयाल बैठा हुआ था। उसकी बाइक जैसे ही थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम सैजना के समीप पहुंची। तभी पीछे से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे पुत्र घायल हो गया। बरेली ले आते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

युवती की तहरीर पर आईटी एक्ट की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र की एक युवती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एक युवक आए दिन उसका पीछा करता है। सोशल मीडिया पर उसकी आईडी को चोरी छिपे देखता है। उक्त युवक आंध्र प्रदेश का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने युवती की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि साइबर सेल की मदद से युवक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

चाकू के साथ युवक को किया गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : सदर कोतवाली की सिविल लाइन चौकी प्रभारी प्रीतम सिंह ने बताया कि वह बनकटी रेलवे क्रॉसिंग के समीप से जा रहे थे। इस दौरान एक युवक को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विकास पुत्र हरिशंकर निवासी सांईधाम कॉलोनी बताया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

प्रतियोगिता में मीनाक्षी ने मारी बाजी

पीलीभीत, अमृत विचार : बल्लभनगर कॉलोनी स्थित स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल में क्लाथ पेंटिंग प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें कक्षा पांच से आठ तक के बच्चों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। बच्चों ने कपड़ों पर सुंदर डिजायन बनाकर पेंट किया। इसे देख सभी मंत्रमुग्ध हो गए। प्रतियोगिता में मीनाक्षी प्रथम, सोनाक्षी दूसरे और आयुष तीसरे स्थान पर रहे। डायरेक्टर आरके धवन, निदेशिका चारू धवन ने सराहना की। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर शुभम शर्मा, निहारिका आदि मौजूद रहे।

गिरफ्तारी की मांग पर विरोध का अंदेशा, डटी रही पुलिस

अंतिम संस्कार होने के बाद ली राहत की सांस, ब्लॉक प्रमुख की कार से कुचलकर पूर्व प्रधान के भाई की हुई थी मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख की कार से कुचलकर पूर्व प्रधान के भाई की मौत के मामले में हत्या की एफआईआर दर्ज होने के बाद भी तनाव की स्थिति बनी रही। दो थानों की पुलिस गांव में मुस्तैद होकर शांति व्यवस्था बनाए रखने को जुटी रही। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो भारी भीड़ परिवार के समर्थन में खड़ी थी। मृतक के परिवार ने नामजद किए गए ब्लॉक प्रमुख पति समेत अन्य चार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इसे लेकर कोतवाल ने वार्ता की और निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद फिलहाल परिवार वाले मान गए और फिर शव का पुलिस की मौजूदगी में ही अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मृतक श्रीकृष्ण।

घटना सोमवार शाम को हुई थी। पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव रम्पुरा फकीरे के रहने वाले पूर्व प्रधान राजकुमार के बड़े भाई 45 वर्षीय श्रीकृष्ण पुत्र नंदराम स्कूटी से घर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में प्रसादपुर गोशाला के पास पहुंचते ही स्कूटी को ब्लॉक प्रमुख पूरनपुर की कार ने टक्कर मार दी थी। जिसमें स्कूटी सवार की मौत हो गई थी। परिवार वालों ने पुरानी रंजिश में हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। देर रात तक शव नहीं उठने दिया गया था। फिर मृतक के पुत्र अरविंद की ओर से ब्लॉक प्रमुख पूरनपुर के पति निर्विकार उर्फ अपूर्व सिंह, युद्धवीर सिंह उर्फ विशु, अगमवीर सिंह और विचित्र सिंह के खिलाफ हत्या कर नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई थी। तब परिवार माना और पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया था।

तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल रातभर तैनात रहा। मंगलवार को भी सुबह से ही पूरनपुर और माधोटांडा थाने की पुलिस गांव में मुस्तैद कर दी गई। मृतक के परिवार को ढांढस बंधाने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की जा रही थी। दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो कुछ देर के लिए उस वक्त पुलिस में खलबली मच गई जब परिवार ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग रख दी।

पुलिस ने वार्ता की और निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया। फिर परिवार वाले अंतिम संस्कार को मान गए और पुलिस ने राहत महसूस की। हालांकि इसके बाद भी गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल नजर बनाए रहा। इधर, परिवार में चीख पुकार मची रही। मृतक के दो पुत्र हैं।

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के परिवार वाले। ● अमृत विचार

शव गांव पहुंचने पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

● ब्लॉक प्रमुख की कार से कुचलकर पूर्व प्रधान के भाई की मौत, हत्या की रिपोर्ट दर्ज

दबाव बनाकर पुलिस मांगती रही हादसे की तहरीर

मृतक के परिवार वालों ने पूरनपुर पुलिस पर भी दबाव बनाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना सोमवार शाम करीब चार बजे हुई थी लेकिन पुलिस ने एफआईआर कई घंटे बाद दर्ज की, वह भी बमुश्किल। उनका कहना है कि पुलिस बार-बार ये दबाव बना रही थी कि हादसे की तहरीर लिखकर दो तभी कार्रवाई की जाएगी अन्यथा नहीं। इसे लेकर उन्होंने कई जगह गुहार भी लगाई। देर रात बमुश्किल एफआईआर हो सकी है। अब आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

चुनावी रंजिश एवं जमीन के विवाद को बताया वजह

हत्या का आरोप लगा रहे मृतक के परिवार वालों ने इसके पीछे वजह भी बताई है। उनका कहना है कि चुनावी रंजिश तो चल ही रही है। वहीं गांव की एक विधवा की जमीन के प्रकरण को भी हत्या करने के पीछे वजह बताया है। परिवार का कहना है कि आरोपी पक्ष गांव की एक महिला की जमीन पर कब्जा करना चाहता था। इसे लेकर कोशिश भी की गई, लेकिन उस महिला की पूर्व प्रधान होने के नाते वह मदद करते रहे। इसी से रंजिश और गहरा गई थी। मृतक के भाई पूर्व प्रधान राजकुमार ने तो ये भी कह दिया कि हो सकता है कि उनके धोखे में ही भाई की जान ले ली गई।

किसान की परेशानी को कराया दूर, मिली राहत

घुंघचिहाई, अमृत विचार: ग्रामीण की शिकायत पर टीम ने पहुंचकर समाधान कराया। किसान के अभिलेख दुरुस्त कराने के साथ ही खाद भी मुहैया कराई गई।

क्षेत्र के ग्राम दिलावरपुर निवासी फूलचंद ने बीते दिनों शिकायत की थी। जिसमें बताया था कि बहुउद्देशीय सहकारी समिति पर खाद लेने के लिए वह करीब एक महीने से चक्कर लगा रहे थे, लेकिन सचिव की गैर मौजूदगी में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सचिव पर दो समितियों की जिम्मेदारी है, लेकिन वह दोनों पर मौजूद नहीं थे। इस समस्या को हल करने के लिए सहयोगी को दिलावरपुर सहकारी समिति पर सचिव की गैर मौजूदगी में काम की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन आरोप था कि सहयोगी ने समाधान करने के बजाय पीड़ित को अपमानित कर दिया। मामले में जांच के लिए एडीओ प्रदीप कुमार जांच के लिए पहुंचे।शिकायतकर्ता को भी बुलाया गया। इस दौरान व्यवहार में सुधार न होने पर वेतन रोकने की चेतावनी भी दी गई। पीड़ित किसान के अभिलेख सही कराए गए और उन्हें खाद भी उपलब्ध कराई गई।

पीलीभीत के विकास में नहीं छोड़ी जाएगी कोई कसर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गुरु श्री तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर सिंहसभा गुरुद्वारा पूरनपुर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने प्रतिभाग किया। उन्हें गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका। इसके बाद लोगों की समस्याएं सुनी और सम्बंधित अधिकारियो को निस्तारण के निर्देश दिए।

केंद्रीय राज्यमंत्री ग्राम रघुनाथपुर और अमरैय्याकलां पहुंचे। वहां पर जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने लोगों की समस्याएं सुन जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। ग्राम प्रधानों ने बरात घर की मांग रखी। इस पर दोनों गांव के बीच में बरात घर सांसद निधि से बनवाने का आश्वासन दिया। पूरनपुर ब्लाक में स्थायी बीडीओ की तैनाती को लेकर भी मांग रखी गई। इसके बाद मेडिकल कॉलेज पहुंचकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के कार्यक्रम में सहभागिता की। कहा कि आंगनबाड़ी का मानदेय बढ़ाने के लिए सामूहिक तौर पर शासन में बात रखी जाएगी। मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। भाजपा के जिला महामंत्री लेखराज भारती के पुत्र डॉ.नितिन भारती के खकरा पुल के पास बनाए गए अस्पताल का उद्घाटन किया।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरभाग सिंह ,नगर पालिका अध्यक्ष पूरनपुर शैलेन्द्र गुप्ता, रजनीश पाण्डेय ,नगर अध्यक्ष पूरनपुर हर्ष प्रधान ,गन्ना विकास समिति अध्यक्ष नितिन दीक्षित, जिला कार्यसमिति सदस्य रितुराज पासवान, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ,अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष सरदार परगट सिंह ,सतनाम सिंह छीना ,व्यापार मंडल प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज गुलाटी, अशोक खंडेलवाल, बबलू पांडेय आदि मौजूद रहे। केंद्रीय राज्यमंत्री ने पूरनपुर स्थित आर्य पाठशाला इंटर कॉलेज पहुंचकर नागरिकों को एसआईआर फार्म भरवाने में भी सहयोग किया। बीएलओ, बीएलओ का उत्साह बढ़ाया।

जनसंवाद कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद का स्वागत करते भाजपा नेता।

पूरनपुर में एसआईआर के कार्य को परखने पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद।

● संसदीय क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद कई कार्यक्रम में हुए शामिल

● गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर गुरुद्वारा में मत्था टेका एसआईआर कार्य भी परखा

एसपी ने परिवार से की बात, घटना की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते हुई हत्या की घटना के बाद एसपी अभिषेक यादव मौके पर ही अपनी निगरानी में कार्रवाई कराने में जुटे रहे। दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया और अन्य की धरपकड़ के लिए टीम लगा दी गयी। पुलिस की टीमें दबिश देने में जुट गई। एसपी ने रात भर में सभी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

पुरानी रंजिश में हुई इस घटना को लेकर पूर्व में हुई कार्रवाई पर भी परिवार ने सवाल उठाए। जिसे लेकर एसपी ने परिवार से विस्तार से जानकारी की। इसमें यह भी सामने आया कि पूर्व में भी इसी तरह से जानलेवा हमला किया गया था। जिसमें मृतक के रिश्तेदारों को परेशान किया गया और पुलिस लापरवाह रही। इसे भी एसपी ने गंभीरता से लिया है। अब पुराने मुकदमे की विवेचना को लेकर भी पुलिस कर्मियों की जांच की जाएगी। इसके भी निर्देश एसपी ने दे दिए है कि आखिर किस तरह से पूर्व में कार्रवाई चली। एसपी का कहना है कि दो आरोपी हिरासत में लिए है। अन्य की गिरफ्तारी रात में ही कराई जाएगी। इसे लेकर दबिश दी जा रही है। पुराने मुकदमे के दौरान भी इसी तरह से हमला किया गया था। उस दौरान किस तरह से क्या करवाई की गई। इसकी जांच भी कराएंगे। अगर संबधित पुलिसकर्मी ने कोई लापरवाही की है तो उस पर भी एक्शन लिया जाएगा। किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

● गोलीकांड में शामिल दो आरोपी हिरासत में, अन्य की तलाश

लोगों को बैंकिंग को लेकर किया जागरूक

शिविर में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : क्रिसिल फाउंडेशन के माध्यम से मंगलवार को ग्राम अराजी रमपुरिया में बहुदेशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड बी पैक्स दहगला के सचिव रामकुमार के नेतृत्व में बैंकिंग जागरुकता कैंप आयोजित किया गया।

● मंगलवार को ग्राम अराजी रमपुरिया में लगाया कैंप

कैंप में बैंक से जुड़ी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। फिलिप बुक के माध्यम से बैंक में चल रही योजनाओं के बारे में बताया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, बचत खाता, नामांकित व्यक्ति, कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना आदि के बारे में जानकारी दी गई। संचालन सीएफएल के केंद्र प्रबंधक संजीव कुमार ने किया। इस मौके पर आयशा बी अंसारी, सलमा बेगम, फिजा खानम , आशिया बी आदि मौजूद रहे।

किशोरी से दुष्कर्म करने के दोषी को 20 साल कैद

विधि संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: घर में घुसकर किशोरी से दुष्कर्म करने के छह साल पुराने मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया। सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी पाते हुए बीस साल कैद और जुर्माने से दंडित किया है।

सेहरामऊ उत्तरी थाने में दी गई तहरीर में क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बताया कि वह अपनी पत्नी संग रिश्तेदारी में सीतापुर गए थे। घर पर पुत्र और दो पुत्रियां (13 वर्ष और 4 वर्ष) थी। 9 अगस्त 2019 को पुत्र खेत पर काम करने गया था और छोटी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इस बीच गांव का शमशाद घर में घुस आया और तेरह वर्षीय पुत्री से छेड़छाड़ की। शोर पर मोहल्ले के कई लोग पहुंचे तो आरोपी भाग गया। घर में घुसकर छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की।

● विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान ने सुनाया फैसला

पीड़िता का मेडिकल परीक्षण और कोर्ट में बयान कराए गए। जिसके बाद विवेचना पूरी कर घर में घुसकर दुष्कर्म, धमकाने और पॉक्सो एक्ट के ततह चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की गई। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान की अदालत में हुई। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद न्यायालय ने आरोपी शमशाद को दोषी पाते हुए 20 साल कैद और 35 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया है।

देरी से पहुंचा स्टाफ, दो महिलाओं का एंबुलेंस में ही हुआ प्रसव

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रसव पीड़ा से तड़पती दो महिलाओं ने अस्पताल गेट तक पहुंचने के बावजूद एंबुलेंस में ही बच्चों को जन्म दिया। ड्यूटी स्टाफ के देर से पहुंचने के कारण दोनों डिलीवरी अस्पताल के अंदर नहीं, बल्कि गेट पर खड़ी एंबुलेंस में करानी पड़ी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरु किया गया।

बताते हैं कि क्षेत्र के गांव कबूलपुर निवासी आरती देवी पत्नी हीरालाल को बीती रात प्रसव पीड़ा बढ़ने पर 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। एंबुलेंस रात 10.05 बजे अस्पताल गेट पर पहुंची। उस समय एंबुलेंस में ईएमटी योगेंद्र कुमार और चालक मानसिंह ड्यूटी पर थे। आरोप है कि अस्पताल के भीतर मौजूद महिला स्टाफ को सूचना देने के बावजूद पहुंचने में देरी हुई। इसी बीच आरती देवी को प्रसव होने लगा और मजबूरन एंबुलेंस के अंदर ही डिलीवरी करानी पड़ी।

● अस्पताल गेट तक पहुंची एंबुलेंस, लेकिन स्टाफ के आने से पहले शुरू हो गया दर्द

बाद में महिला स्टाफ ने पहुंचकर आगे का इलाज किया। महिला ने एक स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया। इतना ही नहीं दूसरे मामले में भी यहीं हाल रहा। दूसरा मामला भी मंगलवार तड़के सामने आया। क्षेत्र के गांव दियोहना निवासी पूजा देवी पत्नी प्रमोद कुमार को सुबह करीब चार बजे 108 एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। इस एंबुलेंस पर ईएमटी सरवराज सिंह और चालक पिंटू ड्यूटी पर थे। अस्पताल गेट पर पहुंचने पर ड्यूटी स्टाफ को सूचित किया गया, लेकिन यहां भी स्टाफ समय पर नहीं पहुंच पाया। प्रसव पीड़ा तेज होने पर पूजा देवी की डिलीवरी भी एंबुलेंस के अंदर ही करानी पड़ी। महिला ने एक कन्या को जन्म दिया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकेश कुमार ने बताया कि दोनों महिलाओं का सुरक्षित प्रसव अस्पताल गेट पर एंबुलेंस के अंदर स्टाफ नर्स मधु द्वारा कराया गया है। दोनों मां-बच्चे स्वस्थ हैं।

डीजे पर डांस के दौरान भिड़े बराती, एक दूसरे पर किया हमला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : एक मैरिज लॉन में सोमवार देर रात डीजे पर मनपसंद गाना बजाने को लेकर दुल्हा और दुल्हन पक्ष के युवा भिड़ गए। मामूली कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। आधा घंटे तक चले हंगामे में एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने सख्ती कर डीजे बंद कराया और घायल को अस्पताल भिजवाया।

सुनगढ़ी थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के पास एक मैरिज लॉन में सोमवार रात वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान डीजे पर गाना बजाने को लेकर अचानक विवाद भड़क गया। न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव खरगपुर और सुनगढ़ी क्षेत्र के संडा गांव से पहुंचे बराती अपनी-

● रेलवे स्टेशन के पास मैरिज लॉन का मामला

अपनी पसंद के गाने बजाने की जिद करने लगे। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। मारपीट के दौरान मैरिज लॉन परिसर में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। करीब आधा घंटे तक चले हंगामे में कई लोगों को मामूली चोटें आईं। जिसमें न्यूरिया के रहने वाले परिमाल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हंगामा करने वाले बराती भाग निकले। पुलिस ने हालात शांत कराते हुए डीजे बंद कराया और घायल युवक को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

सिलेंडर से गैस लीक होने पर लगी आग, युवक झुलसा

पीलीभीत, अमृत विचार : घरेलू गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। लपटों के बीच बच्चों को बचाने के प्रयास में एक युवक झुलस गया। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए, उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। हादसा गजरौला थाना क्षेत्र के गांव सुहास पंडरी में हुआ। सुहास पंडरी निवासी के रहने वाले संजेश सोमवार रात परिवार के साथ बैठे थे। पत्नी खाना बना रही थी। इसी बीच गैस लीक होने से आग लग गई और लपटे निकलने लगी। पत्नी को बचाने के लिए भागा संजेश झुलस गया। चीख पुकार सुनकर लोग जमा हो गए। मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया। झुलसे युवक को मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया है।

बच्चों के बनाए मॉडलों की हुई सराहना

बनाए गए मॉडल दिखाते बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: ग्रेस पब्लिक स्कूल में विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी लगाई गई। इसकी शुरुआत फीता काटकर फाउंडर शायर मुजीब साहिल, डॉ. ज़ीशान अहमद ने कराई। नाफिया अंसारी,नीरज, बिलाल और शुभ ने विंडमिल बनाई। सोलर सिस्टम आशुतोष, उमम, शाहज़ेब, कृष्णा और वशिष्ठ ने बनाया। काव्या, आलिया,असद,और समीरा ने वाटर डिस्पेंसर बनाया। वाटर पोल्यूशन मॉडल अभिषेक, फ़रज़ान, ऋषभ ने बनाया। सभी की सराहना की गई। प्रधानाचार्य सायमा परवीन ने आभार जताया। इस मौके पर अफसार अहमद, ज़ाहिद अंसारी, दानिश, यासमीन, खुशनुमा, जावेद, सरस्वती देवी, अंजली शहरोज़ आदि मौजूद रहे।

● विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी की शुरुआत डॉ. जीशान अहमद ने कराई

डिप्टी आरएमओ ने केंद्र प्रभारियों से नाराजगी जताई

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला ने मंडी पहुंचकर धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। अव्यवस्था मिलने पर नाराजगी जताते हुए क्रय केंद्र प्रभारियों से नाराजगी जताई।

बता दें कि बीसलपुर मंडी समिति में धान खरीद के लिए 33 क्रय केंद्र खोले गए हैं। तीन अक्टूबर से अब तक करीब 85593 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। क्रय केंद्रों से धान का उठान न होने से टिनशेड पटे हैं। इधर, केंद्र प्रभारियों ने धान की तौल रोक दी है। इससे किसानों के धान लदी ट्रॉलियों की कतार लगी है। बीते दिनों एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें आरोप था कि कार में बैठाकर एक केंद्र प्रभारी खरीद में खेल कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने से खलबली मची रही थी।

● धान क्रय केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान पाई अव्यवस्था

मंगलवार को डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला, एआर कोऑपरेटिव डॉ. प्रदीप कमार मंडी समिति पहुंचे और धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। पीसीयू धान क्रय केंद्र पर उठान न होने की शिकायत डिप्टी आरएमओ से की गई। किसानों का आरोप था कि करीब एक माह से तौल नहीं की गई।डिप्टी आरएमओ ने क्रय केंद्रों का निरीक्षण कर अव्यवस्थाओं के लिए केंद्र प्रभारियों से नाराजगी जताई। धान की तौल कराने के निर्देश दिए गए।

न्यूज ब्रीफ

शराब फैक्ट्री में करंट लगने से मजदूर की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पीलीभीत जिले के थाना बरखेड़ा के गांव ललौली निवासी मुकेश (25) निगोही क्षेत्र में एक शराब फैक्ट्री में काम करता था। सोमवार शाम काम करते समय उसको करंट लग, जिससे वह नीचे गिरकर बेहोश हो गया। फैक्ट्री के कर्मचारी मुकेश को मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि मुकेश 15 दिन पहले फैक्ट्री में काम करने के लिए आया था। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। मुकेश की मौत से पत्नी बेलावती और दो बच्चों का रो रोकर बुराहाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आयी है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पिकअप की टक्कर से घायल की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव नकटा उर्फ मुरादाबाद के निवासी मुकेश कुमार शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह आठ नवंबर को कस्बे से काम निपटाकर लौट रहे थे। बाइक पर भाई चतुर बिहारी भी बैठा था। नोबल शुगर लिमिटेड के पास पहुचते ही पीलीभीत की तरफ से आ रही पिकअप ने टक्कर मार दी। एक निजी अस्पताल में इलाज कराया गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

सड़क हादसे में मौत की रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम बिठौराकलां निवासी राम प्रसाद ने पुलिस तहरीर देकर बताया कि 20 अक्टूबर को दोपहर दो बजे उसका पुत्र राजकुमार अपनी बाइक से पीलीभीत से घर आ रहा था। जैसे उसका पुत्र गांव कैंच के आगे सराय सुंदरपुर पुलिया के पास पहुंचा। तभी अज्ञात बाइक चालक ने उसके पुत्र की बाइक में टक्कर मार दी। जिससे उसके पुत्र की मौत हो गई। गजरौला पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

स्कूल से अभिलेख चोरी कर भागे दो युवक

पीलीभीत, अमृत विचार : सेंटएलायसिस कॉलेज के प्रधानाचार्य फादर सीजी क्रिशफोर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 अक्टूबर को सुबह साढ़े 10 बजे दो व्यक्ति उनके कार्यालय में आए। उन्होंने पूर्व छात्र नितेश तिवारी पुत्र रामधर तिवारी व संतोष तिवारी के विद्यालय से जुड़े अभिलेख मांगे। विद्यालय के कार्यालय में महिला कर्मचारियों ने उनको अभिलेख सत्यापित करने के लिए दे दिए। इसके बाद दोनों युवक अभिलेख चोरी करके भाग गए। जिनकी फोटो विद्यालय में सीसीटीवी में कैद है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिंघाड़े निकालने के लिए तालाब में उतरा किशोर, डूबकर मौत

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उगनपुर में हुआ हादसा, तालाब के पास मिली चप्पलें

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : तालाब से सिंघाड़े निकालने गया किशोर पानी अधिक होने पर डूब गया। चीखने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों पर काम कर रहे ग्रामीण पहुंचे और फिर तालाब से उसे निकाला गया। हालांकि उसकी मौत हो चुकी थी। परिवार वालों का हादसे के बाद रोकर बुरा हाल रहा।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उगनपुर के रहने वाले ग्राम उगनपुर मरौरी निवासी पंचमलाल खेती करते हैं। उनका 17 वर्षीय पुत्र सक्षम मंगलवार को गांव में ही घूमने निकला था। दोपहर करीब तीन बजे वह गावं के बाहर की तरफ स्थित तालाब में सिंघाड़े निकालने के लिए उतर गया। इस बीच पानी अधिक होने पर वह डूबने लगा। आसपास के खेतों पर कुछ ग्रामीण काम कर रहे थे। इस बीच लोगों ने चीख पुकार सुनी तो वह तालाब की तरफ पहुंचे। इस दौरान तालाब किनारे किशोर की चप्पलें रखी हुई दिखीं तो अनहोनी का अंदेशा हुआ। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। कुछ लोग तालाब में उतर गए और फिर करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सक्षम को बाहर निकला गया। वह बेसुध हालत में था। उसके परिवार वाले भी आ गए।

सीएचसी बीसलपुर में विलाप करते परिवार वाले। ● अमृत विचार

आनन-फानन में उसे बीसलपुर सीएचसी लाया गया। वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और जानकारी की। हालांकि परिवार ने किसी तरह का आरोप नहीं लगाया। इधर, परिवार में किशोर की मौत के बाद चीख पुकार मची रही। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि तालाब में डूबने से एक किशोर की मौत हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। परिवार ने किसी तरह का आरोप नहीं लगाया है।

एक अन्य हादसे में ग्रामीण घायल

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पकड़िया मंगली के रहने वाले नेमचंद का पुत्र सोनू गांव के पास से गुजर रहा था, जिसे किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल हो गया। उसे आनन-फानन में परिवार वाले सीएचसी लेकर पहुंचे। प्राथमिक इलाज के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

नेपियर घास उगाने को सरकार करेगी मदद

- नेपियर घास के उत्पादन पर मिलेगा अनुदान, निशुल्क मिलेगी रूट स्लिप
- पशुओं के लिए मिलेगा पौष्टिक चारा, 10 वर्ष तक कर सकते हैं पैदावार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : दुधारू पशुओं के लिए हरा चारा उनकी सेहत, दूध की गुणवत्ता एवं उत्पादन बढ़ाने में बेहद जरूरी माना जाता है, लेकिन जनपद में पौष्टिक हरे चारे की कमी पशुपालकों के लिए मुसीबत का सबब बन रही है। इधर अब सरकार ने चारे की समस्या से जूझ रहे किसानों को नेपियर घास की खेती के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान देने का निर्णय लिया है। यह योजना किसानों की आय बढ़ाने के साथ पशुओं के लिए बेहतर चारा मुहैया कराने में सहायक होगी। खास बात यह है कि सरकार नेपियर घास के उत्पादन करने वाले किसानों को रूट स्लिप निशुल्क देगी। दरअसल नेपियर घास पशुओं के लिए पौष्टिक चारा है, जो उनके स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार करता है।

प्रदेश सरकार पशुपालकों की आय बढ़ाने और दुधारू पशुओं को पौष्टिक हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए नेपियर घास के उत्पादन को बढ़ावा देने में जुटी हैं, किसानों व पशु पालकों को साल भर अच्छा चारा मिल सके और उनके पशु स्वस्थ रहकर बेहतर उत्पादन दे सकें। इधर अब जनपद में भी चारा नीति के अंतर्गत किसानों को नेपियर घास के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह योजना किसानों और पंजीकृत गोशालाओं के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। इस योजना के तहत पशुपालन विभाग किसानों को नेपियर घास की स्लिप रूट (जड़ों) का निशुल्क वितरण करेगा। इसके साथ ही 0.2 हेक्टेयर भूमि पर नेपियर घास रोपाई करने वाले किसानों को चार हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। पशुपालन विभाग के मुताबिक यह अनुदान दो किस्तों में दिया जाएगा। पहली किस्त स्लिप रूट देने के समय और दूसरी किस्त घास की पहली कटाई के बाद जारी की जाएगी। एक बार रोपाई करने पर नेपियर घास 10 वर्षों तक लगातार उपलब्ध रहती है।

खेत में खड़ी नेपियर घास। ● अमृत विचार

> जनपद में हरे चारे के तौर पर नेपियर घास को बढ़ावा देने के लिए योजना शुरू की की गई है। इसके उत्पादन के लिए अनुदान भी दिया जा रहा है। साथ ही विभाग की ओर से निशुल्क स्लिप रुट भी दी जाएगी। पशुओं को हर चारे के तौर पर खिलाने से उनके स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार आएगा।
> – डॉ. पीके त्यागी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

छह साल पहले बंद हुआ पीलीभीत का दूरदर्शन रिले केंद्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: छह वर्ष पूर्व दूरदर्शन रिले केंद्र बंद हो गया और अब प्रसार भारती की एफएम रेडियो सेवा पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यह तस्वीर उस जनपद की है, जहां से जनप्रतिनिधियों ने कुर्सी हासिल करने के बाद केंद्र की सत्ता में भी अपनी हनक दिखाई। इन दिनों एफएम रेडियो सेवा का प्रसारण केंद्र टूटी कुर्सियों और महज एक टेक्नीशियन के सहारे चल रहा है। भवन का भी कोई पुरसाहाल नही है।

पीलीभीत में वर्ष 1989 में दूरदर्शन रिले केंद्र की स्थापना कराई गई थी। उस दौरान यह रिले केंद्र पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पीलीभीत से सांसद रहीं मेनका गांधी के प्रयासों के स्थापित किया गया था। उस दौरान 100 किलोवॉट की क्षमता का लो पॉवर ट्रांसमीटर स्थापित किया गया था। हालांकि वर्ष 2010 में इसे 500 किलोवॉट (अल्ट्रा हाई फ्रीक्वेंसी) में परिवर्तित कर दिया। प्रसार भारती के इस दूरदर्शन रिले केंद्र से करीब 60 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले लोगों को प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का लाभ मिलने लगा था। छतों पर ऊंचे एंटीने को बार-बार घुमाकर थक चुके लोग भी इस दूरदर्शन रिले केंद्र के संचालित होने के काफी खुश थे। गांव में लोग बकायदा सामूहिक रूप से खुले मैदान में टीवी लगाकर रामायण समेत अन्य कार्यक्रम का आनंद लेते थे। मगर वर्ष 2018 आते-आते इस रिले केंद्र पर ग्रहण लग गया। प्रसार भारती के फरमान के बाद पीलीभीत का दूरदर्शन रिले केंद्र बंद कर दिया। इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में दूरदर्शन के कार्यक्रमों का प्रसारण हमेशा के लिए पूरी तरह बंद हो गया था।

शहर स्थित दूरदर्शन रिले केंद्र, जहां से एफएम सेवा का होता है प्रसारण।

- महज 2 किमी रेंज में संचालन कर हो रही खानापूरी
- अब एफएम सेवा पर मंडरा रहे संकट के बादल

एफएम रेडिया सेवा: महज प्रसारण केंद्र के आसपास ही देती है सुनाई

दूरदर्शन रिले केंद्र से ही प्रसार भारती की एफएम रेडियो सेवा भी प्रसारित की जाती थी। इस रेडियो सेवा के लिए भवन में 100 वॉट का ट्रांसमीटर लगाया गया। ट्रांसमीटर निर्बाध तरीके से चलता रहे, कूलिग के लिए एसी आदि की व्यवस्था की गई थी। मगर, जनपदवासियों के लिए यह एफएम सेवा महज एक झुनझुना ही साबित रही। दरअसल यहां जो 100 वॉट का ट्रांसमीटर लगाया गया है, उसकी क्षमता महज रिले केंद्र और उसके आसपास के दो किमी के दायरे में रही है। ऐसे में इस एफएम सेवा का लाभ जनपदवासियों को दूर की बात, उस शहर के लोग भी नहीं उठा सके, जहां यह स्थापित हैं। यह एफएम महज टनकपुर हाईवे पर रिले केंद्र के आसपास ही सुना जा सकता है। इधर अब खास बात यह है कि अब यह एफएम रेडियो सेवा भी बंदी के कगार पर पहुंचती दिखाई दे रही है। जिस प्रसारण केंद्र में पहले इंजीनियरों की तैनाती थी, वहां अब महज एक टैक्नीशियन से काम चलाया जा रहा है। ट्रांसमीटर को कूलिंग देने वाला एसी भी बंद हो चुका है। एक टेबल फैन के सहारे ट्रांसमीटर को कूल किया जाता है। भवन में रखे जनरेटर पर भी ताले जड़ें चुके हैं। केंद्र के अंदर रखी कुर्सियां भी टूट चुकी है। इस मामले में जब रिले केंद्र का संचालन कर रहे टेक्नीशियन मुकेश सिंह से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि एफएम रेडियो की फ्रीक्वेंसी करीब दो किमी के रेडियस में हैं। शेष अन्य सुविधाओं को लेकर निर्णय उच्चधिकारियों के स्तर से लिया जाता है। जिसकी हमारे स्तर से डिमांड भी नहीं की जा सकती हैं।

विद्यार्थियों का लक्ष्य हो जिम्मेदार नागरिक बनना

छात्र को पुरस्कृत करते एसएसबी अधिकारी व प्रधानाचार्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: सशस्त्र सीमा बल की ओर से मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय में जिम्मेदार नागरिक विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता कराई गई। कार्यवाहक डीआईजी/कमांडेंट राजेन्द्र कुमार के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न कराया गया। जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं में जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने के लिए प्रेरित करना रहा। उन्होंने बताया कि राष्ट्र की प्रगति में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक छात्र को अपने कर्तव्यों, अधिकारों और सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहना चाहिए। देश का भविष्य आज के युवा तय करते हैं, इसलिए हर विद्यार्थी का लक्ष्य एक जिम्मेदार, जागरूक और आदर्श नागरिक बनना होना चाहिए। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर उपकमांडेंट के. रमना राजू, प्रधानाचार्य असलम जावेद आदि मौजूद रहे।

ट्रक चालक पर एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बर्रामऊ निवासी होरीलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भाई सर्वेश कुमार 23 नवंबर को बरखेड़ा से गांव मचवाखेड़ा जा रहा था। पीलीभीत की ओर से आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें सर्वेश घायल हो गया। उसकी निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक के नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

मेडिकल कॉलेज में 75 लाख रुपयों से बनाई जाएगी बाउंड्रीवॉल

- शासन ने जारी की धनराशि, अब बंद होंगे अवैध रास्ते
- रास्ते बंद होने रुकेगा बाहरी मेडिकल स्टोर का खेल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज परिसर अब अवैध रास्तों और अनधिकृत आवाजाही से मुक्त होकर सुरक्षित दायरे में होगा। शासन ने 75 लाख रुपये की धनराशि जारी कर बाउंड्री वॉल निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। लंबे समय से खुले रास्तों के कारण परिसर में बाहरी मेडिकल स्टोरों का दखल और अनियंत्रित प्रवेश बड़ी समस्या बना हुआ था, लेकिन मजबूत परिधि दीवार बनने के बाद न सिर्फ यह अवैध खेल थमेगा, बल्कि मरीजों, छात्रों और स्टाफ के लिए एक सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल तैयार होगा।

बता दें कि मेडिकल कॉलेज बनने से पहले संयुक्त जिला चिकित्सालय हुआ करता था। जहां महिला और पुरुष अस्पताल संचालित होता है। इस कैंपस का दायरा करीब किलोमीटर लंबा है। जहां करीब कैंपस की सात से आठ जगह से दीवारें टूटी हुई है। वहां लोग अपने मेडिकल खोले बैठे हुए हैं। जिनकी साठगांठ ओपीडी में बैठे डॉक्टरों से रहने का आरोप लगता रहा है। मरीजों को बाहर की दवा लिखकर मेडिकल का रास्ता भी बताया जाता है। इतना ही नहीं इन अवैध रास्तों से तमाम लोगों का कैंपस में जमाबड़ा लगा रहता है। वर्ष 2023 में मेडिकल कॉलेज बनने के बाद यहां सुविधाएं बढ़ने लगी है। अब कैंपस की सुरक्षा को लेकर भी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने तैयारियां शुरु कर दी है। इन अवैध रास्तों को बंद करने के लिए शासन की ओर से 75 लाख का बजट जारी किया है। जिससे कैंपस में बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाएगा। बजट मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अगले माह से इस पर भी काम शुरु होने की उम्मीद है। बता दें कि मेडिकल कॉलेज में करीब पांच से अधिक जगह अवैध रास्ते खुले हुए हैं। कई लोगों ने तो कैंपस में अपनी गाड़ियां खड़ी करने का तक अड्डा बना है। मगर अब बाउंड्री वॉल होते ही यह सब बंद किया जाएगा। इसको लेकर मेडिकल कॉलेज प्रशासन सख्त रुख अपनाएगा। साथ ही कैंपस का सुरक्षा चक्र भी मजबूत होगा। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि कैंपस की सुरक्षा के चलते अवैध रास्तों को बंद कराया जाएगा। इसको लेकर 75 लाख का बजट मिला है। जिससे बाउंड्री वॉल कराई जाएगी।

स्पोर्ट्स स्टेडियम शाहजहांपुर ने 32 रनों से दर्ज की जीत

क्रिकेट खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : फ्यूचर स्टार्स यू-14 प्राइज मनी क्रिकेट लीग के 11वें लीग मैच में स्पोर्ट्स स्टेडियम शाहजहांपुर ने क्रिकेट मैवेरिक्स को 32 रनों से हराकर जीत दर्ज की। मैन ऑफ दि मैच शमित दास रहे।

22 याड्र्स क्रिकेट अकेडमी और इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट के 11वें मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए की टीम ने 40 ओवरों में सभी विकेट खोकर 228 रनों का स्कोर खड़ा किया। नितिन मौर्य ने सर्वाधिक रन 42 गेंद पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 53 रन बनाए। महित ने 42 रन की पारी खेली। क्रिकेट मैवेरिक्स के आरव शर्मा ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए चार विकेट चटकाए। इसके जवाब में क्रिकेट मैवेरिक्स 196 रन बनाकर आउट हो हुई। विराट सक्सेना ने सर्वाधिक 59 रनों की पारी खेली और अमित ने 24 व उदित ने 21 रन बनाए। स्पोर्ट्स स्टेडियम शाहजहांपुर के शमित दास ने चार विकेट चटकाए। शमित दास को शानदार बल्लेबाज़ी और गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर तमाम लोग मौजूद रहे।

यातायात नियमों के पालन का महत्व बताया

पीलीभीत, अमृत विचार: एसपी के निर्देशन में चलाए जा रहे यातायात माह नवंबर अभियान के तहत वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को थाना सुनगढ़ी पुलिस ने भी लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया। टाइगर ऑफ रोड मुहिम के तहत मुख्य चौराहों पर पहुंचकर लोगों से संवाद किया गया। हादसे से बचने के लिए नियमों का पालन करने की अपील की गई। इसका महत्व भी बारीकी से बताया गया। यातायात संकेतों का अनुपालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने, तेज गति और मोबाइल फोन से बचने आदि की अपील की। ये भी कहा कि खुद भी नियमों का पालन करें और दूसरों को भी कराएं। इस दौरान जागरूकता वाले पंपलेट भी बांटे गए।

नशा करने से रोका तो भाई के घर में लगाई आग

- पुलिस ने बड़े भाई की तहरीर पर छोटे भाई के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नशा करने का विरोध करने पर छोटे भाई ने बड़े भाई के घर में आग लगा दी। जिससे घरेलू सामान जल गया। कोतवाली पुलिस और दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला छोटा खुदागंज निवासी मोहम्मद नईम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका छोटा भाई फहीम नशा अधिक करने लगा। कुछ समय पहले ही वह बरेली जेल से छूटकर आया है। इसके बाद उसने और उसके परिवार वालों ने काफी समझाने का प्रयास किया। जिससे नाराज होकर उसने उसे और उसकी पत्नी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपी ने उनकी गैर मौजूदगी में घर के ताले तोड़कर सामान में आग लगा दी। घटना के समय वह अपनी पत्नी के साथ एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए गया हुए थे। थोड़ी देर बाद जब वापस आए तो घटना की जानकारी हुई। कोतवाली पुलिस और दमकल की टीम ने बमुश्किल आग पर काबू किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

खंड शिक्षाधिकारी ने प्रभारी प्रधानाध्यापक का जवब तलब किया

बीसलपुर, अमृत विचार: सोमवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय किशनपुर में एमडीएम में रोटी सब्जी की जगह तहरी परोसी गई थी। बच्चों को फल नहीं दिए गए थे। अभिभावकों द्वारा इसकी शिकायत खंड शिक्षा अधिकारी शिव शंकर मौर्य से की गई थी। आरोप लगाया कि बच्चों को दूध फल नहीं दिया जा रहा है,ना ही मैन्यु के हिसाब से भोजन मिलता है। गैस सिलेंडर की बजाय चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है। उसकी धनराशि का दुरुपयोग हो रहा है। खंड शिक्षाधिकारी ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने बताया कि विद्यालय पहुंचकर भी आरोपों की जांच करेंगे।

प्रभारी बीएसए ने 5 बूथों का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: प्रभारी बीएसए दरवेश कुमार ने मंगलवार को पूरनपुर और मरौरी ब्लॉक के पांच बूथों पर चल रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) का निरीक्षण किया।

मरौरी ब्लॉक के प्राइमरी स्कूल बेबी सिंह कॉलोनी के निरीक्षण में मौजूद बीएलओ को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक मतदाताओं के गणना पत्रको को जल्द से जल्द जमा किया जाए और उनकी फीडिंग कराई जाए। इसके बाद प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल गजरौला पहुंचे। बीएसए ने मतदाता सूचियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का जायजा लिया। यहां मौजूद बूथ लेवल ऑफिसर को कार्यों में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण करने पहुंचे प्रभारी बीएसए दरवेश कुमार। ● अमृत विचार

- लापरवाही पर दी गई कार्रवाई की चेतावनी

बिठौराकलां के बूथ का निरीक्षण करने के बाद पूरनपुर के उदय करनपुर के प्राइमरी स्कूल के बूथ पर पहुंचे। जहां बीएसए ने शिक्षकों को भी इस कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिए निर्देश दिए। जिलेभर के खंड शिक्षा अधिकारियों को बीएसए दरवेश कुमार ने निर्देश दिया है कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिस लेवल पर उदासीनता पाई जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मरौरी के खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सिंह और जिला समन्वयक सचिन चौधरी मौजूद रहे।

Medical Lifelines of Bareilly अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

स्मृति शेष
अरविंद गिरि
कॉरिडोर का अधिकारियों को प्रथम निरीक्षण कराते स्वर्गीय विधायक अरविंद गिरि।
गोला का गर्व
भव्य शिव मंदिर कॉरिडोर
विधानसभा क्षेत्र में विकास योजनाओं को लेकर लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री जी से मुलाकात करते हुए
विधायक अमन अरविंद गिरि
के निरंतर प्रयासों एवं
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
की विशेष रुचि से गोला गोकर्णनाथ में देवभूमि जैसा विराट स्वरूप आकार ले रहा है
आने वाला है शिवत्व, श्रद्धा और पर्यटन का नया आयाम
भव्य शिव मंदिर कॉरिडोर
प्राचीन आस्था को आधुनिक भव्यता का संगम
अद्भुत शिल्पकला, विशाल परिसर और आकर्षक दर्शन मार्ग
यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ, चौड़े मार्ग व सौंदर्यीकरण
रोजगार को मिलेगा बढ़ावा
निर्माण कार्यों में सीधे रोजगार
पर्यटन आधारित सेवाओं से स्थायी आय
युवाओं के लिए नई संभावनाएँ
मुस्तफाबाद अब कबीरधाम के नाम से जाना जायेगा राष्ट्रीय संत परम् पूज्य श्री श्री असंगदेव जी के सानिध्य मे आयोजित स्मृति प्रकाट्योतस्व कार्यक्रम मे यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने घोषणा की।
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम
आपकी आस्था हमारा संकल्प
गोला गोकर्णनाथ को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक धरोहर बनाना
यही है- विधायक अमन अरविंद गिरि जी का सपना और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आशीर्वाद
1. बस्तौला चौराहे से अलीगंज तिकुनिया सड़क निर्माण प्रारंभ 2. बस्लीपुर में डॉ. सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम निर्माण होकर प्रारंभ 3. कोटनाथ में समाज कल्याण विभाग द्वारा 80 लाख रूपयों की लागत से सामूहिक भवन स्वीकृत 4. भटपुरवा कॉलोनी में 80 लाख का सामूहिक भवन स्वीकृत 5. कुंभी में 27 करोड़ की लागत से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (S.T.P) स्वीकृत 6. छोटी काशी के मां मंगला देवी मंदिर का जीर्णोद्धार
बहुत जल्द गोला बनेगा शिव भक्तों का वैश्विक केंद्र
अमन गिरि
विधायक- गोला

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 26 नवंबर 2025

जिले में आज

- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- पूरनपुर के सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में खेल प्रतियोगिता सुबह 09 बजे से।
- एसआईआर को लेकर शहर समेत कई जगह विशेष कैंप सुबह 10 बजे से।
- यातायात माह नवंबर के तहत शहर में जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

पार्किंग को लेकर स्वीट्स हाउस को नोटिस जारी

बरेली, अमृत विचार : शहर को स्वच्छ बनाने के साथ ही एयर क्वालिटी में सुधार करने के लिए नगर निगम लगातार प्रयासरत है, लेकिन प्रमुख चौराहों पर बढ़ रहे अतिक्रमण और दुकानों के बाहर पार्किंग न होने से बेतरतीब वाहनों का जमावड़ा हो रहा है। इसको लेकर नगर निगम ने शहर के प्रतिष्ठित मिष्ठान विक्रेता को नोटिस जारी किया है। प्रतिष्ठान स्वामी को पांच दिन में अपना पक्ष देने के लिए कहा गया है। ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

जॉर्जिया में बरेली के मेडिकल छात्र की हादसे में मौत

बरेली, अमृत विचार : बरेली के देवरनियां थाना क्षेत्र के गांव रहपुरा गनीमत निवासी मो . सफवान की जॉर्जिया में रविवार को दोस्तों के साथ पहाड़ी पर घूमते समय पैर फिसलने से गिरकर मौत हो गई। सफवान जॉर्जिया की सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ यूरोप से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे।सफवान ने डॉ . बनने का सपना देखकर 2021 में यूक्रेन से मेडिकल की पढ़ाई शुरू की थी, लेकिन यूक्रेन और रूस में युद्ध शुरू होने के कारण उन्होंने जॉर्जिया पहुंच कर अपनी पढ़ाई जारी रखी। वह एमबीबीएस के अंतिम वर्ष के छात्र थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत लौटने की योजना बना रहे थे। जवान बेटे की मौत की सूचना परिवार परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

दियोरियाकलां में छेड़छाड़ पीड़िता के चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या

सात माह से चली आ रही पुरानी रंजिश के चलते आरोपी पक्ष ने की वारदात

संवाददाता, दियोरियाकलां (पीलीभीत)

घटना स्थल पर पड़े कारतूस।

अमृत विचार: छेड़छाड़ पीड़िता के चचेरे भाई की रंजिश में गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी पक्ष ने असलहों से लैस होकर उसके घर पर मंगलवार देर शाम हमला कर दिया था। करीब सात माह से दोनों पक्षों के बीच रंजिश चली आ रही थी। इस दौरान महिलाओं से भी मारपीट की गई। एसपी अभिषेक यादव व पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। बताते हैं कि लाइसेंसी राइफल से गोली चलाई गई। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

घटना दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में हुई। यहां की रहने वाली एक युवती की ओर से 15 अप्रैल को दियोरियाकलां कोतवाली में गांव के ही आशीष कुमार, नेवाराम, मुरारीलाल, बादशाह, रामऔतार, अमन, शिवम और सूरज के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट आदि धाराओ में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

जिसमें आरोप था कि आरोपी आशीष उसका पीछा कर छेड़छाड़ करता है। पीड़िता के परिवार ने इसे लेकर बातचीत कर विरोध किया तो आरोपियों ने उनसे भी मारपीट की। इसी मुकदमे के बाद से दोनों परिवारों के बीच रंजिश चली आ रही थी। बताते हैं कि मंगलवार देर शाम आरोपी पक्ष के तमाम लोग लाइसेंसी रायफल, अवैध असलहों से लैस होकर घर में घुस आए और गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया।

इस दौरान फायरिंग की गई, जिसमें गोली लगने से छेड़छाड़ पीड़िता का 25 वर्षीय चचेरे भाई की मौत हो गई। इस दौरान परिवार की महिलाओं से भी मारपीट की गई। जिसके बाद आरोपी भाग गए। सूचना पुलिस को दी गई। कुछ ही देर में सीओ प्रगति चौहान, कोतवाल दिगंबर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। इसके बाद एसपी अभिषेक यादव भी मौके पर पहुंच गए। मौका मुआयना कर घटना के बारे में जानकारी की गई। फॉरेंसिक टीम और एसओजी को भी बुला लिया गया। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। घटना स्थल पर कारतूस भी पड़े मिले, जिसे कब्जे में ले लिया गया। बताते हैं कि लाइसेंसी राइफल से गोली चलाई गई। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

परविधिक स्वयं सेवकों की होंगी भर्तियां, दो तक कर सकेंगे आवेदन

पीलीभीत, अमृत विचार : मुख्यालय एवं तहसील स्तर के लिए परविधिक स्वयं सेवकों का चयन किया जाएगा। आवेदन 2 दिसंबर की शाम पांच बजे तक लिए जाएंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव अपर जिला जज सुनील कुमार ने बताया कि जिले में नालसा द्वारा संचालित परविधिक स्वयं सेवक स्कीम के अनुसार मुख्यालय व तहसील स्तर पर परविधिक स्वयं सेवकों का चयन किया जाना है। इसके आवेदन दो दिसंबर 2025 की शाम पांच बजे तक प्राधिकरण के कार्यालय में जमा किए जाएंगे। सेवानिवृत्त शिक्षक, वरिष्ठ नागरिक, सेवानिवृत्त सरकारी सेवक, स्वयं सेवा समूह, मैत्री समूह जीविका आदि के सदस्य एवं अन्य व्यक्ति जो स्वयं सेवा में रुचि रखता हो, अधिवक्ता को छोड़कर आवेदन दे सकते हैं। यह भी बताया कि जो परविधिक स्वयं सेवक, जिनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है, वह भी आवेदन दे सकते हैं।

फाइलों में सिमटी अधूरे पुल को पूरा करने की योजना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : फरीदपुर के खल्लपुर में रामगंगा नदी पर अधूरे पड़े पुल को पूरा करने की योजना फाइलों में सिमटकर रह गई है। तीन युवकों की मौत का कारण बने इस पुल को पूरा करने के लिए आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों की अध्ययन रिपोर्ट के आधार पर पीडब्ल्यूडी एस्टीमेट तैयार कर शासन को भेज चुका है। इस पर तीन बार आपत्तियां भी लगी थीं। इसके बाद फिर फाइनल एस्टीमेट शासन को भेज गया, लेकिन 11 महीने बाद भी यह फाइल लटकी हुई है। इस कारण यह पुल भी हवा में लटक रहा है।

रामगंगा नदी पर बना यह पुल बरेली के फरीदपुर और बदायूं के दातागंज को जोड़ता है। बीते वर्ष 24 नवंबर की रात गूगल के सहारे पुल पर पहुंची कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे में कार सवार तीन दोस्तों की मौत हो गई थी। इस पर बरेली से लेकर लखनऊ तक खलबली मची थी। शोर-शराबे के बाद पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराकर उन्हें निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद शासन के आदेश पर अधूरे पुल को पूरा कराने के लिए आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों से सर्वे कराकर पुल को पूरा करने के प्रयास शुरू हुए। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने अध्ययन के लिए शुल्क जमा किया, जिसके तीन महीने बाद इंजीनियरों की टीम मौके पर पहुंची और अध्ययन रिपोर्ट उपलब्ध कराई। मार्च में इसकी रिपोर्ट आई। रिपोर्ट में पुल को 150 मीटर विस्तार देने और अप्रोच रोड बनाने का सुझाव दिया गया। इसी रिपोर्ट के आधार पर एस्टीमेट बनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी। सेतु निगम को पुल विस्तार और पीडब्ल्यूडी को एप्रोच रोड के लिए एस्टीमेट देने को कहा गया। इसके आधार पर 140 करोड़ रुपये का एस्टीमेट शासन को भेजा गया। बताया जा रहा है कि शासन स्तर पर वित्तीय कमेटी तीन बाद एस्टीमेट पर आपत्तियां लगा चुकी है।

दौड़ प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

प्रतियोगिता की शुरुआत कराते विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से मंगलवार को पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक खेल स्पर्धा प्रतियोगिता सेंट जोसफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कराई। मुख्य अतिथि विधायक बाबूराम पासवान ने हरी झंडी दिखाकर और गुब्बारे हवा में उड़ाकर शुरुआत कराई। सामूहिक रुप से राष्ट्रगान का गायन किया गया। बच्चों को जीवन में खेलों की उपयोगिता बताई।

सब जूनियर बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में एरिका कौशल ने जीत दर्ज की। जूनियर बालक 100 मीटर दौड़ में हरीश चंद्र प्रथम रहे। जूनियर बालिका वर्ग लम्बी कूद में अनुरीत कौर ने बाजी मारी। सीनियर बालक वर्ग 1500 मीटर में ऋषि कुमार प्रथम, सीनियर बालक वर्ग

● पूरनपुर में हुई विधायक खेल स्पर्धा प्रतियोगिता में किया प्रतिभाग

100 मीटर दौड़ में दिलशाद ने बाजी मारी। जूनियर बालिका वर्ग 800 मीटर दौड़ में एरिका कौशल ने जीत दर्ज की। सब जूनियर बालक वर्ग में फैसल प्रथम, जूनियर बालिका वर्ग 100 मीटर में श्रद्धा पांडेय प्रथम, जूनियर बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में अर्जुन प्रथम, सब जूनियर बालक वर्ग 100 मीटर में मोहम्मद अबि प्रथम रहे। एथलेटिक्स वॉलीबॉल कुश्ती जूडो की प्रतियोगिताएं भी हुई। आज कबड्डी, बैडमिंटन,फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता कराई जाएगी। इस मौके पर एसडीएम पूरनपुर अजीत कुमार सिंह, डीडीओ संजय कुमार, डीसी मनरेगा / बीडीओ पूरनपुर हेमंत कुमार यादव, जिला युवा कल्याण अधिकारी अमित कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पूरनपुर छविराम सिंह, राजेश कुमार शुक्ला,गुरमेज सिंह, प्रशांत शुक्ला , संजीव कुमार कुशवाहा, शांति स्वरूप आदि मौजूद रहे।

वॉलीबॉल में खिलाड़ियों ने दिखाया हुनर

प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ी। ● अमृत विचार

संवाददाता, अमरिया

● मस्तान मेमोरियल वॉलीबॉल टूर्नामेंट का हो रहा आयोजन

अमृत विचार: गांव सरैंदा पट्टी में हजरत मस्तान शाह मियां के 159वें सालाना उर्स पर मंगलवार को मस्तान मेमोरियल वॉलीबॉल टूर्नामेंट कराया जा रहा है। दूसरे दिन मंगलवार को प्रथम लीग मैच में किसान क्लब बांकेगंज आजमगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर किसान क्लब बांकेगंज की टीम को 15-13, 16-14 से पराजित किया। शाहजहांपुर की टीम ने सरैंदा पट्टी की टीम को 15-06, 15-10 से हराकर जीत दर्ज की। नेपाल ने बनारस को 15 -6,15-10 से हराया। वॉलीबॉल टूर्नामेंट में इश्क कुरैशी और आदिल मलिक रेफरी रहे। इस मौके पर इशहाक अंसारी, खालिद खां, डॉ. शफीक अहमद, मोहम्मद इस्लाम, हाजी सादिक रजा, फैज मंसूरी, अकरम मलिक, शादाब मलिक, वासिल खां आदि मौजूद रहे।

परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों के बच्चे पढ़ेंगे एआई, कोडिंग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने की कवायद

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों के बच्चे पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कोडिंग, इंटरनेट, नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा और माइक्रोसॉफ्ट पेंट जैसी आधुनिक तकनीकों का ज्ञान भी हासिल करेंगे। इसको लेकर तैयारियां शुरु कर दी गई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत परिषदीय विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने की कवायद तेज कर दी गई है। विभाग की ओर से कंपोजिट विद्यालयों में स्मार्ट क्लास चलाई जा रही है। इसके अलावा शिक्षकों की तरफ से सामुदायिक सहभागिता से स्मार्ट क्लास चलाई जा रही है। जिसके माध्यम से बच्चे कंप्यूटर सीखते हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने भी पाठ्यक्रम में कंप्यूटर को शामिल किया है। कक्षा छह से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थी कंप्यूटर में डिजिटल लिटरेसी, कोडिंग, कंप्यूटेशनल थिंकिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को जान समझ सके। इसके लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसमें एआई, कोडिंग, माइक्रोसॉफ्ट पेंट, इंटरनेट, नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा, पाइथन आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। कार्यावाहक बेसिक शिक्षा अधिकारी दरवेश सिंह ने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल लिटरेसी के तहत कोडिंग और प्रोग्रामिंग जैसे विषय पर जानकारी देकर उनकी दक्षता बढ़ाई जाएगी। इसको लेकर तैयारियां की जा रही है।

शौर्य सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर किया नाम रोशन

बरेली, अमृत विचार : नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से भोपाल में 11 से 24 नवंबर तक आयोजित 0755 इंडिया ओपन राइफल और पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में बरेली के 13 वर्षीय शूटर शौर्य सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर .22 बोर स्पोर्ट्स पिस्टल यूथ मेन वर्ग में 300 में से 287 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। जूनियर एवं सीनियर वर्ग में भी किसी राज्य के शूटर ने इस स्तर का प्रदर्शन नहीं किया।

प्रतियोगिता में इतनी कम आयु में गोल्ड मेडल जीतने वाले शौर्य बरेली के पहले शूटर बने। इससे पहले जिला या उत्तर प्रदेश का कोई भी खिलाड़ी इस आयु वर्ग में यह उपलब्धि प्राप्त नहीं कर सका। हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, दिल्ली और उत्तराखंड से आए अंतरराज्यीय प्रतिभागियों ने भी उनके प्रदर्शन की सराहना की।

70 चयनित विद्यार्थियों को वितरित कीं पुस्तकें

लाभान्वित किए गए बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एनेलाइजर इंस्टीट्यूट की ओर से ओबीसी योजना के तहत निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए चयनित विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरण की गईं।

जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी सुरेश मौर्य मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि कौशल विकास आज के समय की प्रमुख आवश्यकता है और सरकार द्वारा संचालित ऐसी योजनाएं पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। करीब 70 बच्चों को पुस्तक वितरित की गई। इस मौके पर शिक्षक सचिन कुमार, अंजलि, राधिका सक्सेना आदि मौजूद रहे।

जज के आवास में आग लगने से जला सामान

बरेली, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को एक जज के मकान में आग लगने से सामान जलकर राख हो गया। हादसा इंवर्टर भी शार्ट सर्किट होने से होना बताया जा रहा है। आग लगने के बाद परिवार के लोग घबरा गए। जिसके बाद फायर बिग्रेड की टीम भी सूचना पर मौके पर पहुंच गई। फायर बिग्रेड की टीम ने किसी तरह से आग पर काबू पाया।

कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास निवासी जज ज्ञानेंद्र त्रिपाठी की पत्नी डॉ. मधुलिका त्रिपाठी श्रम विभाग में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार को सुबह अचानक 11:30 बजे के बीच इन्वर्टर में शॉर्ट सर्किट हुआ। स्पार्क से पहले इन्वर्टर में आग भड़की, जिसके बाद लपटें पास में बने मंदिर तक पहुंच गई। आग की चपेट में छत पर लगी फाइबर शीट आ गई, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया।

सुदरकांड पाठ में उमड़े भक्त

सुंदरकांड पाठ में मौजूद भक्त। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

● सहकारी चीनी मिल स्थित मंदिर परिसर में किया पाठ

अमृत विचार : बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल स्थित मंदिर परिसर में विश्वशांति व जनकल्याण के लिए सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। भक्तों ने बाबा का गुणगान किया। मिल के प्रधान प्रबंधक डॉ.हरिकृष्ण गुप्ता, उपसभापति नरेश चंद्र शर्मा, वीके तिवारी, सत्यपाल सिंह यादव, मनोज कुमार त्रिपाठी, अशोक कुमार, डालचंद, विशाल कुमार, दिनेश चंद पांडेय,सीसीओ अवधेश कुमार आदि मौजूद रहे। समापन पर प्रसाद वितरण किया गया।

दूसरे वार्ड के स्कूल में करा सकेंगे दाखिला

कार्यालय संवाददता, बरेली

- वार्ड में बेहतर स्कूल का विकल्प न होने से परेशान गरीब बच्चों के अभिभावकों को मिलेगी राहत
- नियमों में किया गया बदलाव प्ले क्लास से होगा बच्चे का नामांकन

अमृत विचार : जिले के अभिभावकों और बच्चों के लिए राहत भरी खबर है। शिक्षा विभाग ने आरटीई (राइट टू एजुकेशन) के नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए दूसरे वार्ड के विद्यालयों में एडमिशन प्रक्रिया की अनुमति दे दी है। इससे उन परिवारों को राहत मिलेगी जो बेहतर स्कूल का विकल्प अपने वार्ड में न होने के कारण लंबे समय से परेशान थे। इस बार प्ले कक्षा से ही आरटीई के तहत बच्चों का प्रवेश कराया जाएगा।

विभाग की मानें तो अब तक आरटीई के तहत केवल उसी वार्ड के स्कूल में प्रवेश की अनुमति थी। इस नियम के चलते हर वर्ष बड़ी संख्या में प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिए जाते थे। विद्यालय भी इन्हें स्वीकार नहीं करते थे, जिसके कारण कई बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित रह जाते थे। नए नियमों से जिले के विभिन्न विद्यालयों में नामांकन की संभावनाएं बढ़ेंगी और अधिक बच्चे इससे लाभान्वित हो सकेंगे। बदलाव के तहत बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के अनुसार अब बच्चों का प्रवेश प्ले कक्षा से ही किया जाएगा। आवेदन के लिए बच्चे और अभिभावक का आधार कार्ड, निवास प्रमाणपत्र, आधार से लिंक बैंक खाता व मोबाइल नंबर, अधिकतम एक लाख रुपये तक वार्षिक आय प्रमाणपत्र, आवश्यकतानुसार जाति व दिव्यांगता प्रमाणपत्र देना होगा। बीएसए विनीता का कहना है कि दिसंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। नियम में किए गए बदलाव से अभिभावकों को बड़ी राहत मिलेगी और उन्हें बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने में आसानी होगी।

नई व्यवस्था से अधिक बच्चों को मिलेगा लाभ

शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार अब तक प्रत्येक वर्ष केवल वार्ड प्रतिबंध की वजह से फार्म अस्वीकार कर दिए जाते थे। नतीजतन कई बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित होना पड़ता था। नए नियम लागू होने के बाद अब जिले के विद्यालयों में नामांकन की संभावना बढ़ गई है। इससे शिक्षा का दायरा विस्तृत होगा और अधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सकेगा। खासकर उन अभिभावकों के लिए यह राहत की बात है, जो अपने वार्ड में विकल्प न होने की वजह से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण विद्यालयों में दाखिला नहीं दिला पाते थे। अब तक नामचीन विद्यालय नियमों को लेकर अधिक सख्ती दिखाते थे और दूसरे वार्ड से आए आवेदन सीधे खारिज कर देते थे। नए निर्देशों के बाद इन विद्यालयों को भी प्रवेश देना होगा।

एटीएम उखाड़ ले गए चोर, अमरोहा में मिला

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

चोरों द्वारा तोड़ा गया एटीएम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : दिल्ली रोड स्थित हाईवे पर लोकोशेड पर कंटेनर डिपो के समीप पंजाब नेशनल बैंक के आईसीडी ब्रांच के बाहर लगे एटीएम को बदमाश दीवार में सेंधमारी कर चुरा ले गए। सूचना मिलते ही पुलिस महकमें में हलचल मच गई। मौके पर सिविल लाइन पुलिस के साथ एसपी सिटी ने चोरों की तलाश में पुलिस की कई टीमें दौड़ाई। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की। हालांकि एटीएम अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हालत में मिला। लेकिन उसमें रखे सात लाख रुपये गायब थे। बताया जा रहा है कि एमटीएम में घुसे चोर ने सीसीटीवी कैमरों स्प्रे की मदद निष्क्रिय कर दिया। पुलिस ने बैंक प्रबंधक की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सोमवार की देर रात 3 बजे के करीब लोकोशेड पुल के पास हाईवे पर चोर पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को उखाड़ ले गए। पुलिस के अनुसार एटीएम में सात लाख रुपये उस वक्त मौजूद थे। वारदात का पता मंगलवार की सुबह लगा तो क्षेत्रीय लोगों के साथ पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई। सिविल लाइन प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना के अलावा एसपी सिटी कुमार रणविजय भी फॉरेंसिक टीम लेकर मौके पर पहुंचे। जिसके बाद एसपी सिटी ने बैंक प्रबंधक मिंटू शर्मा से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि एक दिन पहले एटीएम में 8 लाख रुपये डाले गए थे, जिसमें से एक लाख रुपये उपभोक्ताओं ने निकाले थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि चोरों में एक ने नकाब लगाया था। वह एमटीएम में घुसा और फिर वहां लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे कर उन्हें निष्क्रिय करता दिखाई दे रहा था। पुलिस ने आसपास के मकानों व प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी कैमरे चेक किए। उनकी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कराई तो अमरोहा जिले के रजबपुर थाने के टोल प्लाजा के पास लोकेशन के पास में ही क्षतिग्रस्त हालत में एटीएम पड़ा मिला।

बदमाशों की तलाश में एसओजी समेत चार टीमें लगाई

एसपी सिटी ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी कैमरों में देखने लगता है चोरों के पास कोई लग्जरी कार थी उन्होंने बताया पुलिस ने रजबपुर थाना क्षेत्र से एटीएम बरामद कर लिया है। चोरों की तलाश में एसओजी समेत चार टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही घटना का खुलासा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बैंक प्रबंधक मिंटू शर्मा की ओर से मिली तहरीर के आधार पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी का समय बदला

बरेली, अमृत विचार : रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए विस्तारित अवधि 30 दिसंबर 2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं शनिवार को चलने वाली 05062/05061 टनकपुर-अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी के मथुरा जंक्शन पर पूर्व में दिये गये आगमन/प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है।

इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि संशोधित समय के बाद गाड़ी नंबर 05062 टनकपुर-अछनेरा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर खटीमा 05.00 बजे, पीलीभीत 05.32 बजे, भोजीपुरा 06.05 बजे, इज्जतनगर 06.22 बजे, बरेली सिटी 06.45 बजे, बरेली जं. से 06.57 बजे, बदायूं से 07.40 बजे, उझानी से 07.53 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 08.20 बजे, कासगंज से 09.00 बजे, सिकन्दराबाद राव से 09.24 बजे, रती का नगला से 09.42 बजे पहुंचती है।

न्यूज ब्रीफ

घर में लगी आग से तीन पशु जले

सिंगाही, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ऐली गांव निवासी बिंद्रा चौहान के घर सोमवार की रात अचानक भीषण आग लग गई। इससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। जब तब ग्रामीण मौके पर पहुंचते और आग पर काबू पाने की कोशिश करते। इससे पहले ही आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की चपेट में आकर घर में बंधे तीन मवेशियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। घर में रखा घरेलू सामान, अनाज आदि जलकर राख हो गया। एसओ अजीत कुमार ने बताया कि अग्निकांड में तीन मवेशी जिंदा जल गए हैं। अन्य कोई जनहानि नहीं हुई है। आग पर काबू पा लिया गया है।

एसडीएम ने जांची एसआईआर की प्रगति

केशवापुर, अमृत विचार : तहसील सदर के उच्च प्राथमिक विद्यालय भल्लिया बुजुर्ग व प्राथमिक विद्यालय ढ़ोंगवा बूथ पर एसआईआर फार्म की प्रगति की जांच करने लखीमपुर एसडीएम रत्नाकर मिश्रा पहुंचे। भल्लिया बुजुर्ग की बीएलओ अफसाना ने बताया भल्लिया बुजुर्ग के 315 मतदाताओं के फॉर्म जमा हुए, दूसरी बीएलओ राजरानी ने बताया कि उन्होंने 400 मतदाताओं के फॉर्म अब तक जमा किए हैं। एसडीएम रत्नाकर मिश्रा ने बताया फॉर्म भरने में लोगों को थोड़ा दिक्कत आ रही हैं, इसलिए समस्या बन रही है। कार्य संतोषजनक हो रहा है।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना शारदानगर क्षेत्र के गांव सिरसी निवासी मंगेश की 30 वर्षीय पत्नी आरती देवी का शव घर के अंदर कमरे में फंदे से लटकते पाया गया। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका के परिजनों ने बताया कि आरती के पति की करीब एक साल पहले मौत हो गई थी, वह अवसाद में रहती थी। सोमवार की शाम घर के अंदर कमरे में फंदे से उसका शव लटकते पाया गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जहर खाने से महिला की गई जान

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना व कस्बा फूलबेहड़ निवासी दिनेश की 45 वर्षीय पत्नी राम दुलारी ने सोमवार की शाम अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। घटना की जानकारी होने पर परिजन आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर देर रात तक चले इलाज के बाद डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

निघासन, अमृत विचार : पुलिस ने दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहे नाजिर पुत्र यूसुफ निवासी लालजीपुरवा मजरा अमेठी कोतवाली धौरहरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस उसकी काफी दिनों से तलाश कर रही थी। मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी का चालान भेजा है।

अस्पताल से एसी का आउटडोर यूनिट चोरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जिला महिला अस्पताल की पैथोलॉजी विंग की छत पर एसी का आउटडोर यूनिट लगा हुआ है। अस्पताल परिसर में मौजूद सुरक्षा गार्ड धीरेंद्र मिश्रा, अरविंद कुमार और होमगार्ड चेतन बिहारी व मुनीश रात भर ड्यूटी पर तैनात थे। इसके बावजूद चोर बेखौफ दीवार फांदकर छत तक पहुंच गए और भारी भरकम आउटडोर यूनिट निकाल ले गए। चोरी का पता सुबह स्टाफ के पहुंचने पर चला। खास बात यह कि पास ही जेल गेट चौकी है।

कब्र से गायब हुआ किशोरी का शव, खेत में निर्वस्त्र मिला

21 नवंबर को बीमारी से हुई थी मौत, कुदाल और पैरों के निशान मिलने से गहराया रहस्य, फातिहा पढ़ने गया युवक खुदी कब्र देख रह गया दंग

संवाददाता, लखीमपुर खीरी/बेहजम

अमृत विचार: नीमगांव थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक ऐसा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया, जिसने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। बीते शुक्रवार को बीमारी से मृत 15 वर्षीय किशोरी को दफनाए जाने के चार दिन बाद अज्ञात लोगों ने उसकी कब्र खोद डाली और शव को गायब कर दिया। सुबह ग्रामीणों को उसका शव कब्र से लगभग एक किलोमीटर दूर एक गन्ने के खेत में निर्वस्त्र अवस्था में पड़ा मिला। घटना स्थल पर कुदाल, पैरों के निशान मिले हैं। इससे समूचे इलाके में दहशत व्याप्त हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह साफ नहीं हो सकी है। डॉक्टरों ने बिसरा सुरक्षित किया है।

सिकंदराबाद गांव निवासी शकील की 15 वर्षीय पुत्री आसरा का मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहता था। वह काफी समय से बीमार थी। उसका इलाज चल रहा था। आसरा की 21 नवंबर को मौत हो गई थी। मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार उसका अंतिम संस्कार किया गया था। कब्र पर सुबह और शाम को मृत आत्मा की शांति के लिए मुस्लिम लीग रिवाज के तहत नमाज पढ़ी जाती है। नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद के मौलाना ने एक युवक को नियुक्ति किया था। वह मंगलवार की नमाज पढ़ने के लिए कब्र पर गया था। वहां पर कब्र की स्थिति देखकर वह दंग रह गया और उल्टे पैर लौट कर मस्जिद में आकर मौलाना को घटना की जानकारी दी।

इसके बाद मौलाना ने परिजनों को सूचना दी। सूचना पाकर तमाम लोगों के साथ परिजन मौके पर पहुंचे और खोजबीन शुरू की तो कब्र पर कफन तो पड़ा था, लेकिन शव नहीं था। खोजबीन के दौरान शव कब्र से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर एक गन्ने के खेत में निर्वस्त्र अवस्था में पड़ा मिला। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने सुरक्षा घेरा बनाकर किसी को मौके पर नहीं जाने दिया। कब्र के पास से ही कुदाल बरामद हुई है। वहां पर पैरों के निशान भी मिले हैं। सीओ ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह साफ नहीं हो सकी है। बिसरा सुरक्षित किया गया है।

कब्र से खेत तक...क्या तंत्र-मंत्र की साजिश या कुछ और

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार: कस्बा सिकंदराबाद में 15 वर्षीय किशोरी का शव कब्र से रहस्यमय तरीके से गायब होकर एक किलोमीटर दूर गन्ने के खेत में निर्वस्त्र अवस्था में मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों की जुबान पर अब एक ही सवाल है कि क्या यह तंत्र-मंत्र का मामला है, कोई संगठित साजिश या फिर इसके पीछे कोई और ही काला सच छिपा है। कब्र से लेकर खेत तक की दूरी और बीच में मिले सुराग, दोनों ही कई प्रश्न खड़े कर रहे हैं।

गांव सिकंद्राबाद निवासी मृतका के पिता शकील का कहना है कि कब्र की खुदाई कर एक व्यक्ति शव को बाहर नहीं निकाल सकता है। कम से कम दो से तीन लोग जरूर रहेंगे। कब्र की मिट्टी पर बने पैरों के निशान भी एक से अधिक लोगों के घटना में शामिल होने की तरफ इशारा कर रहे हैं। घटनास्थल और कब्र के पास से पुलिस ने एक कुदाल बरामद की है। पुलिस के अनुसार कब्र की मिट्टी खोदकर शव बाहर निकाला गया है।

खुदी पड़ी कब्र का निरीक्षण करते सीओ यादवेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

घटनास्थल पर मौजूद पूर्व सपा विधायक विनय तिवारी व ग्रामीण। ● अमृत विचार

शव को खेत तक कैसे और क्यों लाया गया, इस पर अभी पर्दा पड़ा हुआ है। साथ ही इस पर गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले क्षेत्र में ऐसी घटना कभी नहीं हुई।

ग्रामीणों में यह भी चर्चा है कि शव को कब निकाला गया, किन लोगों ने इसे निकाला और उसका उद्देश्य क्या था। शव की निर्वस्त्र अवस्था ने और भी संदेह पैदा कर रहा है। मृतक किशोरी भाई बहनों में सबसे बड़ी थी, मृतक किशोरी के दो छोटे भाई हैं भाइयों में सबसे बड़ा भाई मोहम्मद सफी (15) दूसरा सबसे छोटा भाई मुहल्कम (12) है। पुलिस ने आसपास के खेतों, गांवों और रास्तों पर पड़ने वाले संभावित सबूतों की तलाश शुरू की है। घटनास्थल के पास मिले पैरों के निशान कुदाल की मदद से जांच आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर यह पता चल सकेगा कि शव कब निकाला गया, क्या किसी तरह की आपराधिक हरकत की गई है और मौत के बाद शरीर पर किसी तरह का दुराचार या छेड़छाड़ हुई है या नहीं। थाना अध्यक्ष आदित्य कुमार मौर्य ने बताया कि घटना अत्यंत गंभीर है। हर पहलू से जांच की जा रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता। घटना के बाद सिकंदराबाद और आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।

● **गांव में गम के साथ दहशत कहानी पर उठ रहे कई सवाल**

मृतका आसरा।

> पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से कराया गया है। मौत की वजह साफ नहीं हो सकी है। डॉक्टर ने बिसरा सुरक्षित किया है। अन्य पहलुओं पर पुलिस गहराई से छानबीन कर रही है।
>
> -यादवेंद्र सिंह सीओ

ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई शव को कब्र से निकाल सकता है, तो यह सुरक्षा के लिहाज से बेहद चिंताजनक है। पुलिस ने रातभर गश्त बढ़ा दी है और गांव के प्रमुख स्थानों पर टीमों की तैनाती कर दी गई है। इसके अलावा परिजनों से घटनाक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की भी जानकारी ली जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

ट्रैक्टर-ट्राली से कुचलकर युवक की गई जान

संवाददाता, पलिया कलां

● **ससुराल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बेलरायां गया था विजय**

अमृत विचार: चीनी मिल बेलरायां से डबल ट्राली जोड़कर निकले ट्रैक्टर की चपेट में आकर पलिया के गांव बोझवा निवासी एक युवक की मौत हो गई। वह अपनी ससुराल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने बेलरायां गया था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

विजय यादव।

ग्राम पंचायत मटहिया के मजरा बोझवा निवासी विजय यादव (31) पुत्र सरजीत यादव सोमवार को अपनी ससुराल बेलरायां में किसी शादी समारोह में शामिल होने गया थ । जहां चीनी मिल से डबल ट्राली जोड़कर निकले तेज रफ्तार ट्रैक्टर से कुचलकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही उसका साला संदीप यादव अपने कुछ पड़ोसियों के साथ उसे उठाकर सीएचसी निघासन लाया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घर के लोग रात में ही निघासन पहुंच गए और शव को घर ले आए। बाद में लोगों के काफी समझाने पर पुलिस कार्रवाई पर राजी हुए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक अपने पीछे रोती- बिलखती पत्नी, 6 वर्षीय पुत्र व माता-पिता को छोड़ गया है। वह भीरा के प्रमुख वनबीट हॉस्पिटल में काम करता था, जहां से मिले पारिश्रमिक से ही उसका गुजारा होता था।

तीन इंस्पेक्टर समेत छह थाना प्रभारी बदले

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: एसपी संकल्प शर्मा ने मंगलवार को कानून व्यवस्था प्रभावी रखने के लिए तीन इंस्पेक्टर समेत छह थानेदारों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। नवीन मार्डन थाना पलिया में एसआई सुनीता कुशवाहा को पहला थानाध्यक्ष बनाया है। उन्होंने बताया कि एसपी पीआरओ इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह चौहान को कोतवाली मैगलगंज का प्रभार दिया है। प्रभारी निरीक्षक उचोलिया मनीष कुमार सिंह सिंगाही के प्रभारी निरीक्षक होंगे। एसओ सिंगाही अजीत कुमार को थाना चंदनचौकी भेजा है। बताया कि खनन निरीक्षक पर हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर यह कार्रवाई की है। एसपी ने भीरा के प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह को भी हटाया है। उन्हें उचोलिया भेजा है। पुलिस लाइन से एसआई प्रवीर गौतम को थाना नीमगांव का एसओ बनाया है। प्रभारी आईजीआरएस सेल रोहित दुबे अब थाना भीरा के एसओ होंगे।

50 हाथियों के झुंड ने तबाह की 10 एकड़ फसल

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क के जंगली हाथियों का आतंक क्षेत्र में लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक सप्ताह में कई बार झुंड के हमलों से किसानों की फसल उजड़ चुकी है। सोमवार की रात करीब 50 हाथियों का झुंड दक्षिण वन रेंज सोनारीपुर की चौकी गुलरा क्षेत्र में पहुंचा और गांव में घुसकर गन्ना, मिर्च व लाही की लगभग 10 एकड़ फसल तबाह कर दी।

दक्षिण वन रेंज सोनारीपुर की चौकी गुलरा क्षेत्र में दुधवा नेशनल पार्क के जंगली हाथियों का तांडव रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पार्क से निकले करीब 50 हाथियों के झुंड ने गांव में घुसकर गन्ना, मिर्च और लाही की फसलों को रौंदते हुए करीब 10 एकड़ क्षेत्रफल को तहस नहस कर दिया। शिवराज और रामबहादुर ने बताया कि हाथियों का झुंड सचिन गुप्ता, कल्लू, नीरज गुप्ता, तुलसीराम, लालता प्रसाद और कूंजन लाल के खेतों में घुस आया और घंटों तक उत्पात मचाता रहा। किसानों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं, बल्कि लगातार हमले जारी हैं। इससे पहले 11 नवंबर को चौखड़ा फार्म में 10 एकड़, 18 नवंबर को 12 एकड़ और 22 नवंबर को 10 एकड़ गन्ने की फसल रौंद कर बर्बाद कर डाली थी। लगातार नुकसान से किसान बेहद परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद वन विभाग और पार्क प्रशासन केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित है।

हाथियों की आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी कदम अब तक नहीं उठाए गए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। ग्रामीणों ने रात्रि गश्त बढ़ाने, हाथियों को जंगल की ओर मोड़ने की ठोस व्यवस्था करने तथा फसलों का मुआवजा तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की है। रेंजर अंकित ने बताया कि करीब 25 हाथियों का झुंड क्षेत्र में आया था। उन्होंने कहा कि चौखड़ा फार्म में गश्त बढ़ाई गई थी, इसलिए हाथी गुलरा की तरफ चले गए। जल्द ही टीम पहुंचकर हाथियों को वापस जंगल की ओर खदेड़ने की कार्रवाई करेगी।

हाथियों द्वारा रौंदा गया गन्ना।

गांव गुलरा में रौंदी पड़ी मिर्च की फसल। ● अमृत विचार

● **गन्ने के साथ रौंदी लाही और मिर्च की फसल**

● **वन विभाग के प्रति किसानों में बढ़ रहा रोष**

बीएलओ ने 20 दिन में पूरा किया एसआईआर का लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2025 के तहत लक्ष्य पूरा करने पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने उन बीएलओज को सम्मानित किया, जिन्होंने मात्र 20 दिनों के भीतर गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा कर दिया।

लखीमपुर, श्रीनगर और गोला विधानसभा क्षेत्रों की बीएलओ रंजना, पूनम, अल्का, पवन, मनीषा और तौहीद बेग ने निर्धारित अवधि से पहले ही पूरा लक्ष्य हासिल कर जिले को प्रदेश में एक मजबूत उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। इसी क्रम में डीएम के निर्देश पर सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया।

बीएलओ को सम्मानित करने के दौरान डीएम और सीडीओ। ● अमृत विचार

● **डीएम ने किया लक्ष्य पूरा करने वाले छह बीएलओ को सम्मानित**

● **20 दिनों में पूरा कर दिखाया शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य**

तौहीद बेग का नजरी नक्शा हुआ चर्चा का केंद्र : गोला विधानसभा के बीएलओ तौहीद बेग ने अपने बूथ पर नवाचार की ऐसी मिसाल पेश की, जिसने सभी को चौंका दिया। उन्होंने डिजिटाइजेशन कार्य तो रिकॉर्ड समय में पूरा किया ही, साथ ही अपने पूरे बूथ क्षेत्र के प्रत्येक घर का नजरी नक्शा तैयार कर बूथ की भौगोलिक सटीकता को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने इस नवाचार को उत्कृष्ट कार्य बताते हुए तौहीद बेग को विशेष शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विस क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट बीएलओ सम्मानित

कस्ता विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 85 के बीएलओ विनोद कुमार को सर्वप्रथम एसआईआर कार्य पूर्ण करने पर ईआरओ मधुसूदन गुप्ता ने सम्मानित किया। समय से पहले कार्य पूरा करने पर उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। मोहम्मदी विधानसभा क्षेत्र में बीएलओज़ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बूथ संख्या 147 के भानु प्रताप सिंह, 157 की रेखा रानी और 188 की नीरजा सिंह ने गणना प्रपत्र वितरण व फीडिंग कार्य 10 दिन पूर्व ही पूरा किया। बेहतरीन कार्य पर एसडीएम मोहम्मदी ने तीनों बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। निघासन विधानसभा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिला।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना मितौली क्षेत्र के गांव तेंदुआ निवासी एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका के पिता ने ससुरालियों पर बेटी को प्रताड़ित कर हत्या का आरोप लगाया है। थाना भीरा क्षेत्र के गांव सूरजपुर निवासी राकेश ने बताया कि उन्होंने अपनी 27 वर्षीय बेटी गोल्डी की शादी करीब सात साल पहले थाना मितौली क्षेत्र के गांव तेंदुआ निवासी हरद्वारी के बेटे सर्वजीत के साथ की थी। उन्होंने अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज भी दिया था, यहां तक कि ससुरालियों की डिमांड पूरी करने के लिए उन्होंने अपना खेत तक बेंच दिया था। आरोप है कि बेटी को ससुरालियों द्वारा प्रताड़ित किया जाता था। सोमवार की शाम उसकी मौत की खबर मिली।

बस की टक्कर से बुजुर्ग घायल

सिंगाही, अमृत विचार: सिंगाही-बेलरायां मार्ग पर सिद्ध बाबा मंदिर के पास सड़क पार करते समय निजी बस ने कोतवाली तिकुनिया के गांव रामनगर निवासी रामपाल (60) पुत्र सीताराम को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया है। परिजनों ने बताया कि बुजुर्ग रामपाल सिंगहा कलां में अपनी बिटिया दामाद के घर पर सुबह दवा लेने आये थे। दवा लेकर वह दोपहर वापस जाते समय सिद्ध बाबा के पास रोड पार करते हादसा हुआ है। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

तिलक समारोह में जा रहे तीन दोस्त हादसे में घायल

मझगई, अमृत विचार: गांव बबौरा निवासी सुभाष, इंद्रजीत और नितेश एक ही बाइक पर सवार होकर सेमरहिया की ओर तिलक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। मझगई थाना क्षेत्र के राजापुरवा के पास स्थित तीव्र मोड़ पर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को कस्बे के एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सुभाष की हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि राजापुरवा का यह मोड़ काफी खतरनाक है और पहले भी यहां कई हादसे हो चुके हैं।

गोकर्ण तीर्थ के चारों तरफ बन रहा 3 मीटर चौड़ा रास्ता

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। भव्यता लाने के लिए गोकर्ण तीर्थ के चारों ओर तीन मीटर चौड़े रास्ते का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। औषधीय पौधे लगाने के लिए बनवाए गए प्लांटर और सेल्फी प्वाइंट भी रास्ते में ही रहेंगे और तीर्थ की ओर रेलिंग लगवाई जाएगी। पौराणिक शिव मंदिर के पीछे देवी, देवताओं के मंदिरों का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है।

छोटी काशी के पौराणिक शिव मंदिर परिसर स्थित गोकर्ण तीर्थ की सुंदरता और भव्यता बढ़ाने के लिए सरोवर के चारों तरफ तीन मीटर चौड़ाई का रास्ता बनाया जा रहा है, जिसमें प्लांटर, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी रहेंगे। प्लांटर में विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। तीर्थ की ओर रास्ते पर चारों तरफ रेलिंग लगवाई जाएगी ताकि भीड़ होने पर कोई हादसा न हो। तीर्थ के पूरब स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू की मूर्ति को संरक्षित कर ऊपर की छत तोड़ी जाएगी। कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल के जेई नितिन सिंह ने बताया कि नेहरू जी की मूर्ति रास्ते में आ रही है, लेकिन मूर्ति हटाई नहीं जा सकती। इसे संरक्षित कर इसका सौंदर्यीकरण अधिकारियों के निर्देश पर कराया जाएगा। तीर्थ की सीढ़ियों पर प्लेटफार्म भी बनवाई जा रहे हैं, जहां से श्रद्धालु और पर्यटक को तीर्थ की सुंदरता देख सकेंगे और सेल्फी पॉइंट पर फोटो शूट कर सकेंगे। प्लेटफॉर्म पर डिजाइनर, रंग बिरंगी लाइट्स लगेगी और बैठने के लिए बेंच भी लगवाई जाएगी, जिसका कार्य भी शुरू कर दिया गया है। मंदिर के पीछे परिसर से हटाए गए मंदिरों को पुनः स्थापित किए जाने को देवी, देवताओं के 11 मंदिर एक समान ऊंचाई के बनाए जाने के लिए निर्माण कार्य चल रहा है। रिटेनिंग वॉल पर भी स्टील फ्रेमिंग कर कर रेड स्टोन लगवाए जा रहे हैं।

गोकर्ण तीर्थ के पूरब और दक्षिण में तीन मंजिला यात्री विश्राम आलय के साथ कानपुर धर्मशाला में कैंटीन और शौचालय के निर्माण का कार्य भी किया जा रहा है। शिव मंदिर कॉरिडोर सौंदर्यीकरण मार्च 2026 तक पूरा किया जाना है।

गोला में गोकर्ण तीर्थ के दक्षिण रास्ता और प्लेटफार्म बनाते श्रमिक और फ्यूरी मशीन। ● अमृत विचार

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल अंकपत्र अनुक्रमांक 210867200 प्रमाणपत्र क्रमांक 28500805 वर्ष 2021 व इण्टरमीडिएट अंकपत्र अनुक्रमांक 2235736619 प्रमाण पत्र क्रमांक 28002500 है उक्त दोनों अंकपत्र/प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं। **अरूण कुमार पुत्र नेमचन्द्र निवासी ग्राम- पराझरसा ब्लॉक निगोही तह. तिलहर जिला शाहजहांपुर मो. 6387708364**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री साजिया जिसकी उम्र 23 वर्ष है। मेरी पुत्री ने दिनांक 23.11.2025 को मुकीम पुत्र असमत नि. मो. हबीबुल्ला खां जनूवी बीसलपुर के साथ कहीं चली गयी है। भविष्य में मुझे अपनी पुत्री से किसी भी तरह का कोई लेना देना नहीं है। वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। **अलीजान पुत्र अहमद नि. मो. हबीबुल्ला खां जनूवी थाना बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में नाम SHAKEEL SHAH दर्ज है जबकि मेरी रजिस्ट्री में नाम SHAKEEL AHMAD दर्ज है। ये दोनों नाम मेरे ही है और मैं इन दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता हूँ। **शकील शाह पुत्र शफीक शाह निवासी 48, कटघर किला जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरी एक फाईल जिसमें मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट, इण्टरमीडिएट की मार्कशीट, बी.ए. की तीनों वर्ष की मार्कशीट, पासपोर्ट नं. Z6500184, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र व अन्य कुछ कागजात थे। वह फाईल रास्ते में घर जाते समय वास्तव में कहीं गुम हो गई। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **मोहसिन पुत्र रसीद निवासी ग्राम पांची थाना चांदीनगर जिला बागपत**

सूचना

हमने अपने पुत्र अनमोल गुप्ता व उसकी पत्नी कशिश गुप्ता को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का हमसे व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **माधवी गुप्ता पत्नी अंकुर गुप्ता व अंकुर गुप्ता पुत्र ऋषि कुमार गुप्ता व नि. पावर हाउस 23 जनकपुरी राजेन्द्र नगर, थाना प्रेमनगर, जिला बरेली**

आवश्यकता है

दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की

संपर्क करें

कंपटीशन बुक हाउस कॉलेज बुक हाउस

5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

विवाह: 481 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

पगड़ी पहने पहुंचे अधिकारी और जनप्रतिनिधि ने की पुष्प वर्षा

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: डीएस कॉलेज ग्राउंड मंगलवार को ऐसे खुशियों में डूबा मानो 391 सपनों को एक साथ पंख मिल गए हों। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत एक ही मंडप में 391 जोड़ों ने सात फेरे लिए, निकाह पढ़ा, और जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। विधायक योगेश वर्मा, विधायक मंजू त्यागी, विधायक धौरहरा विनोद शंकर अवस्थी, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे व ब्लॉक प्रमुख दिव्या सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया और सभी जोड़ों को स्नेहिल आशीर्वाद दिया। इसके अलावा निघासन के वरदान पैलेस में भी 90 बेटियों का विवाह हुआ।

कार्यक्रम का सबसे मनमोहक दृश्य तब देखने को मिला, जब डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल,

जनप्रतिनिधियों संग वर-वधू पर पुष्प वर्षा करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

- **डीएम-सीडीओ ने जनप्रतिनिधियों संग गिफ्ट व आशीर्वाद दिया**

विधायक योगेश वर्मा, विधायक मंजू त्यागी, विनोद शंकर अवस्थी और सीडीओ अभिषेक कुमार पारंपरिक पगड़ी बांधे मंच पर पहुंचे। उनकी पगड़ी न सिर्फ सम्मान का प्रतीक बनी, बल्कि माहौल में रंग, गरिमा और अपनापन भी घोल गई।

नवविवाहित जोड़ों ने भी मुस्कुराकर इस आत्मीयता का स्वागत किया। सभी अतिथियों ने हर जोड़े के पास जाकर बात की, नाम जाना, आशीर्वाद दिया और जीवन की नई शुरुआत के लिए उत्साह बढ़ाया। सरकार की ओर से प्रमाणपत्र और उपहार भी प्रदान किए गए। डीएम ने अफसरों की टीम संग प्रत्येक जोडे को दिए जाने वाले उपहार की एक-एक सामग्री का स्वयं परीक्षण किया। उपहार की गुणवत्ता ठीक पाई गई। उन्होंने वितरित किए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता भी परखी।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 5946/ई–टेण्डर/25–26 दिनांक 19.11.2025

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 26.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत (लाख रू0)			निविदा की धरोहर धनराशि (लाख रू0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+ जी0एस0टी0 (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
			कुल अनुमानित लागत	05 वर्ष अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत (4+5)				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
वित्तीय वर्ष 2025–26 में धमार्थ योजनान्तर्गत									
1	जनपद बरेली में विकास खण्ड भदपुरा के अन्तर्गत ग्राम महेशपुर के प्राचीन मंदिर तक मार्ग का चौड़ीकरण	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	17.66	0.44	18.10	1.81	944.00	तीन माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर Login किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0बरेली

UP – 241402 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक:8370/7निविदा(पी0डी0)(ई0टेण्डर)–8/25–26 दिनांक 17.11.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के क्षेत्रान्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती हैं।निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 15.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं ई–निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में)			बिड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी(मार्ग कार्य)
		अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत				
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ननाई सराय पचतौर से बिहारीपुर दियोनी मार्ग से भुडिया मार्ग का नवनिर्माण।	96.50	7.25	103.75	7.20	2714.00	12 माह	A&B
2.	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत रूकुमपुर पुख्ता मार्ग से बारीखेडा मार्ग का नवनिर्माण।	64.95	4.90	69.85	5.50	2714.00	06 माह	A,B&C

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तें बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
बदायूँ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0
बरेली

UP – 241263 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय उप जिलाधिकारी, फरीदपुर, बरेली।

पत्रांक 778/मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनांक 20 नवम्बर 2025

प्रेस–विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या–01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह–म–2024–17–1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत तहसील फरीदपुर (बरेली) में वहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के अवशेष एक खण्ड की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 31.05.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) होगा। मत्स्य आखेट पट्टा/नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथि निम्नवत है:–

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	फरीदपुर	01.12.2025 तथा नीलामी/ठेका आवंटन पूर्ण होने तक प्रत्येक सोमवार

तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1:00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित अवशेष मत्स्याखेट खण्ड का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	खण्ड का नाम	खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी की धनराशि (रू0 में)
1	तहसील – फरीदपुर नदी – रामगंगा	रामगंगा खण्ड–4 (ग्रा0 खनी नवादा से मानपुर त्रिलोक तक)	05	31250

पट्टा/नीलामी की शर्तें–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का कम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में वर्णित है।
2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर ली जाएगी।
3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4– नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5– पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता "मत्स्य विकास निधि" के पक्ष में देय होगा।
8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत का आधार जिलाधिकारी, बरेली में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 40, विकास भवन), बरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

UP – 241406 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील फरीदपुर, बरेली

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

पत्रांक 2489/31ए दिनांक 13.11.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पीलीभीत के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 15.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (मार्ग कार्य)
		अनुमानि लागत	5 वर्षीय अनुरक्षण लागत	कुल अनुमानित लागत				
1	दियूनी केशरपुर सम्पर्क मार्ग के पुन:निर्माण का कार्य	27.07	0.68	27.75	2.80	1062.00	3 माह	A,B,C,D
2	पीलीभीत मझोला मार्ग से कैमा सम्पर्क मार्ग के पुन:निर्माण का कार्य	25.10	1.37	26.47	2.70	1062.00	3 माह	A,B,C,D
3	पूरनपुर पीलीभीत मार्ग से सिसैया गजरौला खुर्द सम्पर्क मार्ग के पुन:निर्माण का कार्य	20.91	1.57	22.48	2.30	1062.00	3 माह	A,B,C,D
4	आसाम मार्ग से डयूनी महादुरगंज सम्पर्क मार्ग के पुन:निर्माण का कार्य	25.78	1.93	27.71	2.80	1062.00	3 माह	A,B,C,D

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजेश चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, पीलीभीत।

UP – 241272 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय उप जिलाधिकारी, मीरगंज, बरेली।

पत्रांक 776/मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनांक 20 नवम्बर 2025

प्रेस–विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या–01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह–म–2024–17–1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत तहसील मीरगंज (बरेली) में वहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के अवशेष एक खण्ड की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 31.05.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) होगा। मत्स्य आखेट पट्टा/नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथि निम्नवत है:–

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	मीरगंज	03.12.2025 तथा नीलामी/ठेका आवंटन पूर्ण होने तक प्रत्येक बुद्धवार

तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1:00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित अवशेष मत्स्याखेट खण्ड का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	खण्ड का नाम	खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी की धनराशि (रू0 में)
1	तहसील – मीरगंज नदी – रामगंगा	रामगंगा खण्ड–3 (ग्रा0 करौरा भगवन्तपुर से मोहम्मद गंज तक)	05	31250

पट्टा/नीलामी की शर्तें–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में वर्णित है।
2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर ली जाएगी।
3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4– नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5– पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता "मत्स्य विकास निधि" के पक्ष में देय होगा।
8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत का आधार जिलाधिकारी, बरेली में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 40, विकास भवन), बरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

UP – 241407 दिनांक:24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील मीरगंज, बरेली।

विद्यालयों के ऊपर से हटाई जाएंगी बिजली की लाइनें

मझगई, अमृत विचार: क्षेत्र के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के ऊपर से गुजर रही एचटी व एलटी विद्युत लाइनों को अब हटाया जाएगा। बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बिजली विभाग ने आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के आदेश जारी कर दिए हैं, जिससे लाइन शिफ्टिंग का कार्य जल्द शुरू हो सके।

पूर्ण जमा योजना के तहत विद्यालयों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन एवं लो-टेंशन लाइनों को हटाने की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए अधिशासी अभियंता विद्युत खंड तृतीय निघासन रविंद्र यादव ने सहायक अभियंता, विद्युत भंडार केंद्र गढ़ी रोड लखीमपुर को सभी आवश्यक सामग्री तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। ब्लॉक निघासन की सूची में शामिल अदलाबाद, इच्छानगर, बथुआ, सकटूपुरवा, महाराजनगर, बचैलाफॉर्म, बिरजापुरवा, द्वारिकापुरवा, मंशापुरवा, मुन्नापुरवा, त्रिकौलिया, चूराटांडा, कटहिया, खमरिया, बैलहा, मूड़ाबुजुर्ग, अयोध्यापुरवा, दीपनगर, बाबापुरवा, रमुआपुर, सिसवारी हटाई जाएंगी। इसके साथ ही रमियाबेहड़ ब्लॉक के तेलियार, लखनियापुर, रामनगर, बगहा, अघरा, कन्हैयापुर, दुलही, प्रेमनगर, सेमरा बाजार, रौलीपुरवा, बेलवा, समरदा सहित कई विद्यालयों के ऊपर से गुज़र रही विद्युत लाइनें भी शिफ्ट की जाएंगी। एक्सईएन निघासन रविंद्र यादव ने बताया कि आवश्यक सामान मिलने के बाद लाइन शिफ्टिंग का कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

डीसीएम से टकराई बरातियों की कार, तीन घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: सोमवार देर शाम बाईपास पर एक मैरिज हॉल के सामने से बराती विवाह समारोह से जाते समय अपनी कार बैक कर रहे थे। तभी खुटार की ओर से आ रही तेज रफ्तार एक डीसीएम कार से टकरा गई। हादसे में कार सवार ललित कुमार, रवि और राकेश कुमार गंभीर घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में कार चालक सीतापुर जिले के श्यामनाथन मोहल्ला निवासी वीरेंद्र शर्मा ने पुलिस को तहरीर दी है। उत्तराखंड के ऊधमनगर जिले के काशीपुर निवासी डीसीएम चालक आरिफ ने भी पुलिस में तहरीर दे दी है। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।

कांग्रेसियों ने की एसआईआर फॉर्म भरने की तिथि बढ़ाने की मांग

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: कांग्रेस पार्टी के कैंप कार्यालय पर मंगलवार कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में पुनरीक्षण के लिए जो समय सीमा तय की गई है वह बहुत कम है। बीएलओ को गांव में लोग मिल नहीं पा रहे हैं, जिसके चलते उनके फार्म नहीं भर पा रहे हैं। उन्होंने फॉर्म भरने की तिथि को बढ़ाए जाने और इस अभियान को सरलीकरण किए जाने की मांग की है। पुनरीक्षण कार्यक्रम को सही से पूरा कराने के लिए बीएलओ को उचित साधन दिए जाएं ताकि वह लोगों को सही से फार्म भरवाकर जमा करा सके। पार्टी के जिला प्रवक्ता अमित गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर जिस तरह से जल्दबाजी की जा रही है, इससे पुनरीक्षण कार्यक्रम की मंशा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कार्यालय जिला पंचायत बदायूं

पत्रांक:1087/जि.पं./नि.अनु./2025–26 दिनांक: 24.11.2025

सामान्य निविदा सूचना

उ.प्र. शासन के आदेश सं. 05/2019/2902/33–2–2019–198 जी / 2018 दिनांक 16 अगस्त, 2019 व शासनादेश सं. 1129/33–2–2020–167 जी/ 2018 दिनांक 03 जून 2020 में दी गई व्यवस्था के अधीन समस्त जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग, 15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत 30 कार्यो की सामान्य निविदायें दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक बन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है जो इसी दिनांक 16.12.2025 की दोपहर 02:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत, बदायूं में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 16.12.2025 समय 11:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा शुल्क धनराशि फार्म– 5, आर.टी.जी.एस. (RTGS)/एन.ई.एफ.टी. (NEFT) के माध्यम से जिला निधि के खाता सं. 09830100009167 आई.एफ.एस.सी. कोड BARB0BADAUN में जमा करना अनिवार्य होगा और जमा निविदा शुल्क की यूनिक नम्बर रसीद व 10% (दस प्रतिशत) धरोहर (जमानत) धनराशि की एफ.डी.आर. जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो के साथ साथ जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर व ठेकेदारी का नवीनीकरण / पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्कैन कर निविदा प्रपत्र के साथ लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा पर बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी/अध्यक्ष जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा तथा नियत तिथि व समय उपरान्त कोई भी वाद व प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी BUDAUN.NIC.IN पर भी देखा जा सकता है। निविदा सम्बन्धी अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र.	क्षेत्र पंचायत का नाम	कार्य का नाम	अनु. धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		पंचम राज्य वित्त				
01.	दहगवां	ग्राम बाजिदपुर चमरपुरा रोड से जमालपुर पियरी में सी.सी. तक मि.खं. कार्य।	674572	67500	1200	60 दिन
02.	म्याऊँ	ग्राम ययाती खेड़ा में डामर रोड तक बूडेबाबा स्थान तक मि.खं. कार्य।	487042	48750	1200	60 दिन
03.	जगत	ग्राम सरवा में गंगा जी के घर से डामर रोड तक मि.खं./सी.सी. कार्य।	322852	32300	1200	60 दिन
04.	जगत	ग्राम कुलचौरा में एम.एफ. मार्ग पर रामवीर/श्यामवीर के घर के पास से देवस्थान तक मि.खं. कार्य।	798454	79850	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग अनटाइड				
05.	समरेर	ग्राम कनेई में योगराज के घर पानी टंकी तक मि.खं. कार्य।	778906	77900	1200	60 दिन
06.	बजीरगंज	ग्राम रोटा मेन रोड से पंचायत भवन तक मि.खं. कार्य	599054	59950	1200	60 दिन
07.	बजीरगंज	ग्राम सैदपुर करेंगी मार्ग से शिव मंदिर कतगांव तक मि.खं. कार्य।	599054	59950	1200	60 दिन
08.	बजीरगंज	ग्राम बहेटरा प्रा.स्कू. से गुडडू के घर तक मि.खं. कार्य	599054	59950	1200	60 दिन
09.	बिसौली	बिसौली दवतोरी सम्पर्क मार्ग पर पैट्रोल पम्प के सामने अग्रवाल जी की ट्यूबैल पर जि.पं. के पुराने खडंजा तक मि.खं कार्य	500925	50100	1200	60 दिन
10.	बिसौली	सहसवान बिसौली सम्पर्क मार्ग तक गुधनी मार्ग से ग्राम राजपुर पुलिया तक मि.खं. कार्य।	696543	69700	1200	60 दिन
11.	आसफपुर	गुरियारी चौराहे के पुराने खडंजे से अहरौली खडंजे तक मि.खं. कार्य	735859	73600	1200	60 दिन
12.	इस्लामनगर	ग्राम फिरोजपुर गवरा में सेवाराम के प्लाट के पास पुलिया से पुराने खडंजे तक मि.खं. कार्य।	837260	83750	1200	60 दिन
13.	दहगवां	ग्राम मोहम्मदगंज गोबरा में मुख्य मार्ग से ताली बाबा मंदिर तक मि.खं. खडंजा कार्य।	716201	71650	1200	60 दिन
14.	दहगवां	ग्राम नाधा में उचैती सम्पर्क मार्ग से पशु बाजार/पुराने खडंजे तक मि.खं. कार्य।	480947	48100	1200	60 दिन
15.	सहसवान	ग्राम नगला भिंड में बुद्धपाल के मकान/सी.सी. से पंचायत घर तक मि.खं. कार्य।	401196	40150	1200	60 दिन
16.	अम्बियापुर	ग्राम नाई पिण्डरी में प्रताप के घर से शौचालय तक निर्माण कार्य।	433128	43350	1200	60 दिन
17.	अम्बियापुर	ग्राम कुरऊ में पूर्वी साइड में मि.खं. कार्य।	500925	50100	1200	60 दिन
18.	उझानी	रहमुद्दीन नगर सम्पर्क मार्ग से प्रा.वि. से रेहमुद्दीन नगर तक मि.खं. कार्य।	758468	75850	1200	60 दिन
19.	उसावां	ग्राम उदईया नगला में कलक्टरगंज-दारानगर मार्ग तिराहे मंदिर के पास से गांव तक मि.खं. कार्य।	682737	68300	1200	60 दिन
20.	जगत	ग्राम दियोराजीत में इकरार अहमद के घर से घटपुरी मार्ग पर पूर्व निर्मित खडंजे तक मि.खं. व पुलिया कार्य।	818631	81900	1200	60 दिन
21.	दातागंज	अगोड़ी में वीरपाल के घर से डामर तक मि.खं. कार्य	584330	58450	1200	60 दिन
22.	समरेर	ग्राम गुलडिया मेन रोड गैस एजेन्सी बौरा से सिराज मार्ग से पंचायत घर तक मि.खं./पुलिया निर्माण कार्य।	799014	79950	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग टाइड				
23.	बजीरगंज	आंवला रोड भीकमपुर प्रा.वि. से पानी की टंकी तक नाला निर्माण कार्य।	577840	57800	1200	60 दिन
24.	इस्लामनगर	ग्राम जखौरा जौहरपुरा में हरद्वारी लाल सिंह के घर से तालाब की पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।	738972	73900	1200	60 दिन
25.	उसावां	ग्राम मढ़ीनगला में ओमपाल के घर के पास से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	703144	70350	1200	60 दिन
26.	जगत	ग्राम महोरा में गंगाराम के घर के पास से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	635428	63550	1200	60 दिन
27.	दातागंज	पापड़ में पुराने नाले से शमशान घाट तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	756232	75650	1200	60 दिन
28.	अम्बियापुर	ग्राम गढ़ी में महेश पुजारी के मकान से प्रा.स्कैल से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	680146	68050	1200	60 दिन
29.	सहसवान	ग्राम चन्देसी में शोराज के मकान से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	635859	63600	1200	60 दिन
30.	सहसवान	ग्राम इस्माइलपुर मेमड़ी में सोनपाल के घर से राधेश्याम के घर/पुलिया तक नाला निर्माण।	791151	79150	1200	60 दिन

नोट:– 1. जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र– 1,2 व 3 प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनु.2 के पत्रांक 819/33–2–2007–100 जी/2006 दिनांक 10 अप्रैल 2007 के अनुसार वैध होना अनिवार्य है। 2. कार्य के अनुबन्ध आदि की कार्यवाही सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त एवं धनराशि की उपलब्धतानुसार ही किया जायेगा। 3. निर्माण कार्यों में जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से देय होगा। जो कार्यो के प्रांक्कलन में प्रथक से नियमानुसार लगायी गयी है।

पवन कुमार गोयल
अभियन्ता
जिला पंचायत, बदायूं

दिनेश प्रताप सिंह
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, बदायूं

वर्षा सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बदायूं

कोविड की दस्तक के बाद संक्रमितों के लिए संजीवनी साबित हुआ 300 बेड अस्पताल

बस एक प्रयास ... फिर सरकारी तंत्र की रीढ़ बनेगा 300 बेड अस्पताल

वर्ष 2019 में जब कोविड ने दस्तक दी तो जिले में त्राहि-त्राहि मच गई, उस दौरान शासन के आदेश पर 300 बेड अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाने के निर्देश दिए गए। 300 बेड से सुसज्जित इस अस्पताल में हजारों संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिलने से नई जिंदगी मिली लेकिन यहां मरीजों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं हो सकी है। हालांकि जल्द से जल्द इसका संचालन सुपर स्पेशिलिटी रुप में हो सके इसके लिए जन प्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के अफसर भी शासन तक लगातार पत्राचार कर रहे हैं।

जल्द मिलेगी ट्रामा विंग की सौगात

निजी ही नहीं सरकारी सेवाओं में भी बरेली जिला किसी मायने में पीछे नहीं है, हालांकि सुविधाएं मिलने में भले ही अभी वक्त है बीते वर्षों में जहां मरीज सरकारी सुविधा लेने से कतराते थे. लेकिन अब इन सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हो रहा है। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है लेकिन बहुत जल्द ही ऐसे मरीजों को जिला अस्पताल स्थित ट्रामा विंग में ही इलाज मिलेगा। इस विंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है, यहां शासन स्तर से स्टाफ की तैनाती भी की जा रही है। जल्द ही इसका संचालन भी आरंभ कर दिया जाएगा। संचालन का प्रयास अफसर युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। ट्रामा विंग में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के साथ आर्थो और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे रूम और पैथोलॉजी लैब होगी। छह बेड का आईसीयू होगा। साथ ही दो नर्सिंग स्टेशन और एक रिकार्ड रूम भी बनाया जाएगा।

15 वार्ड, आईसीयू समेत अन्य सुविधा चाक चौबंद

जिला व महिला अस्पताल में अलावा मरीजों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए शासन ने तीन सौ बेड के लिए दिल खोलकर धनराशि खर्च की। मार्च 2013 से इस अस्पताल को बनाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ। करीब 10 साल बाद कोविड काल में इसे कोविड अस्पताल बनाया गया। तत्कालीन कमिश्नर संयुक्ता समद्दार ने यहां ओपीडी संचालन कराने का आदेश दिया उस दौरान से ही यहां ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मिल रहा है लेकिन भर्ती प्रक्रिया आरंभ न होने से गंभीर मरीजों को गैर अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा है। बस एक प्रयास पुरजोर तरीके से शासन और प्रशासन की ओर से दिया जाए तो ये अस्पताल गंभीर मरीजों को संजीवनी देने में सबसे अहम कड़ी साबित होगा। इतना ही नहीं यहां मरीजों को भर्ती करने के साथ ही बेड, उपकरण, वार्ड समेत अन्य संसाधन भी मौजूद हैं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

ये हर मरीज के जख्मों का हैं मरहम... तभी तो कहलाती है सिस्टर जी

जब हम किसी भी अस्पताल में मरीज या फिर तीमारदार बनकर जाते हैं तो सबसे पहले डॉक्टर मरीज का इलाज देकर चले जाते हैं लेकिन एक ऐसा व्यक्तित्व भी है जो कि मरीज के पास हर मिनट और घंटे में साये की तरह आंखों में सेवाभाव लिए मरीज की मरहम पट्टी करता है। जी हां वो होता है नर्सिंग स्टाफ। नर्स एक मां, एक बहन के रूप में मरीजों की सेवा करती हैं। इस रिश्ते को बखूबी निभाने के चलते ही इस प्रोफेशन से जुड़ी महिलाओं को सिस्टर का उपनाम दिया गया है। नर्स मरीजों के बाहरी जख्म से लेकर उनकी संवेदनाओं पर भी मरहम लगाती हैं। आधुनिक नर्सिंग की जननी कही जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल भी मरीजों की सेवा परिवार से बढ़कर करती थीं।

हाईटेक पैथोलॉजी लैब अब शहर में

बरेली की स्वास्थ्य सेवाओं में हाईटेक पैथोलॉजी लैब का भी योगदान अहम है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते पांच वर्ष तक लिवर, गुर्दा, हृदय समेत अन्य अंगों से जुड़ी जांचों के लिए भी सिर्फ दो से तीन लैब ही सहारा थीं, लेकिन अब यहां प्रतिष्ठित 8 लैब के कलेक्शन सेंटर और मिनी डायग्नोस्टिक केंद्र भी खुल गए हैं, जहां हार्मोन्स की जांचे, कैंसर की ट्यूमर मार्कर, गंभीर आंखों की बीमारी के दौरान किए जाने वाले सिरम एंटीएमोजी व एंटी एनमो टेस्ट के साथ ही अन्य जांच की सुविधा की उपलब्ध हैं।

बरेली से निकलते हैं हजारों नर्सिंग पुरोधा

जिले में 8 से अधिक नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग के साथ ही पीजी नर्सिंग की डिग्री लेकर हर साल हजारों नर्सिंग पुरोधा जिले के साथ ही दूर दराज के क्षेत्रों में बरेली में मिली दीक्षा की लौ से अपने भविष्य की चमक बढ़ा रहे हैं।

सरकारी डॉक्टर बनने की चाह ने बुलंदियों तक पहुंचाया, अभी भी जारी सेवा भाव

सिविल लाइंस निवासी डॉ. एसके गर्ग ने 1988 में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (अब केजीएमयू) से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण की, इसके बाद इसी कॉलेज से विशेषज्ञता में एमडी चेस्ट की पढ़ाई की। डॉ. गर्ग बताते हैं कि मेरे पिता सोहन लाल सरकारी विभाग में इंजीनियर थे, लेकिन दादा मुझे पिता की तरह ही इंजीनियर बनने को प्रेरित करते लेकिन पिता जब भी किसी सरकारी अस्पताल में निर्माण संबंधी कार्य के लिए जाते तो एक डॉक्टर को देखकर प्रभावित होते थे और मुझे डॉक्टर बनने के लिए कहा करते थे। मैंने वर्ष 1988 में चेस्ट फिजिशियन की पढ़ाई पूरी करते ही स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं आरंभ कर दीं। डॉ. सुधीर कुमार गर्ग शाहजहांपुर और बरेली में बतौर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहे। लेकिन उन्होने इन शीर्षस्थ पदों पर आसीन होने से पहले ही एक डॉक्टर और मरीज के प्रति सेवा के भाव को सार्थक कर दिया था। डॉ. गर्ग बतातें हैं कि वर्ष 1998 से 2004 तक बरेली जिला अस्पताल में टीबी वार्ड प्रभारी रहकर मरीजों का इलाज किया, वहीं 2017 से 2020 तक बरेली में ही जिला क्षय रोग अधिकारी रहते हुए व्यापक रुप से अभियान चलाकर 50 हजार से अधिक टीबी के लक्षण वाले रोगी नोटिफाई किए। जो कि अब तक सबसे अधिक आंकड़ा है। इतना ही नहीं बरेली के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (एडी हेल्थ) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्ष 2022 से ही घर पर ही क्लीनिक खोलकर टीबी रोगियों का नि:शुल्क इलाज करना आरंभ कर दिया जो कि वर्तमान में भी जारी है। चौपुला चौराहा स्थित अपने निजी निवास पर रोजाना 30 से 40 मरीजों को क्लीनिक पर ही इलाज दे रहे हैं।

पिता की चाह को पूरा किया सरकारी सेवा कर पाया मुकाम

डॉ. साधना अग्रवाल ने कार्यकाल में काफी अच्छा काम किया। साधना अग्रवाल ने जीएसबीएल कानपुर से एमबीबीएस किया है। उन्होंने बतौर डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग में 16 अगस्त 1990 को कार्य शुरू किया और वर्ष 2025 में निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुईं। पति डॉ. एसके गर्ग के साथ ही अपने आवास पर उनके क्लीनिक पर मरीजों को परामर्श देने में सहयोग कर रही हैं।

कोरोना हुआ भयावह तो डॉ. सुबोध बने ढाल

बीसवीं शताब्दी की सबसे भयावह बीमारी कोरोना ने जब पैर पसारना शुरू किया तो बड़े- बड़े लोगों की हिम्मत जवाब दे गईं। लोग घरों में कैद हो गए, वाहन थम गए। ऐसे में कुछ ऐसे कोरोना योद्धा ने मिसाल पेश की जो अन्य के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है इस लिस्ट में एक नाम है डॉ. सुबोध शर्मा का जिन्होंने कोविड काल में रामपुर के सीएमओ की जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को भयानक बीमारी से मुक्त करने के लिए अपनी टीम के साथ दिन- रात मेहनत की। डॉ. सुबोध शर्मा ने एमबीबीएस और एमडी की डिग्री पूरी करने के बाद बतौर डॉक्टर लोगों की जो सेवा देनी शुरू की, वह 30 अप्रैल 2025 तक जारी रही है।

प्रदेश में चमका महिला अस्पताल, जिला अस्पताल की बदली तस्वीर : कहते हैं न कि जोड़ी भगवान बनाते हैं ऐसे ही डॉक्टर दंपति है डॉ. सुबोध और डॉ. अलका शर्मा जिन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। डॉ. अलका शर्मा ने सेवाओं में रहते हुए लोगों को रोगमुक्त बनाने का काम किया। सरकारी सेवाओं में आने के बाद उन्होने सीएचसी बहेड़ी में बतौर एलएमओ सेवाएं आरंभ कीं। 2016 में शासन ने उन्हें बरेली के जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका की जिम्मेदारी दी। बस फिर क्या था, अस्पताल की धुंधली तस्वीर को साफ करने में जुट गई। मेहनत रंग लाई और महिला अस्पताल को नेशनल क्वलिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड प्रमाणित कर प्रदेश में अस्पताल की पहचान बनाई। वर्ष 2022 में वह जिला अस्पताल बरेली की अपर निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक बनीं, यहां नई सड़कों का निर्माण, ऑक्सीजन प्लांट, मरीजों को दिया जाने वाले भोजन प्रणाली में सुधार के साथ कई उत्कृष्ट कार्य उनकी पहचान बनें।

सुविधा

इलाज ही नहीं हर साल निकलते हैं हजारों हेल्थ के पुरोधा

बरेली को चिकित्सा क्षेत्र का हब इसलिए हीं नहीं कहा जाता है कि यहां तीन मेडिकल कॉलेज होने साथ ही बड़ी संख्या में निजी अस्पताल हैं बल्कि यहां बीते सालों से हर साल हजारों की संख्या में मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर दूर-दराज में बरेली का नाम रोशन कर रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे रणनीतिक रूप से बसा, उत्तर प्रदेश का आठवां और भारत का 50वां सबसे बड़ा शहरी केंद्र होने के नाते, क्षेत्रीय परिदृश्य में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखता है। उत्तर प्रदेश चिकित्सा आयोग के सदस्य और वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेंद्र महेश्वरी बताते हैं कि तीन मेडिकल कॉलेज, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज और लगभग एक दर्जन से अधिक नर्सिंग कॉलेज होने के कारण, एक प्रसिद्ध चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित है। इसके अलावा, एक चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में, बरेली विदेशी रोगियों की भी सेवा करता है, जहां हृदय बाईपास सर्जरी से लेकर किडनी प्रत्यारोपण तक, विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

बरेली में जटिल हड्डी रोगों का मिल रहा उपचार

आर्थोपेडिक्स विभाग की टीम के साथ डॉक्टर वरुण अग्रवाल।

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली का आर्थोपेडिक्स विभाग लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए समर्पित है। यह विभाग नई तकनीकों और अच्छी देखभाल के ज़रिए इलाज के स्तर को और बेहतर बना रहा है। स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में भी बरेली में तेज़ी से बदलाव देखने को मिले हैं। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल इस बदलाव को लाने वाले एक मुख्य विशेषज्ञ के तौर पर सामने आए हैं। उन्होंने ऑपरेशन के नए तरीकों, जैसे- छोटे चीरे वाली (मिनिमली-इनवेसिव), दूरबीन वाली (एंडोस्कोपिक) और रोबोट की मदद से होने वाली प्रक्रियाओं के स्तर को बहुत ऊंचा कर दिया है।

डॉ. अग्रवाल ने यहां देश का पहला ऐसा इंटीग्रेटेड स्पाइन सेंटर शुरू किया है, जहां एक साथ तीन आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं। सर्जरी में सटीकता लाने के लिए रोबोटिक सिस्टम का उपयोग, ऑपरेशन के दौरान सही रास्ता दिखाने वाली आधुनिक तकनीक 3डी नेविगेशन, हाई-क्वालिटी इमेजिंग इन तकनीकों में शामिल है। नई तकनीकों से रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन, जोड़ बदलने (टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट) की सर्जरी, छोटे चीरे वाले फ्रैक्चर ऑपरेशन और टेढ़ेपन को ठीक करने जैसे जटिल ऑपरेशन ज़्यादा सटीक और सुरक्षित हो गए हैं।

डॉ. वरुण बताते हैं कि हमारी ट्रॉमा केयर यूनिट 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। यह तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं और कई चोटों वाले मुश्किल मामलों को संभालने में सक्षम है। यहां डॉक्टरों की टीम गोल्डन आवर (चोट लगने के बाद का सबसे ज़रूरी समय) में तुरंत इलाज शुरू कर देती है। हम सिर्फ बरेली ही नहीं, बल्कि आस-पास के ज़िलों, उत्तराखंड के दूरदराज़ इलाकों और भारत-नेपाल सीमा से आने वाले मरीज़ों का भी इलाज कर रहे हैं। लोग यहां आधुनिक, भरोसेमंद और जटिल हड्डी रोग के इलाज के लिए आते हैं।

डॉ वरुण बताते हैं कि हमारा मिशन हर जगह अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए, हम नियमित रूप से गांव-गांव जाकर कैंप लगाते हैं, मोबाइल जांच सेवाएं देते हैं और मुफ़्त ऑपरेशन प्रोग्राम चलाते हैं, ताकि ग़रीब लोग भी शहरों जैसी अच्छी सुविधाएं पा सकें। डॉ. वरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में टीम ने गांवों और छोटे शहरों में बहुत सारे मुफ़्त स्पाइन हेल्थ कैंप लगाए हैं। इन कैंपों से उन मरीजों तक मदद पहुंची जो शहरों के अस्पतालों तक नहीं आ पाते।

राजश्री मेडिकल कॉलेज को विवि बनाने का लक्ष्य

बरेली समेत आसपास के जिले के लोगों को बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता परक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 2014 में स्थापित राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को विश्वविद्यालय बनाने का लक्ष्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। राजश्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहन बंसल ने बताया राजश्री मेडिकल कॉलेज के विश्वविद्यालय बनने से यहां सुविधाओं में विस्तार होगा। विभिन्न कोर्सों के साथ ही फैकल्टी में वृद्धि होगी। विभिन्न संस्थानों से समझौता होगा, जिससे यहां पढ़ने वाले छात्रों और इलाज करने आने वाले मरीजों को काफी लाभ होगा।

रोहन बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर
राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

राजश्री मेडिकल कॉलेज की स्थापना राजश्री एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल और सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने 2014 में मानव सेवा के लिए की थी जो अपने उद्देश्य को बखूबी अंजाम दे रहा है। यहां पर छात्रों को मेडिकल के क्षेत्र में दक्ष बनाने के साथ ही एक हजार पचास बेड का "सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन हो रहा है। इस समय यहां एमबीबीएस की 250, जीएनएम 40 सीटें, एएनएम की 40 सीटें। बीएससी नर्सिंग 100, पोस्ट बीएसएसी नर्सिंग 40, एमएसी नर्सिंग 20 सीटें। लैब टेक्नीशियन में 30, ओटी टेक्नीशियन में 30, फिजियोथेरेपी 30, डिप्लोमा इन सैनिटेशन की 30 समेत कई अन्य कोर्स में छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है।

... ताकि मरीजों को मिल सके रोशन जहां

कहते हैं न कि डॉक्टर का जीवन मरीजों के लिए समर्पित होता है, लेकिन कम उम्र में अगर आप एक कुशल विशेषज्ञ डॉक्टर बन जाते हैं इस दुनिया की चकाचौंध विदेशों तक जगमगाती है लेकिन कुछ ऐसे भी युवा डॉक्टर है जिन्होने अपनी जन्म स्थली को ही कर्मभूमि बना लिया और अन्य के लिए प्रेरणा बन गए। हम बात कर रहे हैं मंडल के अनुभवी वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. दिव्य अग्रवाल की। उन्होने वर्ष 2021 में दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) से रेटिना विशेषज्ञता की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उनके वरिष्ठों ने उनकी कार्यकुशलता देखी तो एम्स में ही सेवाएं देने के लिए तमाम अनुरोध किए लेकिन डा. दिव्य के मन में अपने जन्म स्थान के लिए एक अलग ही सेवा भाव था, उन्होने वर्ष 2022 में बरेली आकर विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर में मरीजों का इलाज आरंभ किया जो कि निरंतर जारी है। डॉ. दिव्य बतातें हैं कि मंडल में रेटिना के ऑपरेशन की उन्नत मशीन की कमी एवं रेटिना सर्जन की कमी होने से मरीजों को दिल्ली लखनऊ के चक्कर लगाने होते थे, जिससे उनके मन में टीस थी, बस इसलिए ही उन्होने बरेली आने का फैसला किया।

अब नहीं लगानी होगी दूर -दराज की दौड़

डॉ. दिव्य बताते हैं कि पहले नेत्र रोगियों को गंभीर समस्या होने पर दूर-दराज के क्षेत्रों में इलाज के लिए जाना पड़ रहा था इसका मुख्य कारण ये था कि बीते वर्षों में इलाज की आधुनिक तकनीक और मशीनों का बरेली में अभाव था लेकिन अब शहर के स्टेडियम रोड के एकता नगर स्थित विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर के साथ ही अन्य केंद्रों पर भी रेटिना बीमारियों के सभी इलाज, रेटिनल इंजेक्शन, जर्मनी की लेटेस्ट मशीन द्वारा रेटिना की जांच, एंजियोग्राफी, अत्याधुनिक लेज़र मशीन द्वारा रेटिनल लेज़र तकनीक से इलाज, इस तकनीक से इलाज में मरीज के जल्दी स्वस्थ होने के साथ ही इलाज में दर्द का एहसास तक नहीं होता है इतना ही नही अब शहर में ही अमेरिका की विटरेक्टॉमी मशीन जो कि पर्दे के ऑपरेशन के लिए सर्वोत्तम मशीन है जिससे बिना टांके के परदे के ऑपरेशन सुरक्षित तरीके से किए जा रहे हैं।

स्क्रीन टाइम बच्चों को बांट रहा मायोपिया

डॉ. दिव्य बताते हैं कि दिनों दिन सोशल मीडिया का चलन बढ़ रहा है हर वर्ग इसकी चपेट में है, लेकिन सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों की आंखों पर पड़ रहा है। बच्चे मायोपिया बीमारी से ग्रसित मिल रहे है जिसका मुख्य कारण है अधिक स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधियों का कम होना। लेकिन समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेने से इससे बचाव हो सकता है।

डॉ. दिव्य ने दिल्ली स्थित एम्स से नेत्र विज्ञान में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है, जहां उन्हें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कई स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली से विट्रोरेटिना, यूविया और आरओपी में अपनी दीर्घकालिक फेलोशिप पूरी की है। उन्होंने पद्मश्री प्रो. अतुल कुमार के मार्गदर्शन में अपनी वरिष्ठ रेजिडेंसी पूरी की। इतना ही नहीं डॉ. दिव्या के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 100 से अधिक प्रकाशन हैं और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई शोधपत्र व संकाय वार्ताएं प्रस्तुत की हैं।

हर धुंधलापन मोतियाबिंद नहीं होता

डॉ. दिव्य बताते हैं कि मधुमेह यानि डायबिटिज से ग्रसित मरीजों को रोशनी कम होने की समस्या अधिक होती है, लेकिन अधिकांश लोग ये समझ लेते हैं कि ये मोतियाबिंद है, कई बार मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने से भी आंखों की रोशनी कम ही रहती है। इसलिए ये जानना जरुरी है कि हर धुंधलापन, मोतियाबिंद ही नहीं होता ये डायबिटिक रेटिनोपैथी भी हो सकती है। इसलिए हर डायबिटिक मरीज को हर साल नेत्र विशेषज्ञ से जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों के आगे काले धब्बे दिखने पर या चमक का कारण पर्दे की कमजोरी होता है, ऐसे में रेटिनल डिचेमेंट के खतरे से बचने के लिए रेटिना विशेषज्ञ की सलाह जरुरी है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-2)

अमृत विचार

बुधवार, 26 नवंबर 2025

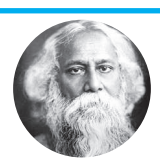

भीतर को बाहर के आक्रमण से बचाओ।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

जेंटल जाइंट का जाना

धर्मेंद्र के निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। एक महान अभिनेता का जाना, सबको उदास कर गया, क्योंकि यह उस संवेदनशील, सौम्य और करिश्माई युग का अंत है, जिसने हिंदी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने छह दशकों तक न केवल परदे पर बल्कि दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके अभिनय और स्टारडम ने कई पीढ़ियों को आकार दिया। 60–70 के दशक में उभरते युवाओं के लिए वे गरिमामय, विनम्र और सहज रोमांस के प्रतीक थे। इसके बाद 80 का दशक आते-आते जब भारतीय दर्शक एक ऐसे नायक की तलाश में थे जो ताकत, मासूमियत और भावनात्मकता का अद्वितीय संगम हो, वे एक्शन हीरो के बतौर हिट हुए।

अनुपमा और हमराही जैसी फिल्मों में उनकी आंखों की गहराई और संवादों की सादगी रोमांटिक अभिनय का मानक बन गई। शोले में उनकी वीरू की भूमिका ने भारतीय सिनेमा को ऐसा चरित्र दिया, जो आज भी स्मृति और संस्कृति दोनों में जीवित है। इसी तरह युद्ध या धर्म-वीर जैसी फिल्मों में उनका तेज, ऊर्जा और प्रभावशीलता अद्वितीय रही। कॉमेडी में भी उनका सहज हास्य कौशल, कॉमिक टाइमिंग, इम्प्रोवाइजेशन दर्शकों के लिए हमेशा याद रहेगा। सत्यकाम ऐसी फिल्म थी, जिसने उनके सादगी और कलात्मक अभिनय का लोहा मनवाया। इस फिल्म में वे अपने किरदार की नैतिक दुविधाओं को जिस शांत गहराई से निभाते हैं, वह शायद ही किसी अभिनेता के लिए संभव हो। इसी तरह अनुपमा और चैते की चांदनी में उनका संयत अभिनय एक संवेदनशील अभिनेता की परिभाषा प्रस्तुत करता है। सिनेमा से बाहर निकलकर धर्मेंद्र ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद बने। सीमित समय के बावजूद उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, जल प्रबंधन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कार्य किया, हालांकि वे राजनीति में अपनी प्राकृतिक सहजता नहीं खोज पाए, पर उनकी नीयत और कोशिशों में ईमानदारी झलकती थी। धर्मेंद्र महज कुशल अभिनेता ही नहीं थे, वे एक अत्यंत संवेदनशील, भावुक और मानवीय व्यक्ति भी थे। सह-कलाकारों की तकलीफ में साथ खड़े होना, नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना और निजी जीवन में परोपकारिता जैसे गुण बताते हैं कि वे क्यों एक 'जेंटल जाइंट' कहे जाते थे। उनकी विरासत बहुआयामी है। वे बतौर एक्टर विविधता, निरंतरता और गुणवत्ता के प्रतीक थे, तो एक व्यक्ति के रूप में वे प्रेम, करुणा और गरिमा की मिसाल।

आने वाले समय में भारतीय सिनेमा जब भी अपने इतिहास के गौरवशाली अध्यायों को पलटेगा, धर्मेंद्र का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके फिल्मी सफर, व्यक्तित्व और योगदान को देश अनंत काल तक याद रखेगा। हम सभी उन्हें भारतीय सिनेमा के उस अनोखे सितारे के रूप में स्वीकारते है, जिन्होंने करोड़ों लोगों के लिए आनंद, प्रेरणा और संवेदना का संसार रचा। यह सच है कि धर्मेंद्र का जाना सिनेमा के एक युग का अंत है, पर उनके अभिनय, स्टारडम तथा अनूठे व्यक्तित्व की चमक हमेशा हमारे सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

प्रसंगवश

'हीमैन' सियासत के परदे पर कभी न बन सका हीरो

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप में यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली। करीब 60 हजार वोटों से, मगर उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया।

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। 'शोले' का वीरू, 'चुपके चुपके' का डॉ. परिमल, 'यमला पगला दीवाना' का देसी जवान- ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। बोले, "धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, "मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता।" मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी, ज्यादा प्रचार नहीं करना पड़ेगा, न ज्यादा भाषण देने पड़ेंगे।

धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। गांव की औरतें आशीर्वाद देने आतीं, बच्चे ऑटोग्राफ मांगते। एक बार तो किसी ने मंच पर चढ़कर कहा, "हीमैन जी, बस एक डायलॉग बोल दो!" और धर्मेंद्र ने हंसते हुए बोल दिया, "कित्ता मजनू है रे!" पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। वोट उसी वक्त डल गया।

संसद में धर्मेंद्र बहुत सक्रिय सांसद नहीं थे। 14वीं लोकसभा (2004-2009) में उनकी उपस्थिति करीब 60-65% रही, जो उस समय के कई सेलिब्रिटी सांसदों से बेहतर थी, लेकिन आम सक्रिय सांसदों से कम। उन्होंने कुल 20-25 सवाल ही पूछे। ज्यादातर सवाल बीकानेर के पानी, सड़क, बिजली और किसानों की समस्याओं से जुड़े थे। वो भी लिखित में। मौखिक बहस में वो शायद ही कभी बोले हों। एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया, जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?"

नया एसआईएफ निवेशकों के लिए नया रास्ता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में पिछले कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों की भागीदारी बेहद तेज़ी से बढ़ी है। म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार आज लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और SIP के माध्यम से हर महीने नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इसी बदलते निवेश माहौल में सेबी ने छोटे निवेशकों को और सशक्त बनाने तथा उन्हें उन्नत निवेश रणनीतियों तक पहुंच दिलाने के लिए एक नई पहल की है- एसआईएफ (Specialized Investment Funds)। यह नया निवेश ढांचा मझोले निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? SIF दरअसल म्यूचुअल फंड नियमों के अंतर्गत बनाई गई एक नई श्रेणी है, लेकिन इसकी संरचना और रणनीतियां पारंपरिक फंडों से कहीं अधिक उन्नत हैं। SIF निवेशकों का पैसा एकत्र करके प्रोफेशनल मैनेजर्स द्वारा ऐसे तरीक़ों में निवेश किया जाता है, जिनका उद्देश्य केवल बाज़ार के ऊपर जाने पर ही नहीं, बल्कि नीचे जाने पर भी अवसर तलाशना होता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड जहां केवल long-only यानी शेयर ख़रीदकर रखने की रणनीति पर काम करते हैं, वहीं SIF में long–short equity, sector rotation, tactical investing, hybrid strategies और derivatives का उपयोग शामिल हो सकता है। इसका मतलब है कि SIF निवेशक को अधिक लचीला और गतिशील निवेश विकल्प प्रदान करता है।

SIF और सामान्य म्यूचुअल फंड के बीच सबसे बड़ा अंतर निवेश की न्यूनतम सीमा और रणनीतियों का स्तर है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड में कोई भी व्यक्ति 100 या 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है, जबकि SIF में न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि बताती है कि SIF को उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर अधिक उन्नत रणनीतियों का लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन PMS या AIF जैसी हाई-टिकट सेवाओं की भारी लागत नहीं वहन कर सकते। PMS में जहां 50 लाख रुपये और AIF में एक करोड़ रुपये से शुरुआत होती है, वहीं SIF इन दोनों के बीच का एक संतुलित विकल्प है।

SIF की खासियत इसका रणनीतिक लचीलापन है। यह फंड बाजार में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न दोनों स्थितियो- राइज़िंग और फॉलिंग मार्केट में लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, जब बाजार गिरता है, तब short positions और derivatives की मदद से फंड अपने निवेशक की पूंजी की रक्षा कर सकता है या मुनाफा भी कमा सकता है। वहीं, पारंपरिक म्यूचुअल फंड में यह अवसर सीमित होता है। भारत में लाखों छोटे निवेशक सीधे derivatives में जाकर बड़ा नुकसान उठाते हैं, क्योंकि उन्हें यह बाज़ार बहुत जटिल लगता है। ऐसे में SIF का सबसे बड़ा लाभ यही है कि जोखिम भरे और जटिल फैसलों को प्रोफेशनल मैनेजर्स संभालते हैं और निवेशक को तैयार रणनीति का फायदा मिलता है।

SIF का एक मजबूत पहलू यह भी है कि इसमें म्यूचुअल फंड जैसी पारदर्शिता मिलती है। NAV की नियमित घोषणा, पोर्टफोलियो अपडेट, जोखिम-मीटर, वैल्यूएशन प्रक्रिया ये सभी सुविधाएं SIF में भी उपलब्ध रहती हैं। टैक्सेशन भी काफी हद तक म्यूचुअल फंड जैसा ही है, जिससे निवेशक लंबे समय तक कुशलता से अपना पोर्टफोलियो बढ़ा सकते हैं। PMS या कई AIF में टैक्स सीधे निवेशक के हाथ में लगता है, जबकि SIF की संरचना निवेशक के लिए ज्यादा tax-efficient साबित हो सकती है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सचमुच छोटे निवेशक के लिए है? न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा होने के कारण यह निश्चित ही बहुत छोटे निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने SIP या म्यूचुअल फंड के माध्यम से पहले ही एक अच्छा corpus बना लिया है। आज भारत में करोड़ों लोग नियमित SIP करते हैं और कई निवेशकों का पोर्टफोलियो लाखों–करोड़ों की राशि छू चुका है। उन निवेशकों के लिए SIF एक next-level उत्पाद है, जहां वे अपने पोर्टफोलियो में उन्नत रणनीतियों का छोटा हिस्सा जोड़कर दीर्घकाल में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

छोटे भारतीय निवेशकों के लिए SIF कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। पहला, यह उन रणनीतियों तक पहुंच दिलाता है, जो पहले सिर्फ़ बड़े निवेशकों के लिए उपलब्ध थीं। दूसरा, SIF बाजार के ऊपर–नीचे दोनों स्थितियों में अवसर पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय में returns अधिक स्थिर हो सकते हैं। तीसरा, इसमें पारदर्शिता, नियमित जानकारी और कड़े नियम निवेशक को भरोसा देते हैं। चौथा, यह mutual fund और high-end investment products के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम करता है, जो निवेशक अब तक सिर्फ SIP कर रहे थे, उनके लिए SIF उन्नत इन्वेस्टिंग की दुनिया का सुरक्षित प्रवेश द्वार है।

फिर भी, SIF में निवेश करने से पहले सावधानी जरूरी है। यह हाई रिस्क प्रोडक्ट माना जाता है और इसकी जटिल रणनीतियों को समझना हर निवेशक के लिए आसान नहीं होता। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका मूल पोर्टफोलियो इमरजेंसी फंड, बीमा, पारंपरिक इक्विटी और डेट फंड पहले से मजबूत हों। साथ ही, SIF को पोर्टफोलियो के केवल एक छोटे हिस्से, जैसे 5–10% में ही रखना चाहिए। इसके बिना SIF का जोखिम अधिक लग सकता है।

सेबी ने नई पहल की है– एसआईएफ। यह नया ढांचा निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

आमने

कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था और डोटासरा जैसे नेता ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों को आश्रय देते थे। अगर किसी ने धर्मांतरण की हिमाकत की तो वह जेल में सड़ेगा।
–जोगाराम पटेल
मंत्री, राजस्थान सरकार

सामने

अंता उपचुनाव में हार के बाद भाजपा बौखला गई है। भाजपा असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू-मुस्लिम का माहौल बनाना चाह रही है। मुख्यमंत्री कह रहे थे कि यह दो साल के काम का चुनाव था और अब हार के बाद वे मनगढ़ंत मुद्दे खड़े कर रहे हैं।
–गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान

कॉप सम्मेलनः जीवाश्म ईंधन पर नहीं बनी राय

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-30) खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन जैसी उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। कॉप सम्मेलन (कान्फ्रेंस आफ पार्टीज) का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों को एक साझा मंच पर लाना है, जहां वे पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन हाउस गैसों में कमी, तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने और टिकाऊ वैश्विक विकास की दिशा में सामूहिक निर्णय लेते हैं।

आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जिस तरह खींचतान होती रही, वह दुनिया को बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं रही। आश्चर्यजनक है कि जिस वैश्विक योजना का जिक्र कॉप सम्मेलन के शुरुआती ड्राफ्ट में था, उसे बाद के संशोधित ड्राफ्ट से हटा ही दिया गया। इससे यह साफ है कि जीवाश्म ईंधन से जुड़े विवाद जल्द सुलझने वाले नहीं हैं। उम्मीद थी कि दुनिया के तमाम देश 'ग्लोबल वार्मिंग' के खिलाफ कोई ठोस फैसला लेंगे, लेकिन सम्मेलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ विशेष सामने नहीं आया।

इस बार हुए कॉप-30 से उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थीं, क्योंकि पेरिस समझौते को दस साल पूरे हो चुके हैं। यहां पेरिस जलवायु समझौता वर्ष-2015 में दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रण में रखना है, ताकि धरती को जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से बचाया जा सके। इस समझौते के तहत देश यह प्रयास करते हैं कि पृथ्वी का तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे और संभव हो तो 1.5 डिग्री तक सीमित किया जाए।

हर देश अपनी क्षमता के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने की योजना बनाता है, जिसे एनडीसी मतलब 'नेशनली डेटेरमाइंड कंट्रीब्यूशन्स' (यह वह योजना है, जिसे हर देश खुद बनाता है कि वह कितनी ग्रीन हाउस गैसें कम करेगा, पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाएगा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कैसी तैयारी करेगा) कहा जाता है। साथ ही, विकसित देश गरीब और विकासशील देशों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकें। यह समझौता पूरी दुनिया को जलवायु संकट से बचाने का सामूहिक प्रयास है।

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर जलवायु संकट से गुजर रही है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसके बावजूद ज्यादातर देश अब भी ग्लोबल तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखते। ऐसे में विकासशील देशों की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि जलवायु संकट में उनका योगदान सबसे कम है, लेकिन नुकसान उन्हें सबसे ज्यादा झेलना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और असहनीय गर्मी ने मानव जीवन को चुनौती दे दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विकसित देश अपने वादों को ठीक से पूरा नहीं कर रहे हैं।

हमारे देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सम्मेलन में साफ कहा कि विकसित देशों को तय समय से पहले 'नेट-जीरो' लक्ष्य हासिल करना चाहिए।उनकी यह बिल्कुल उचित मांग है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रदूषण उन्हीं देशों ने किया है, इसलिए जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा बनती है। विकसित देशों में प्रदूषण का स्तर उनकी ऊंची ऊर्जा-खपत और औद्योगिक गतिविधियों के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक रहा है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की रही है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 1850 से 2019 तक उत्तरी अमेरिका और यूरोप ने कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा पैदा किया। आज भी प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में विकसित देश काफी आगे हैं, जहां उच्च-आय वाले देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 8-9 मीट्रिक टन तक है, वहीं विकासशील देशों में यह लगभग आधा होता है। यद्यपि तकनीक, नियमों और बेहतर निगरानी के कारण इन देशों ने वायु-गुणवत्ता में सुधार किए हैं और कुछ देश पीएम . प्रदूषण को विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों के अनुरूप रखने में सफल भी हुए हैं, फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या में उनका योगदान निर्णायक बना हुआ है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में विकसित देशों से अधिक जिम्मेदारी और तेज उत्सर्जन-कटौती की अपेक्षा की जाती है।

इस संबंध में, भारत ने बेहतर उदाहरण पेश किया है। विकास भी जारी है और पर्यावरण संरक्षण भी। यह काबिले-तारीफ है कि साल 2005 से अब तक भारत ने अपने कार्बन उत्सर्जन में 36% से ज्यादा कमी की है और बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 50% से अधिक हो चुका है। हाल फिलहाल यह भी माना जा रहा है कि भारत 2070 से पहले ही नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

सोशल फोरम

दुनियाभर के पांच सौ अर्थशास्त्रियों की अपील

दुनिया के पांच सौ से ज्यादा बड़े अर्थशास्त्री एक आवाज बनकर खड़े हुए हैं। वे G-20 देशों से एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय समूह की मांग कर रहे हैं, जो सिर्फ एक काम करे- मानव सभ्यता को तोड़ती हुई असमानता को समझे, उसकी जड़ें पहचाने और उसे कम करने के रास्ते बताए। ये अर्थशास्त्री सत्तर देशों से हैं और उनकी चिंता सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि दौलत का इतना बड़ा झुकाव कुछ हाथों में लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है, समाजों को अस्थिर कर रहा है और लोगों के भीतर भरोसा खत्म कर रहा है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

इस अपील में ऐसे नाम शामिल हैं, जिनकी बात को दुनिया ध्यान से सुनती है। 2024 के नोबेल विजेता डैरोन अचेमोग्लू, अमेरिका की पूर्व वित्त मंत्री और फेडरल रिजर्व प्रमुख रहे जानेट येलेन, फ्रांस के अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और टैक्स विशेषज्ञ गेब्रियल जुकमैन। ये सब एक ही बात दोहरा रहे हैं कि अमीरी का यह असमान जमा होना सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं है, यह राजनीति को भी बांट रहा है, समाज को कठोर बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

G-20 की हालिया पहली रिपोर्ट इस चिंता को और गहरा कर देती है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2024 तक दुनिया की नई पैदा हुई संपत्ति का 41 प्रतिशत सिर्फ सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने ले लिया, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ एक प्रतिशत मिला। इस फासले की निर्ममता को समझिए- अमीरों की औसत दौलत में तेरह लाख डॉलर का इजाफा हुआ और गरीबों के हिस्से में बढ़त नाम मात्र की, सुझाया गया है कि 'इंटरनेशनल पैनल ऑन इनएक्वालिटी' नाम से समूह बनाया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पैनल की तरह काम करना होगा।

यह असमानता को मापेगा, उसके कारणों की छानबीन करेगा और सरकारों को बताएगा कि कौन से कदम इस खाई को पाट सकते हैं। यह विचार इस सीधी सच्चाई से निकलता है कि असमानता कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। इसे नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते इच्छा और समझ दोनों मौजूद हों। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस रिपोर्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया के 83 प्रतिशत देश, जहां 90 प्रतिशत लोग रहते हैं, गंभीर असमानता से जूझ रहे हैं और ऐसे देशों में लोकतंत्र पीछे जा रहा है।

सामयिकी

नए लेबर कोड और मजदूरों के अधिकार

21 नवंबर 2025 को आखिर केंद्र सरकार ने बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के नए चार लेबर कोड को लागू कर ही दिया है, जिसके बाद इस पर बड़ी बहस छिड़ चुकी है। कुछ तर्कों के साथ इनको श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बनाया गया बताया गया है, तो दूसरी ओर देश की दस प्रमुख यूनियंस ने 21 नवंबर को काला दिवस मनाया और तीखी प्रतिक्रिया दी है। देश की प्रमुख यूनियंस अब 26 नवंबर को देशव्यापी विरोध दिवस मनाने की तैयारी में हैं।

पांच साल पहले बनाए गए इन लेबर कोड को केंद्र सरकार पता नहीं क्यों, लागू करने से बच रही थी, लेकिन बिहार में बीजेपी और एनडीए को मिली जीत ने सरकार का मनोबल बढ़ा दिया है, जबकि यूनियंस का मानना है कि पुरानी पेंशन को समाप्त करते समय भी इसी तरह की बातें बताई गई थीं, जबकि पुरानी पेंशन को पुनः बहाल करने की लड़ाई आज भी कर्मचारियों द्वारा पूरी ताकत से लड़ी जा रही है, यही बातें नोटबंदी, काले कृषि कानूनों और जीएसटी लागू करते समय भी बताई गईं थीं, लेकिन उनका क्या हश्र हुआ सभी ने देखा।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

इन चार लेबर कोड्स के लागू होने से यूनियन को मान्यता पाने के लिए 51% कर्मचारियों की सदस्यता आवश्यक है और केवल मान्यता प्राप्त यूनियन को ही सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार मिलेगा। हड़ताल से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल पर सख्त प्रतिबंध लागू होंगे, जो मालिकों का हित साधेंगे। गिग वर्कर्स और असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा में शामिल किया गया है, (जबकि गिग वर्कर्स के काम के घंटों का कोई जिक्र ही नहीं है), लेकिन योगदान का बड़ा हिस्सा मजदूरों से ही लिया जाएगा।

कार्य समय प्रतिदिन 12 घंटे तक बढ़ाने की अनुमति है, बशर्ते साप्ताहिक सीमा 48 घंटे से अधिक न हो। इससे 12 घंटे के कार्य दिवस को परोक्ष रूप से मान्यता मिल सकेगी। नियोक्ता यानी मालिक वेतन संरचना और भत्ते तय कर सकता है, पर कथित भ्रामक फ्लोर वेज से कम वेतन नहीं दे सकता। संस्थान निश्चित अवधि के (हफ्ता, महीना आदि) अनुबंध पर कर्मचारियों को रख सकते हैं, जिससे स्थायी नौकरी का अधिकार खत्म है। नियोक्ता को सरकारी अनुमति के बिना छंटनी करने की सुविधा है, जिससे रोजगार की सुरक्षा कमजोर होती है। नियोक्ता के लिए इज़ ऑफ बिजनेस के नाम पर श्रमिक के फंडामेंटल राइट्स पर खतरा है।

कंपनी को छंटनी/बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। 300 से कम कर्मचारियों वाले सभी संस्थान मनमाने ढंग से छंटनी कर सकते हैं। ठेका मजदूरों का हिस्सा देश में 15.5% है, जो आने वाले समय में 27.9% हो जाएगा और ठेकेदार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। जिला स्तर के लेबर कोर्ट समाप्त हो जाएंगे, जिससे मजदूरों और श्रमिकों को न्याय मिलना कठि हो जाएगा। देशभर का संगठित और असंगठित क्षेत्र का कर्मचारी और श्रमिक विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

फिक्स्ड टर्म इंप्लायमेंट लागू होने से स्थायी रोजगार समाप्त हो जाएगा और अग्निवीर की तरह एक साल, दो साल या तीन साल के लिए श्रमिक नियुक्त होंगे। ट्रेड यूनियनों का मत है कि ये संहिताएं श्रमिकों के दशकों पुराने अधिकारों का क्षरण करती हैं। इनके लागू होने के बाद युवाओं के सपने टूटेंगे। असंतोष पैदा होगा और नाराजगी बढ़ेगी। उनका मानना है कि सरकार को व्यापक पुनर्विचार कर इन पर विस्तृत चर्चा कराया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

हमारी गुलाबी चुनरिया हमें लागी नजरिया...

भारत की सांस्कृतिक धरोहर उसकी लोक परंपराओं में निहित है और लोकगीत इन परंपराओं की आत्मा माने जाते हैं। जैसे ब्रज, अवधी, बुंदेलखंड और भोजपुरी की अपनी विशिष्ट लोकधारा है, वैसे ही उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट कन्नौजी लोकगीत परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। कन्नौजी बोली क्षेत्र के अंतर्गत छह जिले फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, इटावा और पीलीभीत आते हैं। कन्नौजी में गाए जाने वाले ये गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन, भावनाओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों का सजीव दस्तावेज भी हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

कन्नौजी लोकगीतों की उत्पत्ति और विशेषता

कन्नौजी लोकगीतों की जड़ें ग्रामीण समाज की मिट्टी में गहराई तक पैठी हुई हैं। ये गीत किसी एक कवि या लेखक की रचना नहीं, बल्कि जनजीवन के अनुभवों का सामूहिक रूप हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी सुनकर और गाकर इनका रूप विकसित होता रहा है। इन गीतों में न तो व्यावसायिकता है, न कृत्रिमता, ये लोकमन की सहज अभिव्यक्ति हैं। भाषा में मृदु कन्नौजी लहजा, सरलता और हास्य-विनोद का पुट इन्हें विशिष्ट बनाता है। कन्नौजी लोकगीतों की एक विशेषता यह भी है कि ये जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े होते हैं- जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर्ष और विषाद दोनों ही स्थितियों में लोकगीत गाए जाते हैं। मांगलिक अवसरों के गीत कन्नौजी बोली के क्षेत्र में संस्कार गीतों का अपना महत्व है। प्रमुखता यहां पांच प्रकार के संस्कार गीत प्राप्त होते हैं- जन्म गीत, अन्न प्राशन गीत, मुंडन गीत, यज्ञोपवीत गीत और विवाह गीत। पुत्र जन्म के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों को सोहर कहा जाता है, वहीं मुंडन और अन्नप्राशन संस्कारों के अवसर पर भी सोहर गाने की परंपरा होती है। यज्ञोपवीत के समय गाए जाने वाले गीत बरुआ कहलाते हैं, जबकि विवाह के अवसर पर बन्ना और बन्नी गाने का प्रचलन है। ये मांगलिक गीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। ऐसे गीतों में मातृभाव, हंसी-ठिठोली और भावुकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

त्योहार और धार्मिक लोकगीत

कन्नौजी लोकजीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है। होली, दिवाली, रक्षाबंधन, तीज, करवाचौथ आदि पर्वों पर विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कन्नौजी क्षेत्र के मुख्य व्रत त्योहारों में शीतलाष्टमी, रामनवमी, वटसावित्री व्रत, नागपंचमी, जन्माष्टमी, हल षष्ठी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, अनंत चौदस, लक्ष्मी व्रत, नवरात्रि का व्रत, विजय दशमी, करवाचौथ, अन्नकूट, भ्रातृद्वितीया, मकर संक्रांति, वसंत पंचमी, शिवरात्रि व होली हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में पूर्णिमा का भी महत्व है। इन विविध पर्वों पर कन्नौजी भाषा में विविध लोकगीत गाए जाते हैं। एक कन्नौजी लोकगीत देखिए, जिसमें देवी मां की भक्तिन पूजा करने जाती है और बीच में ही बदरिया आती है। एक दम अंधिरिया छा जाती है- **सोने के थारी में भोजन परोसे / मइयै मिलन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै जिमाउन हम आईरे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै सुवाउन हम आईरे, झुकि आई अधिरिया।/ पाना पचासी, महोबे को बीड़ा। मइये रचाउन हम आरे रे, झुकि आई अंधिरिया।**

कृषि और श्रम जीवन से जुड़े गीत

कन्नौजी समाज का जीवन मूलतः कृषि आधारित है, इसलिए खेती-बाड़ी, वर्षा, फसल कटाई, बैल और हल से जुड़े अनेक गीत मिलते हैं। ये गीत खेतों में काम करते समय गाए जाते हैं, जिससे श्रम का बोझ हल्का होता है और सामूहिकता की भावना बढ़ती है।
बरखा आई ओ रे साथी, बइठै न अब घर मा।/ खेतन में पानी भरि आयो, चलो लगावई धान। ऐसे गीतों में किसान की मेहनत, आशा और प्रकृति के प्रति आदर झलकता है।

सोहर और बन्नी

सोहर- धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी / रेडियो की आवाज सुन सासु दौड़ी आवेंगी।/उनको भी हलके से कंगन बनवाना मेरे राजा जी/ पांच के बनवाना पचास के बताना जी/ धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी।
एक बन्नी - बन्नी नादान बजावे हरमोनिया/दादी के कमरे बजावे हरमोनिया।/ छेड़ें तान हंसे सारी दुनिया/ बन्नो नादान हंसे सारी दुनिया। महिलाएं समूह में बैठकर इन गीतों को गाती हैं और उनमें स्थानीय शब्दावली, पारिवारिक संबंधों और ग्रामीण जीवन के प्रतीक झलकते हैं।

भावात्मक और प्रेमपरक गीत

कन्नौजी लोकगीतों में प्रेम, विरह और सौंदर्य की भावनाएं भी प्रमुखता से मिलती हैं। **मेरा रेशमी दुपट्टा जरा गोटा लगा दो/ जरा गोटा लगा दो... सोने की थाली में भोजन बनाए/ मेरा जेमन वाला दूर बसा/ कोई जल्दी बुला दो...**
कभी ये गीत सीधी सच्ची प्रेमाभिव्यक्ति होते हैं,

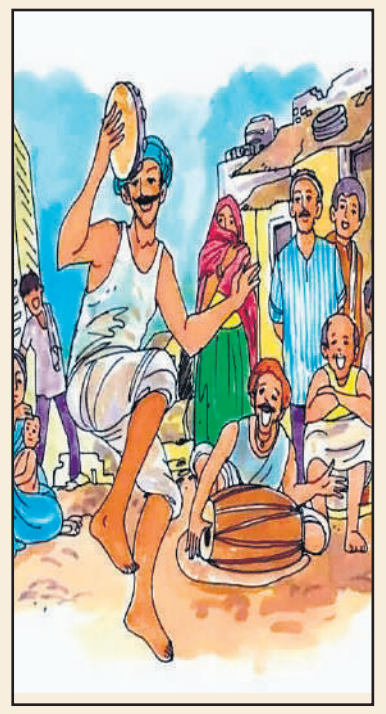

तो कभी सांकेतिक और रूपकात्मक। स्त्री का विरह, पति की प्रतीक्षा, साजन की विदाई- ये सब विषय बार-बार आते हैं।
साउन लागे आज सुहावन जी।/ एजी कोइ घटा दबी हई कोर।/ नन्हीं-नन्हीं बुंदियन मेंह बरसी रहे।/ एजी कोई पवन चले सईजोर। ऐसे गीतों में भाषा की मिठास और भावनाओं की गहराई दोनों अद्भुत रूप से मिलती हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

कन्नौजी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना के दर्पण हैं। इन गीतों से समाज की संरचना, नारी की भूमिका, नैतिक मूल्यों और लोकाचारों की झलक मिलती है। इनके माध्यम से लोकसंस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रही है। महिलाओं के लिए ये गीत स्व-अभिव्यक्ति का साधन हैं - वे अपनी भावनाएं, पीड़ा, आनंद और आकांक्षाएं इन्हीं गीतों में व्यक्त करती हैं।
स्व-अभिव्यक्ति का एक उदाहरण देखें, जिसमें ससुराल की पीड़ा भी अभिव्यक्त होती है-
हमारी गुलाबी चुनरिया, हमें लागी नजरिया।/ सासु हमारी जन्म की बैरिन/ हमसे करामैं रसुइया, मेरी बारी उमरिया/ जेठानी हमारी जन्म की बैरिन/हमसे भरामैं गगरिया, मेरी बारी उमरिया...
इस प्रकार कह सकते हैं कि कन्नौजी लोकगीत उत्तर भारत की समृद्ध लोकपरंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गीतों में जीवन की गंध है, मिट्टी की महक है और इंसान की सहज भावनाओं की सच्चाई है। आज जब आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव से लोकसंगीत का स्वर क्षीण हो रहा है, तब इन लोकगीतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कन्नौजी लोकगीत न केवल कान्यकुब्ज क्षेत्र की पहचान हैं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर भी हैं। इन गीतों को सुनना, गाना और सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

आर्ट गैलरी

मकबूल के घोड़े

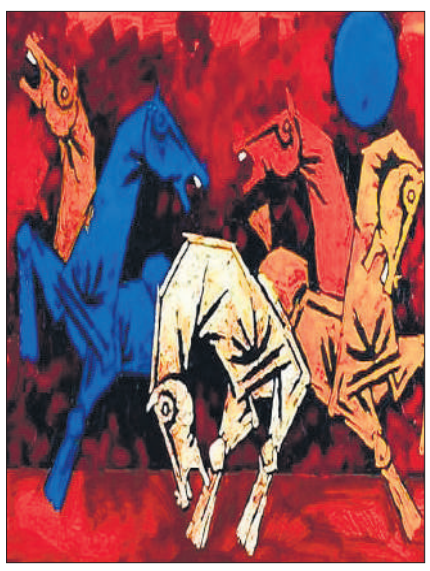

मकबूल फिदा हुसैन के सबसे आइकॉनिक मोटिफ्स में घोड़ों को बनाना शामिल है, जो भारतीय कल्चर में गहरा सिंबॉलिज्म रखते हैं। हुसैन की पेंटिंग्स में, घोड़ों को तेजी और एनर्जी के साथ दिखाया गया है। बोल्ड, एब्स्ट्रैक्ट रूपों में जो मूवमेंट और जिंदादिली का एहसास कराते हैं। ये चित्रण सिर्फ दिखाने से कहीं आगे जाते हैं और भारतीय समाज और संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हुए, सिंबल के दायरे में जाते हैं। हुसैन के घोड़ों की पेंटिंग्स का एक मतलब यह है कि वे आजादी और ताकत का प्रतीक हैं, जो कलाकार की आजादी और खुद को जाहिर करने की अपनी इच्छा को दिखाते हैं।

मकबूल फिदा हुसैन, जिन्हें अक्सर भारत का पिकासो कहा जाता है। वह अपनी शानदार और डायनेमिक पेंटिंग्स के लिए मशहूर हैं, जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को दिखाती हैं। मकबूल (एमएफ हुसैन), 20वीं-21वीं सदी के भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली कलाकारों में से एक थे। उनकी पेंटिंग्स में भारतीय संस्कृति, इतिहास और समकालीन जीवन के विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया, जिसमें घोड़े, गायें और भारतीय देवी-देवता अक्सर नजर आते हैं। 17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे हुसैन ने भारतीय आधुनिक कला को एक नई दिशा दी। हुसैन का कलात्मक सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री, पद्म भूषण और 1991 में पद्म विभूषण, भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था। 9 जून, 2011 को लंदन में उनका निधन हो गया।

पेंटर मकबूल फिदा हुसैन

रंग-तरंग

हुमायूं टॉम्ब की नर्सरी में लोककला एवं जनजातीय शिल्प महोत्सव

राजधानी दिल्ली में सालभर विशेष कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन होता रहता है। बीते दिनों जहां भारत मंडपम में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, वहीं निजामुद्दीन दरगाह के करीब बने हुमायूं टॉम्ब की सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सम में लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कला के प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम की झलक :
सुंदर नर्सरी, दिल्ली का मुगल उद्यान है, जिसे अब एक जीवंत स्थल में बदल दिया गया है। यहां शिल्प बाजारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कैफे का आयोजन होता है। यह सिर्फ एक पिकनिक स्थल नहीं, बल्कि अब यहां विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं, जिनमें "शिल्प ग्राम" भी शामिल है।
कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर भी पहुंचे :
प्रदर्शनी में शिल्प कला क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मधुबनी चित्रकला, वरली चित्रकला, गोंड चित्रकला और भील चित्रकला, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प, सुलेख, सिक्की घास बुनाई, सुलेख - लकड़ी की नक्काशी और पेपरमैची शिल्प पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
कई तरह के मधुबनी पेंटिंग्स की दिखीं कलाकृतियां :
बिहार की मधुबनी पेंटिंग को गत्तों के ढांचों पर उभारने वाली अनुभा बताती हैं कि उनको इस प्रदर्शनी में आकर काफी अच्छा लगा। वह मुल्तानी मिट्टी और कागज को मिलाकर, जो मॉडल तैयार करती हैं, फिर उस पर मधुबनी पेंटिंग को उभारने का काम करती हैं। यह हुनर उनको विरासत में प्राप्त हुआ है। इस काम को उन्होंने अपनी दादी से सीखा है, जो शादी के उपरांत उनके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।
सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग करना आयोजन का उद्देश्य :
लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव की संयोजक सुमन दूंगा ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से, हमारा उद्देश्य युवा मन को प्रेरित करना, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग देना और गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना रहा।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 26 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पराली से कई किसानों की गन्ना फसल जली

पुवायां, अमृत विचार : मंगलवार सुबह करीब 10 बजे बेला गांव में आग लगने से कई किसानों की गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों के अनुसार किसी ने अपने खेत में पराली जलाई थी, जिसकी चिंगारी हवा के साथ फैलकर आसपास के खेतों तक पहुंच गई। हालांकि आग लगने का यह कारण केवल चर्चा में है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग की चपेट में आकर आशीष की लगभग 5 एकड़, होरीलाल की करीब 1 एकड़ तथा सुशील पांडेय व अनिल के खेतों की गन्ना फसल जल गई।

ट्रैक्टर किराए पर लेने के बहाने से ठगी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव रजपुरा निवासी कृष्णा देवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आठ माह पूर्व मिट्टी के कार्य के लिए किराए पर कुछ लोग उनका ट्रैक्टर मय कागजात के ले गए। आरोपियों ने 30 हजार रुपये प्रतिमाह किराया देने की बात तय की थी। आरोपियों ने गांव के लोगों के न ट्रैक्टर वापस किए और न ही किराया दिया। आरोपी झूठे मुकदमें में फंसाने में धमकी दे रहे हैं। ठगी के शिकार प्रतिवीर, ओमकार, सर्वेश कुमार, विजेंद्र कुमार हुए है। पुलिस ने आरोपी दामोदर निवासी मदनापुर, रविन्द्र पाल निवासी मदनापुर, जगप्रीत निवासी रामपुर समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

जाम से बेहाल छोटी काशी, स्कूल बसें, एंबुलेंस फंस रहीं

फुटपाथ तक दुकानदारों का अतिक्रमण, बेतरतीब ई-रिक्शा संचालन और पार्किंग की कमी होने से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर में ट्रैफिक जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। स्थिति यह है कि सुबह-शाम के व्यस्त समय में स्कूल बसों, निजी वाहनों और एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं को भी जाम में फंसना पड़ रहा है। अलीगंज रोड और भूतनाथ रेलवे क्रॉसिंग के बंद होने पर वाहनों की कई 100 मीटर लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे स्कूली बच्चों, मरीजों, दुकानदारों और राहगीरों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है।

नगर में पार्किंग व्यवस्था न होने और दुकानों द्वारा फुटपाथ तक किए गए अतिक्रमण से सड़कें संकरी हो रही हैं। दुकानों के सामने खड़ी बाइक, ई-रिक्शा और कारें जाम की समस्या को और बढ़ावा देती हैं। शाम के व्यस्त समय में फास्ट फूड स्टॉल, होटल और बाजार क्षेत्र के बाहर बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण लोगों को पैदल निकलना तक मुश्किल हो जाता है। जाम की बड़ी वजहें फुटपाथ तक दुकानों का अतिक्रमण होना, सड़क पर खड़े बेतरतीब वाहन, ई-रिक्शा चालकों का अवैध रूप से संचालन, रेलवे क्रॉसिंग पर अव्यवस्थित ट्रैफिक तथा पार्किंग की कमी है।

छोटी काशी में पार्किंग की कोई स्थाई व्यवस्था अब तक विभाग ने नहीं की है। कई बड़े प्रतिष्ठानों में भी पार्किंग नहीं है, जिससे ग्राहक सड़क पर ही वाहन खड़े करते हैं और सड़क परिवहन को बाधित करते हैं। इससे आवागमन और बाधित होता है।

विकास चौराहे पर जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

अलीगंज क्रॉसिंग पर लगा जाम।

गोला में विकास चौराहे से निकल रहा ओवरहाइट वाहन। ● अमृत विचार

स्कूली बच्चों की बढ़ी मुश्किलें

भूतनाथ क्रॉसिंग पर रोजाना जाम झेलने वाले छात्र देवेंद्र ने बताया कि स्कूल छुट्टी के समय बसें घंटों फंस जाती हैं। ट्रैफिक कर्मी न होने से वाहन चालक अपनी मनमर्जी से निकलने की कोशिश करते हैं, जिससे जाम और बढ़ जाता है।

रिक्शा चालकों की मनमानी से बिगड़ता संतुलन

अशोक और शिवम चौराहा, नानक पुलिस चौकी और विकास चौराहे के पास ई-रिक्शा चालकों के बेतरतीब संचालन से ट्रैफिक अक्सर अव्यवस्थित हो जाता है। गलत दिशा में जाने, अचानक मोड़ लेने और बीच सड़क खड़े होने से वाहनों का दबाव बढ़ जाता है।

अलीगंज-भूतनाथ क्रॉसिंग जाम का गढ़

ट्रेन के गुजरने पर दोनों क्रॉसिंगों पर जाम की स्थिति और बिगड़ जाती है। क्रॉसिंग खुलते ही चारों दिशाओं से वाहनों की अव्यवस्थित आवाजाही जाम का कारण बनती है। हाल ही में अलीगंज रोड क्रॉसिंग पर फंसी एक एंबुलेंस में बैठे मरीज और परिजन भी घंटे भर परेशान रहे, लेकिन भीड़ में किसी ने रास्ता नहीं दिया।

शिवम चौराहे पर लगी वाहनों की कतार।

नगर में ट्रैफिक की समस्या है। अतिक्रमण रोकने के लिए पहले भी निर्देश दिए गए थे। नगर पालिका और पुलिस विभाग के साथ वार्ता कर जल्द ही कोई न कोई समाधान निकाला जाएगा। बाजार में सड़क पर अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

-प्रतीक्षा त्रिपाठी, एसडीएम गोला।

शादियों के सीजन ने और बढ़ाई परेशानी

इस समय शादियों का सीजन चलने से बारातों, डीजे और बड़े वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है। कई जगह स्वागत व बैंडबाजे के लिए सड़क का हिस्सा घेर लेने से भी जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान बेअसर

प्रशासन द्वारा कई बार फुटपाथ से अतिक्रमण हटाया गया, लेकिन दो-तीन दिन बाद ही स्थिति फिर वैसी ही हो जाती है। दुकानदार फिर से फुटपाथ और सड़क पर काउंटर निकाल लेते हैं।

तिलक चढ़ाने से मुकरा लड़की पक्ष

फरीदपुर, अमृत विचार : फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करनपुर में तिलक समारोह के दौरान बड़ा विवाद खड़ा हो गया। करनपुर निवासी करन सिंह के पुत्र का विवाह शाहजहांपुर के थाना तिलहर स्थित मीरपुर माफी निवासी राकेश की पुत्री से तय हुआ था। कार्यक्रम के अनुसार 24 नवंबर को लड़की की गोद भराई की रस्म हुई थी, जिसमें लड़के पक्ष ने सोने की चेन, अंगूठी, चांदी की पायल, साड़ियां, कपड़े तथा 11 हजार रुपये भेंट किए थे। इसी दिन शाम को लड़के का तिलकोत्सव भी था। शाम होते ही लड़के पक्ष के गांव में लगन उत्सव की तैयारी जोरों पर थी। मेहमानों और रिश्तेदारों के लिए भोजन-नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। लगभग 6 बजे लड़की पक्ष समारोह में पहुंचा और नाश्ता-भोजन करने के बाद अचानक गांव के किसी व्यक्ति के बहकावे में आकर लगन चढ़ाने से इंकार कर दिया। आरोप था कि लड़के पक्ष के पास बताई गई खेती उतनी नहीं है, जितनी जानकारी पहले दी थी। लड़के पक्ष और अन्य रिश्तेदारों ने काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और बिना तिलक चढ़ाए वापस लौट गए। लड़के पक्ष ने गोद भराई में दिए आभूषण व नकदी मांगी तो लड़की पक्ष गाली-गलौज पर उतारू हो गया और धमकी दी कि सामान मांगा तो झूठे मुकदमे में फंसा देंगे। मामला बढ़ने पर पीड़ित पक्ष फरीदपुर कोतवाली पहुंचा और पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

घायल को ले जाते समय एंबुलेंस में खत्म हुआ डीजल

संवाददाता, निघासन/मझगईं

अमृत विचारः पलिया-निघासन स्टेट हाईवे पर रविवार देर शाम ट्रैक्टर की टक्कर से घायल हुए बाइक सवार को सीएचसी ले जा रही एंबुलेंस का डीजल रास्ते में ही खत्म हो गया।

गांव बौधिया निवासी जयनारायण का बेटा पीयूष कांत बम्हनपुर गया था। वह शादी समारोह में पानी की व्यवस्था कराने के बाद घर लौट रहा था। करीब 7.30 बजे बम्हनपुर कस्बे में बोल्टू ढाबे के पास सामने से आए तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे पीयूष के सिर व शरीर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद ग्रामीणों ने परिजनों, पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। परिजन और मझगईं पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। घायल को एंबुलेंस से लेकर परिजन सीएचसी के लिए रवाना हुए, लेकिन निघासन कस्बे के सदर चौराहे पर एंबुलेंस का डीजल खत्म हो गया। पीयूष गंभीर अवस्था में एंबुलेंस में तड़पता रहा। परिजनों ने मौके पर जमकर नाराजगी जताई और चालक से कहासुनी हुई। काफी देर बाद परिजन घायल को निजी गाड़ी से सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में भी स्थिति नाजुक देखते हुए देर रात उसे लखनऊ रेफर किया गया, जहां एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है। सीएचसी अधीक्षक राजेंद्र कुमार ने बताया कि एंबुलेंस में डीजल खत्म होने की जानकारी मिली है। मामले की जांच कराई जा रही है। प्रभारी निरीक्षक मझगईं ने बताया कि पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर खड़ा कर दिया है। मामले की जांच जारी है।

खनन टीम पर हमला, 7 दिन बाद भी आरोपी फरार

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचारः खनन विभाग की टीम पर हुए हमले को सात दिन बीत चुके हैं, लेकिन सिंगाही पुलिस अब तक एक भी नामजद आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। कार्रवाई में सुस्ती को देखते हुए पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने कड़ी नाराजगी जताई है। इसके बाद से पुलिस ने छापेमारी तेज कर दी है। इसके बावजूद आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

थाना क्षेत्र के मोतीपुर स्थित जौराहा नदी पर लंबे समय से अवैध बालू खनन का खेल चल रहा था। शिकायतों के बावजूद न पुलिस और न ही राजस्व विभाग ने कार्रवाई की। 18 नवंबर की रात करीब 11 बजे खनन निरीक्षक आशीष सिंह ने मोतीपुर के भौका घाट पर छापा मारा था। यहां से बालू लदी दो ट्रैक्टर-ट्रालियां और दो खाली ट्रैक्टर-ट्रालियां पकड़ी गईं। इसी दौरान मौके पर पहुंचे खनन माफियाओं ने टीम पर हमला कर दिया। बताया गया कि हमलावरों ने तमंचे के दम पर गनर की राइफल छीनने की कोशिश की और ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास भी किया। घटना के बाद आरोपी दो ट्रैक्टर-ट्रालियां लेकर फरार हो गए। खनन निरीक्षक की तहरीर पर 19 नवंबर को मोतीपुर निवासी मुन्ना खान, कल्लूपुरवा निवासी हीरालाल, तकियापुरवा निवासी रविंद्र भार्गव, बंजरिया फार्म निवासी फतेह सिंह सहित पांच अज्ञात लोगों पर जानलेवा हमले की गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। उम्मीद थी कि पुलिस तत्काल सख्त कार्रवाई करेगी, लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी गिरफ्तारी शून्य है। हालांकि एसपी की सख्ती के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर ताबड़तोड़ दबिशें दे रही हैं। इससे आरोपियों और खनन से जुड़े लोगों में पुलिस का खौफ दिख रहा है। खनन में शामिल कई लोग तो घरों को छोड़कर भूमिगत हो गए हैं।

अमृत विचार में छपी खबर का पीडीएफ।

- **तकियापुरवा के दो खनन माफियाओं पर कसेगा पुलिस का शिकंजा**
- **एसपी के तेवर सख्त, हरकत में आई पुलिस ने तेज की छापेमारी**

अमृत विचार में छपी खबर का पीडीएफ।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। जांच में दो अन्य लोग भी सामने आए हैं। पुलिस गहराई से जांच कर रही है। घटना में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जायेगा। उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही सभी आरोपी पकड़े जाएंगे।

-अजीत कुमार, एसओ सिंगाही।

जांच का दायरा बढ़ा दो नए माफिया सामने

एसपी के निर्देश के बाद जांच में तेजी आई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र के गांव तकियापुरवा निवासी दो और माफियाओं के नाम सामने आए हैं। दोनों का नेटवर्क काफी बड़ा बताया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि पकड़ी गई दो ट्रैक्टर-ट्रालियों में एक शरीफ और दूसरी नामजद आरोपी फतेह सिंह की बताई जा रही है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से दंपती की मौत

रोते बिलखते पुत्र को सांत्वना देते रिश्तेदार। ● अमृत विचार

संवाददाता, संसारपुर

अमृत विचार: नेशनल हाईवे-730 पर सोमवार की शाम तेज रफ्तार ने एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपती की मौत हो गई। दोनों एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। दंपती की मौत से गांव में कोहराम मच गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर दोनों शव परिवार वालों को सौंप दिए हैं।

थाना मैलानी क्षेत्र के गांव बोझिया निवासी महेश कुमार (45) पुत्र राम अवतार और उनकी पत्नी मंजू देवी (43) बाइक से कोतवाली गोला क्षेत्र स्थित एक मैरिज लॉन में शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। थाना हैदराबाद क्षेत्र के छत्तीपुर और मुरादपुर के बीच सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पति-पत्नी सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। सूचना मिलते ही थाना हैदराबाद पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी गोला भेजा। वहां डॉक्टरों ने मंजू देवी को मृत घोषित कर दिया। महेश कुमार की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। दंपती की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद जब दोनों शव गांव लाए तो माहौल गमगीन हो गया। रिश्तेदार और ग्रामीण परिजनों को ढांढस बंधाते रहे। अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

मंजू देवी।

महेश वर्मा।

दो बेटों के ऊपर टूटा दुःखों का पहाड़

दंपती की मौत की खबर मिलते ही शादी समारोह में मातम छा गया। गांव में यह सूचना आग की तरह फैल गई। महेश कुमार के बेटे प्रशांत वर्मा और अंकुल वर्मा रो-रोकर बेहाल हो गए। दोनों के सिर से मां-बाप का साया हमेशा के लिए उठ गया। छोटे बेटे अंकुल ने फफकते हुए कहा कि मम्मी-पापा गिफ्ट और मिठाई लेकर शादी में जा रहे थे लेकिन अब कभी वापस नहीं आएंगे। आगे हमारी पढ़ाई-लिखाई कैसे होगी? हमें कौन संभालेगा? उसकी चीख-पुकार सुनकर मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं।

बोलेरो ने की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

धौरहरा, अमृत विचार : मोहल्ला तिवारी टोला निवासी मुन्ना त्रिवेदी (55) अपनी स्कूटी से घर वापस आ रहे थे। कस्बे के मुख्य मार्ग पर बोलेरो ने उनकी स्कूटी में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस दौरान मुन्ना त्रिवेदी बोलेरो के फ्रंट हिस्से में फंस गए और कई मीटर तक सड़क पर घिसटते चले गए। घायल मुन्ना त्रिवेदी को अस्पताल में भर्ती कराया है

एसआईआर गणना प्रपत्र के साथ नहीं देने हैं कोई दस्तावेज

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **पहले कॉलम में भर दें केवल व्यक्तिगत जानकारी**
- **431033 मतदाताओं में से 33 प्रतिशत ने जमा किए फॉर्म**

अमृत विचार: एसआईआर गणना प्रपत्र को लेकर एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने तहसील सभागार में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि फॉर्म भरकर उसके साथ किसी भी प्रकार के दस्तावेज को लगाने की जरूरत नहीं है। केवल पहले कालम में व्यक्तिगत जानकारी भरकर वर्तमान फोटो चस्पा के फॉर्म के नीचे अपने अंगूठे या हस्ताक्षर करें और फॉर्म बीएलओ के पास जमा कर दें। किसी को इस संबंध में घबराने की जरूरत नहीं है। यह गणना प्रपत्र फार्मर आईडी की तरह है कि आप भारत के नागरिक हैं।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चार नवंबर से शुरू हो चुका है, जो चार दिसंबर तक चलेगा। तहसील के कुल चार लाख 31 हजार 23 मतदाताओ को गणना पर पत्र वितरित किए गए हैं, जिनमें एक लाख 33 हजार लोगों ने गणना प्रपत्र भरकर जमा भी कर दिए हैं। जनपद में गोला तहसील दूसरे नंबर पर है।

गणना प्रपत्र भरते समय सिर्फ एक फोटो ही फार्म पर चस्पा करना है और पहले दाहिने कलम में आवश्यक प्रविष्टियां भरकर बिना किसी अन्य दस्तावेज के फॉर्म जमा कर देना है। उन्होंने बताया कि गणना प्रपत्र पर पहले से ही निर्वाचन का नाम, पता, क्रम संख्या, भाग संख्या, विधानसभा, संसदीय निर्वाचन का नाम, राज्य का नाम और एक फोटो दर्ज है। सबसे पहले वर्तमान फोटो चिपकाना है।इसके बाद पहले कॉलम में जन्मतिथि, आधार संख्या भरनी है, आधार की जानकारी भी वैकल्पिक है। फिर मोबाइल नंबर, पिता, अभिभावक का नाम दर्ज करना है और फार्म पर हस्ताक्षर या अंगूठा लगाकर बीएलओ को दे देना है।

तहसीलदार भीमचंद ने बताया कि जिस प्रकार एक किसान होने के लिए फार्मर आईडी बनवाई गई है। उसी प्रकार यह गणना प्रपत्र भरकर आप निर्वाचन आयोग की सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया है। बताया कि दूसरे कॉलम में वर्ष 2003 का ब्यौरा देना है। अगर 2003 की सूची में नाम न हो तो इसे खाली छोड़ दें। अगले तीसरे कॉलम में अपने किसी संबंधी का विवरण वर्ष 2003 के अनुसार दर्ज कर दें। अगर इस सूची में भी उनका नाम न हो तो इस कॉलम को भी खाली छोड़ दें।

प्रेसवार्ता में जानकारी देतीं एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी। ● अमृत विचार

ऐसे भर सकते हैं एसआईआर ऑनलाइन फॉर्म

एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी ने बताया कि एसआईआर फॉर्म voters.eci.gov.in पर उपलब्ध है। इस साइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भरा जा सकता है। पहले से वोटर आईडी कार्ड है तो एपिक नंबर डालते ही आपकी जानकारी खुद प्रदर्शित होगी, यदि आप नए मतदाता हैं या पहले पंजीकृत नहीं थे तो इस साइट पर फॉर्म भरने का विकल्प मिलेगा। इसके बाद नाम, आयु, लिंग और पता भरे। वर्तमान का पासपोर्ट साइज कलर फोटो अपलोड करें। फोटो में चेहरा स्पष्ट और आंखें खुली होनी चाहिए। गणना प्रपत्र भरने में किसी प्रकार की असुविधा होने पर संबंधित बीएलओ का भी सहयोग ले सकते हैं।

मारपीट के मामले में तीन भाइयों पर रिपोर्ट

तिलहर। खेत देखने गए युवक पर रविवार को तीन भाइयों ने गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। पीड़ित ने थाना पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गांव भुरेली निवासी ओमपाल ने बताया कि वह 23 नवंबर की शाम करीब 5 बजे अपना खेत देखने गया था। इसी दौरान गांव के अजय, अर्जुन और अमित तीनों सगे भाइयों ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर तीनों ने एक राय होकर उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। हमले में ओमपाल के सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर गुम चोटें आईं। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पोस्टमार्टम में हैंगिंग आने पर उठे सवाल

संवाददाता, सिंगाही

घर में अकेली थी बुजुर्ग दादी, नाना थे बाहर

घटना के वक्त घर में बच्ची की दादी रुकमनी ही मौजूद थीं। उन्होंने बताया कि मैं रोटी बना रही थी, वह दूध पीकर बाहर खेलने गई थी। थोड़ी देर बाद वह फंदे पर लटकी मिली। नाना रामविलास पास के गांव गए थे। नाना ने बताया कि जब वे घर लौटे तो बच्ची का शव फंदे से उतारा जा चुका था। उन्हें नहीं पता कि बच्ची की मौत कैसे हुई। रिश्तेदार और ग्रामीण भी सवाल उठा रहे हैं कि 10 साल की बच्ची फांसी कैसे लगा सकती है।

अमृत विचार: कोतवाली तिकुनिया के गांव रननगर में शहतूत के पेड़ से लटकी मिली 10 साल की बालिका का शव जब पोस्टमार्टम के बाद गांव लाया गया तो परिवार वालों में कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस पर दबाव बनाकर आनन-फानन में शव का अंतिम संस्कार कराने का आरोप लगाया है। वहीं उन्होंने पोस्टमार्टम रिपोर्ट हैंगिंग आने की बात किसी के गले नहीं उतर रही है। परिजन और ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि आखिर 10 साल की बच्ची फांसी कैसे लगा सकती है।

10 साल की नीतू गांव रननगर निवासी अपने नाना के घर रहती थी। उसका रविवार की शाम घर के दरवाजे के निकट शहतूत के पेड़ से शव लटका बरामद हुआ था। परिजनों ने दुष्कर्म व हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस से भी नोकझोंक हुई थी। हालांकि पुलिस ने तहरीर लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार की रात करीब 12 बजे जब शव गांव लाया गया तो परिवार में चीख पुकार मच गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने दबाव बनाकर बगैर उनकी अनुमति के शव का अंतिम संस्कार करवा दिया, जबकि वे अपनी बच्ची का चेहरा तक नहीं देख पाए। मृतका की बड़ी बहन काजल का कहना है कि 10 वर्षीय बच्ची खुद फांसी नहीं लगा सकती। आरोप है कि बच्ची के साथ गलत काम करने के बाद हत्या की गई और सबूत मिटाने को पेड़ पर लटकाया गया। काजल ने कहा कि हमने बहन का मुंह भी नहीं देखा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण सिर्फ हैंगिंग आया है। परिजन एफआईआर दर्ज नहीं कराना चाहते। पुलिस ने किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाया। अपनी स्वेच्छा से शव का अंतिम संस्कार किया है। **-पुष्पराज कुशवाहा**, कोतवाल तिकुनिया।

शराब फैक्ट्री में करंट से मजदूर की मौत

निगोही/शाहजहांपुर, अमृत विचार : पीलीभीत जिले के थाना बरखेड़ा के गांव ललौली निवासी मुकेश (25) निगोही क्षेत्र में एक शराब फैक्ट्री में काम करता था। सोमवार शाम काम करते समय उसको करंट लग, जिससे वह नीचे गिरकर बेहोश हो गया। फैक्ट्री के कर्मचारी मुकेश को मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि मुकेश 15 दिन पहले फैक्ट्री में काम करने के लिए आया था। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। मुकेश की मौत से पत्नी बेलावती और दो बच्चों का रो रोकर बुराहाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आई है।

एसआईआर सुधार नहीं जनता पर थोपा दबाव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उत्प्रेती ने कहा कि एसआईआर सुधार नहीं बल्कि जनता पर थोपा गया दबाव है।

उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर कर सत्ता पर काबिज है। वोट चोरी आज हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। एसआईआर के नाम पर पूरे देश में अफरा-तफरी मची है और तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की जान जा चुकी है। उन्होंने सवाल किया कि एसआईआर इतनी हड़बड़ी में क्यों कराया जा रहा है और इसका उद्देश्य क्या है? उनका कहना था कि चुनाव आयोग के पास इन सवालों का कोई स्पष्ट उत्तर नहीं है और पूरी प्रक्रिया भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए की जा रही है। उन्होंने मांग की कि एसआईआर की समय सीमा बढ़ाई जाए, क्योंकि अभी तक मुश्किल से 20% लोग ही इस प्रक्रिया में शामिल हो पाए हैं। वर्तमान समय में शादी-विवाह, मुंडन संस्कार व किसानों की गन्ना कटाई, गेहूं बुवाई की व्यस्तता को देखते हुए समय सीमा बढ़ाना आवश्यक है। कांग्रेस प्रवक्ता रवि तिवारी ने भी चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमीशन का काम सभी पार्टियों के लिए लेवल प्लेयिंग फील्ड तैयार करना होता है, लेकिन ज्ञानेश कुमार सिर्फ भाजपा को लाभ पहुंचाने में जुटे हैं।

एसआईआर के जरिए संभावित विरोधी मतदाताओं के नाम लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के पांच आदेश भी आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हैं। इस दौरान युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष नवाज खान, डॉ. रईस अहमद उस्मानी, अब्दुल रहीम, वरुण चौधरी, राजेंद्र गुप्ता आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता करते जिला उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उत्प्रेती। ● अमृत विचार

- **कांग्रेस भवन पर प्रेस वार्ता में जमकर बरसे पार्टी नेता**

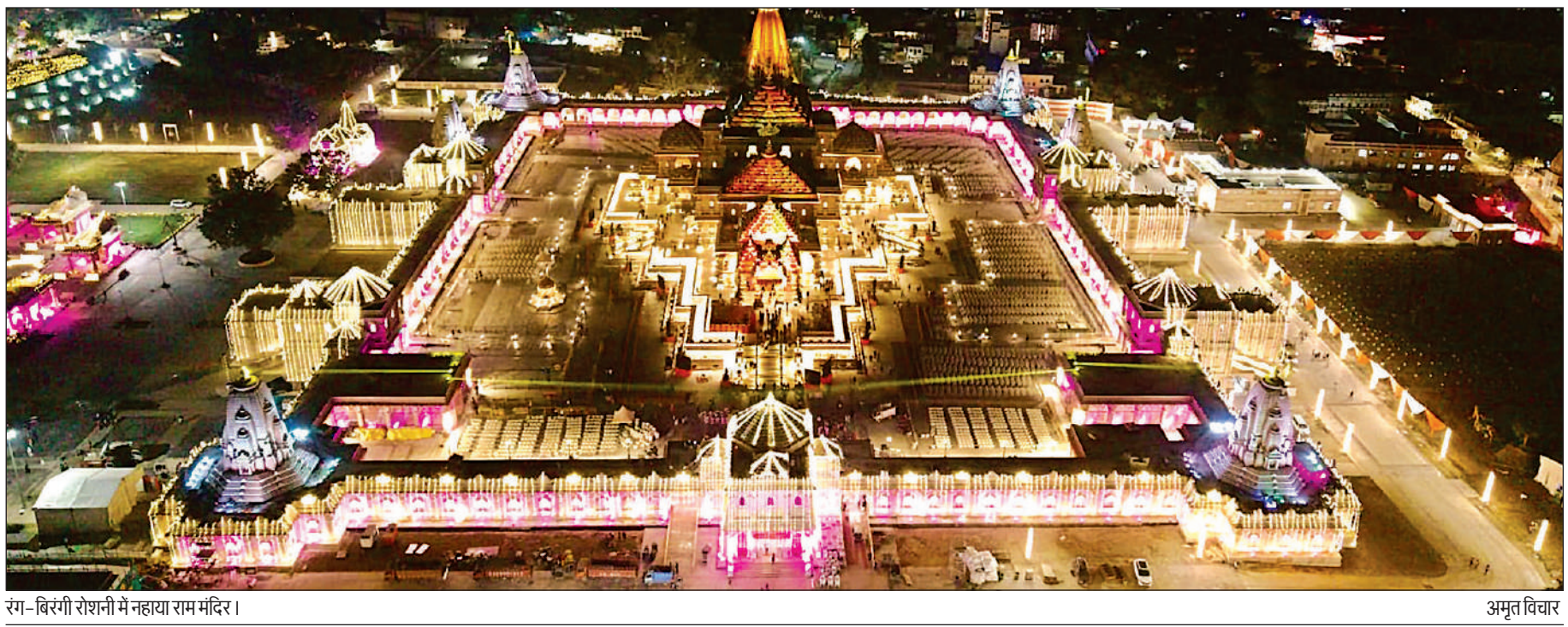

रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया राम मंदिर। अमृत विचार

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

निषाद चौराहे पर तिरंगा लहरातीं महिलाएं। अमृत विचार

ध्वजारोहण होते ही जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी रामनगरी

मठ-मंदिरों में बजे घंटे-घड़ियाल, भगवान की उतारी गयी आरती, बांटा गया प्रसाद

हाथ में त्रिशूल लेकर जय श्रीराम का उद्घोष करता साधु। अमृत विचार

रामधुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर का भव्य प्रांगण, सुबह करीब 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में जैसे ही बटन दबाया, धर्म ध्वजा धीरे-धीरे कर ऊपर जाने लगी। तीन मिनट में भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर लहराकर मंदिर निर्माण की पूर्णता का संदेश देने लगा। यह दृश्य देखकर राम मंदिर प्रांगण में बैठे करीब सात हजार लोग, शहर में करीब 50 स्थानों पर लगी एलईडी, मंदिरों व घरों की छतों समेत पूरे विश्व में टीवी के माध्यम यह ऐतिहासिक दृश्य देख रहे लोगों को भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंदिर प्रांगण ही नहीं पूरी अयोध्या जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी। रामपथ, धर्मपथ समेत पूरे शहर के लोग सड़कों पर आ गए व मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। अयोध्या के बुजुर्ग संत राम स्वरूप दास, पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव मंदिर के संत रंजीव शरण दास ने कहा कि आज के इस पल का गवाह बनकर हम अयोध्यावासी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रसाद विक्रेता राकेश गुप्त, केशरीनंदन गुप्ता, राजेश गुप्त, ओंकार गुप्त, राम नाम संकीर्तन करने वाले वैभव तिवारी, अुतल दास आदि हनुमानगढ़ी के पास श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते दिखे। अपनी छतों से मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराते देख खुशी मनाने वाले रायगंज निवासी स्वाति, प्रीति, गुंजन, गौरी, स्तुति, दंतधावनकुंड नई कॉलोनी निवासी केडी मिश्र आदि ने कहा कि मोदी-योगी ने वह किया है जो पूर्व में कोई नहीं कर सका। श्रावस्ती से आए राजेंद्र पांडेय, विश्वनाथ जायसवाल ने कहा कि मोदी और योगी ने अयोध्या का गौरव वापस दिलाया है।

लता चौक पर रामधुन पर नाचते साधु। अमृत विचार

सांस्कृतिक उत्सव में बदला समारोह

बिहार के गोपालगंज से हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे एक रामभक्त ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। दिल्ली से आई श्रद्धालु महिलाएं मधु, धारणा, संतोष और पूजा ने कहा कि राम मंदिर परिसर पहुंचते ही उन्हें देवलोक जैसी अनुभूति हुई। संत रमाकांत शर्मा, जो 25 वर्षों से अयोध्या आते रहे हैं, ने कहा कि अयोध्या आधुनिक भी हुई है और अपनी त्रेतायुगीन झलक भी पा चुकी है। ढोल और मंजीरों के मधुर स्वरों के बीच संतों की टोली ने इस आयोजन को एक दिव्य सांस्कृतिक पर्व में परिवर्तित कर दिया।

सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे श्रीराम आए हैं...

फूलों से सजे राम मंदिर द्वार के सामने जय श्रीराम का उद्घोष करते भक्त। अमृत विचार

विशाल तिवारी, अयोध्या

अमृत विचार : रामनगरी मंगलवार को फिर त्रेतायुग में लौट आई। अलौकिक, अद्भुत और अप्रतिम सौंदर्य से पूरा शहर राममय हो उठा। सारा वातावरण सुगंधित पुष्पों की महक से सराबोर था। पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर बज रहे भजन सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे प्रभु श्रीराम आए हैं..., लोगों को भक्ति के सागर में गोते लगवा रहे थे।

रामपथ समेत नगर के प्रमुख मार्गों पर लगी गेंदा और आम के पत्तों की मालाएं पूरे वातावरण को धार्मिक रंग में रंग रही थीं। राम मंदिर के वीआईपी प्रवेश द्वार जगदगुरु आद्य शंकराचार्य, जगीगुरु रामानंदाचार्य मार्ग समेत प्रवेश का प्रमुख मार्ग श्रीराम जन्मभूमि पथ पर बना भव्य द्वार किसी खास आयोजन का गवाह बन रहा था। मुख्य चौक-चौराहों पर केसरिया, पीले, लाल और सफेद फूलों की लड़ी इतनी सुंदर लग रही थी कि दूर से देखने पर लगता था मानो पूरा शहर सोने-चांदी के आभूषणों से सजा हो। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में गर्भगृह से लेकर मुख्य द्वार तक, हर तरफ गेंदे, गुलाब, चमेली और बेला के फूलों का ऐसा समां बंधा कि हवा में भी मिठास घुल गई। हनुमानगढ़ी के पास बेगूसराय से आए रत्नेश राय, अमिता राय, कुमकुम, मीरा आदि बोले वाह, यह है राजा राम की नगरी के ठाठ, लग रहा है आज सच में त्रेतायुग लौट आया। श्रृंगार हाट में बलिया से आए मीनाक्षी, देवनारायन, श्रीनाथ, राजकुमारी आदि ने कहा कि पूरा शहर फूलों से महक रहा है, हवा में भी राम नाम की सुगंध है। तुलसी उद्यान के पास गोंडा से आई बुजुर्ग बीना पांडेय बोलीं मैंने इतना सुंदर दृश्य कभी नहीं देखा। लता चौक के पास खड़े युवा श्रद्धालु आयुष, आर्यन, प्रशांत, शुभम ने कहा ये फूल, ये सुगंध, यह भक्ति भाव सब कुछ कह रहा है कि राम हमारे बीच हैं। रेलवे स्टेशन पर मिले रीवा के संजीव व उनकी पत्नी सुमन ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भी बताया जाएगा कि जब राम अपने घर लौटे, तो अयोध्या ने उनका कैसे स्वागत किया।

राम मंदिर परिसर से प्रसाद लेकर लौटीं महिलाएं। अमृत विचार

रामपथ पर पीएम मोदी को हर कोई अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते दिखा।

पीएम मोदी का स्वागत करते बटुक। अमृत विचार

ध्वजारोहण करने के लिए जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

राम भेद से नहीं, भाव से ही जुड़ते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

- **अयोध्यावासियों के जीवन में समृद्धता के लिए चल रहा काम**
- **भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा राम मंदिर का दिव्य प्रांगण**

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें मोक्ष नहीं, मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग महान लगता है। आज हम भी इसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। वह मंगलवार को श्रीरामजन्म भूमि परिसर स्थित मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। राम मंदिर का दिव्य प्रांगण भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा है। यहां सप्त मंदिर, मां शबरी, निषादराज गुह्य का भी मंदिर है। यहां एक ही स्थान पर मां अहिल्या, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य और संत तुलसीदास हैं। रामलला के साथ-साथ इन ऋषियों के भी दर्शन यहीं होते हैं। जटायु व गिलहरी की मूर्ति भी बड़े संकल्पों की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास के महत्व को दिखाती है।

प्रधानमंत्री मोदी को रामलला की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री। साथ में मौजूद राज्यपाल।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर आस्था के साथ मित्रता, कर्तव्य व सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को शक्ति देते हैं। हमारे 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, युवा हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा गया है। जब देश का हर व्यक्ति, वर्ग, क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा। 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब सबके प्रयास से ही हमें विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि रामपथ, भक्तिपथ व जन्मभूमि पथ से नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट, शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत-अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें अयोध्या को देश की अन्य जगहों से जोड़ रही है। अयोध्यावासियों को सुविधाएं मिले, उनके जीवन में समृद्धि आए, इसके लिए निरंतर काम चल रहा है। जबसे प्राण-प्रतिष्ठा हुई है, तबसे आज तक करीब 45 करोड़ श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। इससे अयोध्या व आसपास के लोगों की आय में वृद्धि हुई है। विकास के पैमाने में अयोध्या कभी बहुत पीछे थी, लेकिन आज यूपी के अग्रणी शहरों में एक है।

श्रीराम के व्यवहार को करना होगा आत्मसात

पीएम ने कहा हमें राम व उनके व्यक्तित्व को सीखना होगा। उनके व्यवहार को आत्मसात करना होगा। राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र, राम यानी सत्य-पराक्रम का संगम। राम यानी धर्मपथ पर चलने वाला व्यक्तित्व, राम यानी जनता के सुख को सर्वोपरि रखना, राम यानी धर्म और क्षमा का दरिया, राम यानी ज्ञान व विवेक की पराकाष्ठा, राम यानी कोमलता में दृढ़ता, राम यानी कृतज्ञता का उदाहरण, राम यानी श्रेष्ठ संगति का चयन, राम यानी विनम्रता में महाबल, राम यानी सत्य का अडिग संकल्प, राम यानी जागरूक, अनुशासित व निष्कपट मन। राम सिर्फ व्यक्ति नहीं, राम मूल्य हैं, मर्यादा हैं।

बटन दबाकर ध्वजारोहण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत। अमृत विचार

आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस : मोहन भागवत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज के आरोहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। कृतार्थता का दिवस है।

आज हमारे संकल्प की पुनरावृत्ति का दिवस है, जिसे हमारे पूर्वजों ने हमें दिया है। कहा कि जितने लोगों ने सपना देखा, प्रयास किए, प्राण अर्पित किए, आज उनकी स्वर्गस्थ आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी। उन्होंने कहा कि मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष पंचमी पर मंगलवार को विवाह पंचमी के पावन अवसर पर अयोध्या धाम सहित संपूर्ण विश्व प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्णत्व का साक्षी बना है। महंत रामचंद्र दास जी महाराज, डालमिया जी समेत कितने ही संत, गृहस्थ एवं विद्यार्थियों ने प्राणार्पण किया, पसीना बहाया।

उन्होंने कहा कि जो पीछे रहे, वे भी यही इच्छा व्यक्त करते थे कि मंदिर बनेगा जो अब बन गया है। आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण भी हो गया। निश्चित तौर पर यह एक ऐतिहासिक व पूर्णत्व का क्षण है।

भारतवर्ष के लोगों से दुनिया सीखे जीवन जीने का तरीका: आरएसएस सर संघचालक ने कहा, "एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः" अर्थात इस देश में जन्मे अग्रजन्मा ऐसा जीवन जिएं कि दुनिया उनसे प्रेरणा लें। "स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः" यानी पृथ्वी के समस्त मानव भारतवासियों के चरित्र से जीवन की विद्या सीखें। उन्होंने कहा कि परम वैभव सम्पन्न, सबके लिए खुशी और शांति बांटने वाला तथा विकास का सुफल देने वाला भारतवर्ष हमें खड़ा करना है। यही विश्व की अपेक्षा और हमारा कर्तव्य भी है।

उन्होंने कहा कि श्रीरामलला विराजमान हैं, उनसे प्रेरणा लेकर कार्य की गति हम आगे बढ़ाएं। कहा कि जैसा सपना उन्होंने देखा था, उससे भी अधिक भव्य और सुंदर मंदिर आज बन गया है। सभी सनातन धर्मावलंबियों और भारतवर्ष के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे हृदय में तप का सृजन करे यही कामना है।

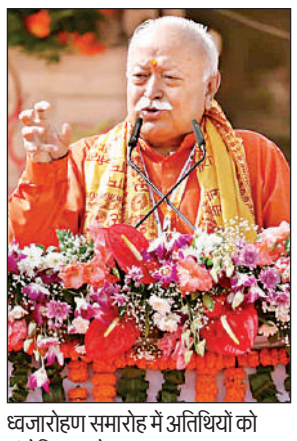

ध्वजारोहण समारोह में अतिथियों को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख।

ओंकार से होता है सत्य का प्रतिनिधित्व

डॉ. भागवत के अनुसार, हिंदू समाज ने लगातार 500 वर्षों और बाद के दीर्घ आंदोलन में अपने इस स्वत्व को सिद्ध किया। रामलला आ गए, मंदिर बन गया। यही बात सत्य पर आधारित धर्म को लेकर भी है। सत्य का प्रतिनिधित्व ओंकार से होता है। वही ओंकार संपूर्ण विश्व को देने वाला भारत हमें खड़ा करना है। इस प्रतीक को ध्यान में रखते हुए सभी विपरीत परिस्थितियों में हमें एकजुट होकर सतत कार्य करना होगा।

राम मंदिर में नौ घंटे के बाद हुए रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: राम मंदिर में मंगलवार को नौ घंटे के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर में रामलला का दर्शन प्रारंभ हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश दिया गया। लगभग सात घंटे तक चले दर्शन में एक लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सुरक्षा के कारण आने वाले श्रद्धालुओं को परकोटा और अन्य सप्त ऋषि मंदिर में दर्शन प्राप्त नहीं हो सके। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से संपूर्ण मंदिर परिसर का दर्शन प्राप्त हों सकेंगे। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के बाद दोपहर तीन बजे से ट्रस्ट ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि आज राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम के निमित्त सुबह से ही श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं प्राप्त हो सके थे। इस दौरान परिसर में आए अतिथियों को भी सुगमता से राम मंदिर में दर्शन कराये गये।

ध्वजारोहण सकुशल संपन्न प्रशासन ने ली राहत की सांस

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया। प्रशासन ने राहत की सांस ली। ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन से पुलिस तक के लोग महीने भर से तैयारी कर रहे थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सबसे अहम् मुद्दा सुरक्षा व्यवस्था था। सतर्कता की जिम्मेदारी को लेकर अधिकारी हलकान रहे। फिलहाल ध्वजारोहण के साथ पीएम मोदी का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

एक्स पर ट्रेंड करता रहा हैशटैग अयोध्या और श्रीराम

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की नजर रही। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या पहुंचते ही आभासी दुनिया में वह छा गए। सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर दिन भर हैशटैग अयोध्या व हैशटैग श्रीराम ट्रेंड करता रहा। यही नहीं अन्य प्लेटफार्म पर भी ध्वजारोहण की तस्वीरें छाई रहीं। वाट्सएप डीपी से लेकर फेसबुक पेज पर सिर्फ राम मंदिर की ही चर्चा रही।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,587.01	25,884.80
गिरावट	313.70	74.70
प्रतिशत में	0.37	0.42

सोना 1,28,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,60,800 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 26 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

यात्रा ऑनलाइन ने ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन बनाया

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा कंपनी यात्रा ऑनलाइन लिमिटेड ने मंगलवार को अपने नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की। कंपनी ने सह-संस्थापक और सीईओ ध्रुव श्रृंगी को कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। यात्रा ऑनलाइन ने शेयर बाजारों को बताया कि कंपनी ने सिद्धार्थ गुप्ता को नया सीईओ बनाया है। श्रृंगी, जो शुरुआत से ही सीईओ हैं, इस नई भूमिका में यात्रा के दीर्घावधि के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें वैश्विक विस्तार, नवोन्मेषण और शेयरधारकों के लिए मूल्यवर्धन शामिल है।

नंद किशोर बने क्रिस्टल क्रॉप के मानद चेयरमैन

नई दिल्ली। कृषि रसायन बनाने वाली कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अपने संस्थापक नंद किशोर अग्रवाल को मानद चेयरमैन बनाया। उनके पुत्र अंकुर को कार्यकारी चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कंपनी कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच फसल सुरक्षा, बीज, जैव प्रौद्योगिकी और हरित खेती के समाधान क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। कंपनी ने कहा कि नंद किशोर अग्रवाल, जिन्होंने चार दशक पहले कंपनी शुरू की थी, रणनीतिक सलाह देंगे और शिक्षा, आजीविका और सतत विकास में परमार्थ कार्यों पर ध्यान देंगे।

छोटे चाय उत्पादकों ने की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग

कोलकाता। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनकी वृद्धि को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की है। सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने पत्र में कहा कि छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) कुल चाय उत्पादन में 50% का योगदान देते हैं। एसटीजी को हरी चाय की पत्तियों की अस्थिर कीमतों, कर्ज तक सीमित पहुंच और सही वैज्ञानिक समर्थन के मामले में परेशानी झेलती हैं। इससे कई एसटीजी मालिक कर्ज में फंसे हैं। पत्र में कहा गया है कि एसटीजी द्वारा उगाई हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम स्थिर मूल्य तय होना चाहिए।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने उच्च व वैश्विक वृद्धि और अमेरिकी शुल्क के कम प्रभाव पर बढ़ाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी दर 6.8 प्रतिशत से बढ़ने की जताई है उम्मीद जो गत वर्ष की वृद्धि से अधिक

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है। रेटिंग एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री और सार्वजनिक वित्त मामलों के प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि जुलाई के अनुमान के बाद से आर्थिक परिस्थितियां काफी अनुकूल हुई हैं। इनमें उम्मीद से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी दर में वृद्धि और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना शामिल हैं। आर्थिक वृद्धि अनुमान में तीव्र वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं। जून तिमाही में अपेक्षा से अधिक तीव्र जीडीपी वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का प्रभाव पहले के अनुमान से कम होना है।

इंडिया रेटिंग्स ने जुलाई में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया था और इसके लिए शुल्क युद्ध और किसी भी पूंजी निकासी के प्रमुख जोखिम को जिम्मेदार ठहराया था। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर के लिए जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। एजेंसी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में तेजी और सर्दियों के महीनों में अनुकूल मौसम की स्थिति जीडीपी वृद्धि को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की क्षमता रखती है। हालांकि, अगर मांग में सुधार (उपभोग और निवेश) अपेक्षा से कमजोर रहा, तो इससे जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट आ सकती है।

4,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है। भारत अभी करीब 3,900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3,900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है।

जन विश्वास विधेयक के पर कर रहे काम : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने का प्रयास जारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री घरेलू व्यापारियों के सम्मेलन में कहा कि जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

एक देश, एक लाइसेंस के मुद्दे पर मांगी रूपरेखा

गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करे और मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। व्यापारियों द्वारा उठाए गए 'एक देश, एक लाइसेंस' के मुद्दे पर, मंत्री ने उनसे इसके लिए एक रूपरेखा जमा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इसे महाराष्ट्र जैसे राज्यों के साथ साझा करेंगे, क्योंकि यह राज्य का विषय है।

आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर किया

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है। मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने कहा कि राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपये था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें भी घटा दी गईं, जिससे उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती हुईं और मांग बढ़ाने का प्रयास किया गया। पेट्च ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने और मौद्रिक नीति में नरमी से घरेलू उपभोग के और मजबूत होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में नीतिगत ब्याज दरों में 0.50% की कटौती कर उन्हें 5.5% के तीन वर्ष के निचले स्तर पर ला दिया था। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 0.25% के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि घरेलू खपत और अवसंरचना निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारक बने हुए हैं और यह अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत आयात शुल्क के असर को काफी हद तक संतुलित करेंगे।

सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 314 अंक टूटा
- आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से आई गिरावट

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 75 अंक की गिरावट आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 74.70 अंक की गिरावट के साथ 25,884.80 अंक पर आ गया। शुक्रवार से अब तक तीन सत्रों में निफ्टी 307 अंक से अधिक की गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे आ गया है। जबकि सेंसेक्स 1,045 अंक लुढ़का है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, इटर्नल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,171.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,512.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बीएसई स्मॉलकैप 0.20% लाभ में जबकि मिडकैप 0.19% बढ़त में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी 0.75, बीएसई केंद्रित आईटी (0.64), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (0.53), टेक (0.39), ऊर्जा (0.32), वाहन (0.25) और जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में 0.25% की गिरावट रही। रियल्टी, जिंस, स्वास्थ्य, दूरसंचार, पूंजीगत वस्तुएं और धातु में बढ़त दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत टूटकर 62.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक अनुबंधों की समाप्ति के दिन घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा।

निवेशकों के 33,000 करोड़ रुपये डूबे

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार में आई गिरावट से 33,000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। उनकी कुल पूंजी घटकर 469.35 लाख करोड़ रुपये रह गई जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 469.68 लाख करोड़ रुपये रही।

राष्ट्रीय

धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कैसा संदेश, यह तो सैन्य अधिकारी की घोर अनुशासनहीनता

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व ईसाई अधिकारी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें सशस्त्र बलों से उसकी बर्खास्तगी को चुनौती दी गई थी। अधिकारी ने अपनी तैनाती वाले स्थल पर मंदिर के गर्भगृह में रेजिमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें सेना की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था। अदालत ने कहा कि सैमुअल कमलेसन का आचरण सैन्य अनुशासन के अनुरूप नहीं था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह किस तरह का संदेश दे रहे हैं? उन्हें तो बस इसी लिए बाहर कर देना चाहिए था। यह किसी सैन्य अधिकारी द्वारा की गई घोर अनुशासनहीनता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने वाले को उदाहरण पेश करना चाहिए। आप अपने सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। जब एक पादरी ने आपको सलाह दी, तो आपने उसे वहीं छोड़ दिया। आप इसको लेकर अपनी निजी समझ नहीं रख सकते कि आपका धर्म क्या अनुमति देता है। वह भी वर्दी पहले हुए। कमलेसन के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल को उनकी तैनाती स्थल पर स्थित मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से इन्कार करने के एकमात्र कृत्य के लिए सेवा से बर्खास्त किया गया था। उन्होंने यह कहते हुए गर्भगृह में प्रवेश करने से इन्कार कर दिया था कि यह उनके ईसाई धर्म का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या एक अनुशासित बल में इस तरह का आचरण जायज है? उन्होंने कहा कि एक सैन्य नेतृत्वकर्ता अपने सैनिकों के साथ उस जगह जाने से कैसे इनकार कर सकता है जिसे वे पवित्र मानते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सिख सैनिकों की मौजूदगी को देखते हुए रेजिमेंट में एक गुरुद्वारा भी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप भले ही 100 चीजों में उत्कृष्ट हों, लेकिन भारतीय सेना अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है... आप अपने ही सैनिकों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं। जब अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि नोटिस जारी नहीं करना समाज के लिए एक गलत संदेश होगा, तो पीठ ने कहा कि इससे एक कड़ा संदेश जाएगा।

सिख कर्मियों वाली स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' थे कमलेसन : वर्ष 2017 में तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले कमलेसन को सिख कर्मियों वाली बी स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' के रूप में तैनात किया गया था। रेजिमेंट में एक मंदिर और एक गुरुद्वारा था, लेकिन कोई "सर्व धर्म स्थल" या चर्च नहीं था। कमलेसन ने दावा किया था कि वह साप्ताहिक धार्मिक परेड के लिए दोनों स्थानों पर सैनिकों के साथ गए, लेकिन धार्मिक अन्तरात्मा का हवाला देते हुए "आरती, हवन या पूजा" के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करने से परहेज किया। सेना ने कहा था कि अधिकारी ने अनिवार्य रेजिमेंटल परेड में शामिल होने से बार-बार इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे अनुशासन के महत्व पर सलाह देने के कई प्रयास किए।

नफरती भाषण वाली हर घटना की नहीं हो सकती निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में घृणा भाषण की हर घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी रखने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इसके लिए कानूनी उपाय, पुलिस थाने और उच्च न्यायालय मौजूद हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक खास समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका के मद्देनजर कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी इलाके में होने वाली हर छोटी घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, कानूनी उपाय हैं। वे पहले से ही मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक से कहा था कि वह अपनी शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में पेश हुए वकील से कहा कि यह अदालत पूरे देश में ऐसे सभी मामलों पर कैसे नजर रख सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, नहीं तो उच्च न्यायालय जाएं। वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें घृणा भाषण का मुद्दा उठाया गया है।

एसआईआर के खिलाफ नई याचिका पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने एमडीएमके संस्थापक और पूर्व राज्यसभा सदस्य वाइको की उस अर्जी पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा, जिसमें तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अर्जी को 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वाइको ने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अधिसूचना समानता के अधिकार समेत कई मौलिक अधिकारों और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। माकपा और टीवीके जैसे राजनीतिक दलों तथा अभिनेता विजय ने भी तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अर्जी पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई थी।

बंगाल : बीएलओ ने रातभर धरना दिया

कोलकाता, एजेंसी

- प्रदर्शनकारी बोले- जब तक सीईओ व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं करते, तब तक जारी रहेगा धरना

बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) के एक वर्ग ने पूरी रात पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के अंदर बिताई और तब तक वहां से जाने से इन्कार कर दिया, जब तक कि सीईओ मनोज अग्रवाल उनसे मुलाकात नहीं करते और उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर लेते।

वे राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 'अत्यधिक कार्य भार' को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनमें से कई लोग सोमवार शाम से ही वहां प्रदर्शन कर रहे हैं तथा उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शहर के मध्य भाग में बीबीडी बाग तक मार्च के बाद शुरू हुआ गतिरोध जारी है, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है।

नवगठित बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों द्वारा रात भर धरना सोमवार दोपहर को शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक चला। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक अग्रवाल व्यक्तिगत रूप से उनसे मुलाकात नहीं करते, तब तक वे नहीं हटेंगे। लंबे गतिरोध के बाद पुलिस ने 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को अपना ज्ञापन सौंपने के लिए कार्यालय में प्रवेश की अनुमति दे दी, जिससे कुछ देर के लिए तनाव कम हुआ। लेकिन इसके तुरंत बाद फिर से अशांति फैल गई।

शाम करीब साढ़े चार बजे ज्ञापन सौंपे जाने से ठीक पहले कई समिति सदस्य सीईओ के कक्ष के बाहर बैठ गए और मांग करने लगे कि अग्रवाल खुद ज्ञापन स्वीकार करें। इसके बाद नारेबाजी शुरू हो गई और इमारत की तीसरी मंजिल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही पुलिस कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को केबिन क्षेत्र से बाहर निकाला, उपायुक्त (मध्य) इंदिरा मुखोपाध्याय मौके पर पहुंचीं।

जल्द ही प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर फिर से इकट्ठा हो गए और अपना धरना शुरू कर दिया। रात तक सात सदस्य परिसर के अंदर ही रहे, जिनमें संयोजक मोइदुल इस्लाम भी शामिल थे, जो एक स्कूल शिक्षक हैं, लेकिन बीएलओ नहीं हैं।

सोमवार को अग्रवाल ने पत्रकारों से कहा कि हर प्रतिनिधिमंडल से मिलना उनके लिए ''संभव नहीं'' है और इस उद्देश्य के लिए दो उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी उपलब्ध हैं। समिति ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अग्रवाल रात करीब 11.40 बजे पुलिस सुरक्षा में दफ्तर से बाहर निकले और टकराव पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेकिन प्रदर्शनकारी अड़े रहे।

भाजपा कार्यकर्ता और बीएलओ आमने-सामने

कोलकाता। कोलकाता में सोमवार रात उस समय नाटकीय घटनाक्रम हुआ जब भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह का पश्चिम बंगाल के सीईओ कार्यालय के सामने बीएलओ के फोरम के प्रदर्शनकारी सदस्यों से आमना-सामना हो गया। इस दौरान पुलिस ने बीच-बचाव किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के कई सदस्य सोमवार को दोपहर से ही सीईओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे थे। मामला तब बिगड़ गया जब कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पार्षद सजल घोष के नेतृत्व में 50 भाजपा कार्यकर्ता रात 11 बजे मौके पर पहुंचे और सीईओ कार्यालय में बंद चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराकर एसआईआर प्रक्रिया को रोकने के टीएमसी के कथित प्रयास के खिलाफ नारे लगाने लगे।

दिल्ली पुलिस ने नारे लगाने के लिए प्राथमिकी में जोड़ी धारा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को इंडिया गेट पर प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान माओवादी समर्थक नारे लगाने और पुलिसकर्मियों पर मिर्ची स्प्रे करने वालों पर दर्ज एक प्राथमिकी में 'राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध अपमानजनक आरोप और दावे' से संबंधित धाराएं लगाई हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि मिर्ची स्प्रे छिड़कने के लिए गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों के समूह ने मारे गए माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाए थे। पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं- एक कर्तव्य पथ थाने में छह प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और दूसरी संसद मार्ग थाने में 17 लोगों के खिलाफ।

शिक्षिका ने पांच साल के छात्र को पेड़ से लटकाया, स्कूल को नोटिस

सूरजपुर, एजेंसी

- अधिकारियों ने स्कूल से शिक्षिका को निकाला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल
- वीडियो में पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक निजी स्कूल में पांच वर्षीय छात्र को उसकी शिक्षिका ने दंडित करने के लिए कथित तौर पर पेड़ से लटका दिया। इस घटना को लेकर अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना के बाद शिक्षिका को स्कूल से निकाल दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया गया है। मौके पर दो महिलाएं मौजूद हैं, जो इसे रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति को डांट रही हैं। सोमवार को स्कूल के केजी-टू के छात्र के इस वीडियो के सामने आने के बाद सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अजय मिश्रा ने बताया कि रामानुज नगर ब्लॉक के नारायणपुर गांव में स्थित स्कूल में शिक्षा विभाग के दल को तत्काल जांच के लिए भेजा गया है।

मिश्रा ने बताया कि सोमवार शाम को मिली शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा दो दिन में जवाब मांगा गया है। स्कूल का जवाब मिलने के बाद नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल के संचालक सुभाष शिवहरे ने शिक्षिका की इस हरकत को सही ठहराने की कोशिश करते हुए बताया कि शिक्षिका ने बच्चे को अनुशासित करने के लिए ऐसा किया था। जब यह घटना हुई तब मैं वहां नहीं था। डीईओ कार्यालय से जानकारी मिलने के बाद मैं आज यहां आया हूं। शिक्षिका ने बच्चे को डराने और पढ़ाई करने के लिए उसकी टी-शर्ट का इस्तेमाल करके उसे पेड़ से लटकाने की कोशिश की। शिवहरे ने कहा कि बच्चा कक्षा में शैतानी कर रहा था और दूसरे बच्चों को मार रहा था।

देश की रक्षा को हम तैयार...

सेना की त्रिशक्ति कोर के सैनिक सिक्किम में 14,000 फीट की ऊंचाई पर आर्मी मार्शल आर्ट्स के रूटीन प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निकट-युद्ध की तैयारी मज़बूत हो रही है।

ज्वालामुखी : पृथ्वी की शक्ति का प्रदर्शन

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि जान-माल की हानि और वायुमंडलीय परिवर्तन, लेकिन यह भूमि के निर्माण, खनिज संसाधनों के स्रोत और मिट्टी की उर्वरता में भी योगदान कर सकता है। इस लेख में, हम ज्वालामुखी के बारे में विस्तार से जानेंगे, जिसमें इसके निर्माण, प्रकार, विशेषताएं और प्रभाव शामिल हैं।

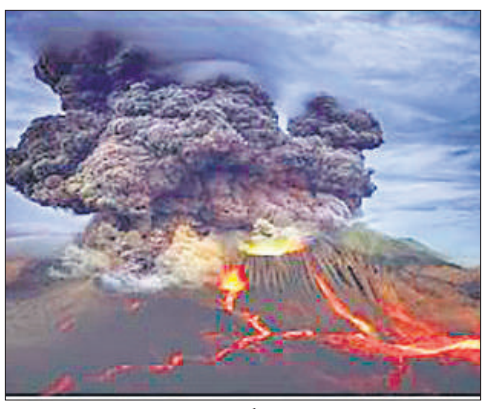

ज्वालामुखी आखिर हैं क्या

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, लेकिन यह भूमि के निर्माण में भी योगदान करता है।

ज्वालामुखी की विशेषताएं

- **लावा :** ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पिघली हुई चट्टान होती है जो सतह पर जमकर ठोस हो जाती है।
- **ज्वालामुखी गैसें :** ज्वालामुखी से निकलने वाली गैसें जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में मिलती हैं।
- **पिरोक्लास्टिक्स :** ज्वालामुखी से निकलने वाले पिरोक्लास्टिक्स जैसे कि राख और लावा के टुकड़े वायुमंडल में मिलते हैं।

फायदे भी कई हैं

- **भूमि का निर्माण :** ज्वालामुखी के विस्फोट से नई भूमि का निर्माण हो सकता है, जिससे द्वीपों और पहाड़ों का निर्माण होता है।
- **खनिज संसाधनों का स्रोत :** ज्वालामुखी के विस्फोट से खनिज संसाधनों का स्रोत बनता है, जैसे कि तांबा, जस्ता, और सोना।
- **मिट्टी की उर्वरता :** ज्वालामुखी के विस्फोट से मिट्टी की उर्वरता बढ़ सकती है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

निर्माण कैसे होता है

ज्वालामुखी तब बनते हैं जब पृथ्वी की पपड़ी के नीचे मैग्मा जमा होता है और दबाव बढ़ने पर यह सतह पर निकलता है। यह दबाव प्लेट टेक्टोनिक्स, मेंटल प्लम और हॉटस्पॉट के कारण हो सकता है। ज्वालामुखी कई प्रकार के होते हैं। शील्ड ज्वालामुखी : ये शील्ड जैसे दिखते हैं। स्ट्रैटोवोल्केनो : ये स्ट्रैटो जैसे दिखते हैं। कैल्डेरा : ये कैल्डेरा जैसे दिखते हैं।

प्रमुख सक्रिय ज्वालामुखी

- **जापान :** माउंट असो, सकुराजिमा, माउंट फूजी, और याकुशिमा
- **अमेरिका :** अलास्का, हवाई, और कैस्केड्स में कई एक्टिव
- **रूस :** कामचटका पेनिनसुला और कुरील में कई एक्टिव ज्वालामुखी
- **चिली :** विलारिका, लस्कर, और ओहोस देल सालाडो ज्वालामुखी
- **पापुआ न्यू गिनी :** मनाम, करकर, और लांगिला ज्वालामुखी
- **इक्वाडोर :** कोटोपैक्सी, सांगे, तुंगुरहुआ, और रेवेन्टाडोर ज्वालामुखी
- **आइसलैंड :** हेक्ला, कटला, ग्रिम्सवोटन।

वर्ल्ड ब्रीफ

कोर्ट ने बोल्सोनारो की कैद बरकरार रखा

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा नजरबंदी के दौरान अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश करने की बात स्वीकार करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनकी कैद को बरकरार रखा। 'एंकल मॉनिटर' टखने पर लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जिनका उपयोग अदालतों द्वारा निगरानी के लिए किया जाता है, ताकि किसी व्यक्ति के स्थान और गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके। इन्हें कारावास के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

हिज्बुल्ला कमांडर के संस्कार में जुटे हजारों

बेरूत। लेबनान में सोमवार को हजारों लोग चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जो एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमले में मारा गया था। हिज्बुल्ला के शीर्ष कमांडर हयथम तबतबाई की अंतिम यात्रा में उसके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। तबतबाई और हिज्बुल्ला के दो अन्य सदस्यों को बेरूत के दक्षिण में उस कब्रिस्तान में दफनाया गया जहां संगठन के लड़ाकों को दफनाया जाता है।

काफिले पर हमला, 5 अधिकारियों की मौत

अदन। बंदूकधारियों ने सोमवार को ताइज प्रांत के गवर्नर के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षा अधिकारी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रांत के प्रवक्ता मोहम्मद अब्देल-रहमान ने बताया कि ताइज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली सड़क पर नबील शमसान को निशाना बना हमला किया गया। गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए।

अपमानजनक पोस्ट का आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने और एक महिला समाचार एंकर के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया आरोपी की पहचान जम्मू निवासी चेत कमल प्रकाश के रूप में हुई है।

भारत में जहाज निर्माण, नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता

रक्षा विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

- **भारत को अलग बनाता है एकीकृत जहाज निर्माण तंत्र**

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक रक्षा कंपनियों से भारत के जीवंत जहाज निर्माण उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने और अगली पीढ़ी की समुद्री क्षमताओं का सह-विकास करने का मंगलवार को आह्वान किया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत में जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और समुद्री नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है क्योंकि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग पहले ही विमानवाहक पोत, अनुसंधान पोत और वाणिज्यिक जहाज बना चुका है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत को जो चीज़ वास्तव में अलग बनाती है, वह है इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र। उन्होंने कहा कि भारत को वास्तव में अलग बनाने वाला इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है। सिंह ने कहा कि अवधारणा डिज़ाइन और मॉड्यूलर निर्माण से लेकर रख रखाव, मरम्मत तक, जहाज निर्माण प्रक्रिया का हर चरण स्वदेशी रूप से विकसित और क्रियान्वित किया जाता है। सिंह रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में मुख्य भाषण दे रहे थे, जिसमें भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

रक्षामंत्री ने उद्योग के हितधारकों, विदेशी साझेदारों, प्रतिनिधियों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) द्वारा समर्थित हमारे सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड ने एक मजबूत मूल्य श्रृंखला बनाई है, जो इस्पात, प्रणोदन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उन्नत लड़ाकू प्रणालियों तक फैली हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग, जिसमें उत्साही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और गतिशील निजी क्षेत्र के साझेदार शामिल हैं, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल जहाज, बल्कि विश्वास, न केवल साजो सामान, बल्कि साझेदारियां बनाकर समुद्री सदी को आकार देने में मदद के लिए तैयार है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र अनेक विश्वस्तरीय प्लेटफॉर्म की ताकत पर टिका है जो तकनीकी परिपक्वता और औद्योगिक गहराई को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां और स्टील्थ फ्रिगेट और विध्वंसक जहाज जैसी प्रमुख परियोजनाएं न केवल देश की नौसैनिक ताकत को रेखांकित करती हैं, बल्कि डिजाइन क्षमता और स्वचालन को भी बढ़ाती हैं। सिंह ने कहा कि हम विमानवाहक पोतों से लेकर उन्नत अनुसंधान पोतों और ऊर्जा-कुशल वाणिज्यिक जहाजों तक की आपूर्ति करने में सक्षम हैं।

नई दिल्ली में समुद्री नवाचार पर संगोष्ठी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

सोशल मंच पर साझा रक्षामंत्री का पत्र फर्जी

नई दिल्ली। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह को लिखा गया कथित पत्र फर्जी है और लोगों को इस तरह की अपुष्ट सामग्रियों को साझा करने से बचना चाहिए। फैक्ट चेक हैंडल से जारी एक पोस्ट में कहा है कि सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया जा रहा है जो कथित तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा है।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 6की मौत

कीव, एजेंसी

रूस द्वारा मंगलवार को यूक्रेन में इमारतों और ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। वहीं यूक्रेन द्वारा दक्षिणी रूस में किए गए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घरों को नुकसान पहुंचा। राजधानी कीव के कुछ हिस्सों में पानी और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 'टेलीग्राम' पर पोस्ट एक वीडियो फुटेज में कीव के पूर्वी जिले दिनप्रोव्स्की में नौ मंजिला एक आवासीय इमारत में भीषण आग दिख रही है।

मेयर विटाली कित्श्को ने बताया कि दिनप्रोव्स्की में दो लोग मारे गए व पांच घायल हुए जबकि मध्य पेचेर्स्क जिले में एक अन्य आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। कीव के पश्चिमी जिले में एक इमारत पर हुए हमले में चार लोग मारे गए और तीन अन्य लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा व बंदरगाह अवसंरचना पर रूसी हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।

रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में देर रात यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

बांग्लादेश को एक लाख टन चावल भेजेगा पाकिस्तान

कराची। बांग्लादेश को पाकिस्तान एक लाख टन चावल निर्यात करेगा। यह पिछले वर्ष अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के बीच बेहतर हुए व्यापार संबंधों को दर्शाता है। टीसीपी के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए पिछले सप्ताह 'ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान' (टीसीपी) द्वारा निविदा जारी की गई थी। यह पाकिस्तान से बांग्लादेश को भेजी जाने वाली चावल की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों द्वारा चावल आयात के साथ सरकारी स्तर पर व्यापार शुरू करने के बाद 50,000 टन चावल की पहली खेप निर्यात की गयी। एक प्रमुख चावल निर्यातक ने कहा कि अगर बांग्लादेश के साथ व्यापार बढ़ता है तो यह कारोबार के लिए अच्छा होगा।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हवाई हमला

काबुल, एजेंसी

- **पूर्वी प्रांत में देर रात हुए हमले में नौ बच्चों सहित 10 मारे गए**

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने मंगलवार को पाकिस्तान पर तीन पूर्वी प्रांतों में देर रात हवाई हमले करने का आरोप लगाया, जिसमें नौ बच्चों सहित 10 नागरिक मारे गए। यह हमले दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है। अफगान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान ने खोस्त प्रांत में एक नागरिक के घर पर बमबारी की, जिसमें नौ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी हमले किए गए, जिनमें चार अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना और सरकार ने इस आरोप पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में एक दिन पहले हुए एक घातक हमले के बाद यह नया घटनाक्रम सामने आया है। पेशावर में दो आत्मघाती हमलावरों और एक बंदूकधारी हमलावर ने पुलिस बल के मुख्यालय पर हमला किया था। सोमवार सुबह हुए इस हमले में तीन अधिकारी मारे गए और 11 अन्य लोग घायल हो गए।

पेशावर हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन शक पाकिस्तानी तालिबान या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, एक अलग समूह है लेकिन अफगान तालिबान के साथ इसका घनिष्ठ संबंध है और इसके कई नेता अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं।

बीबीसी चेयरमैन से हुई पूछताछ

लंदन। बीबीसी के चेयरमैन ने सोमवार को स्वीकार किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के भ्रामक संपादन पर प्रतिक्रिया देने में कंपनी ने बहुत धीमा रुख अपनाया लेकिन उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि प्रसारक की निष्पक्षता को उसके अपने ही बोर्ड के भीतर से कमजोर किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में बीबीसी के महानिदेशक व समाचार प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया था और ट्रंप ने अरबों डॉलर का मुकदमा करने की धमकी दी थी, जिसके बाद सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित कंपनी के चेयरमैन से सांसदों ने पूछताछ की थी।

पाकिस्तान से भागकर कच्छ पहुंचा प्रेमी युगल

कच्छ, एजेंसी

- **सीमा सुरक्षा बल ने हिरासत में लिया, जांच शुरू**

पाकिस्तान के एक नागरिक और उसकी प्रेमिका अपने घर से कथित तौर पर भागने के बाद गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच गए जहां सुरक्षा बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रेमी-प्रेमिका का यह यह पैदल ही यहां तक पहुंच गए थे।

पुलिस के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने के बाद यहां पहुंचे पोपट (24) और गौरी (20) को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने हिरासत में ले लिया। बालासर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पोपट और गौरी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से आठ किलोमीटर दूर पाकिस्तान स्थित गांव से रविवार रात भाग गए थे। दोनों ने पैदल ही यह दूरी तय की थी। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने खंभा संख्या 1016 के समीप गश्त के दौरान दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युगल ने बताया कि उनके परिवार उनकी शादी के खिलाफ थे जिस वजह से वे घर से भाग आए। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियां जांच करेंगी।

यहूदियों को भारत से लाने की इजराइल की मंजूरी

यरुशलम। इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से शेष सभी 5,800 यहूदियों को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन यहूदियों को आमतौर पर बेनी मेनाशे कहा जाता है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के अलियाह (आव्रजन) को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को रविवार को मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2030 तक समुदाय के लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 को 2026 में लाने की मंजूरी मिल गई है।

अरुणाचल हमेशा भारत में ही रहेगा

ईटानगर, एजेंसी

- **मुख्यमंत्री ने महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर रोकने की निंदा की**

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा राज्य की एक महिला के साथ किए गए अस्वीकार्य और डराने वाले व्यवहार की मंगलवार को निंदा की। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक रोक कर रखा गया क्योंकि अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट को मान्यता देने से इनकार कर दिया था।

खांडू ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई इस घटना से वह 'गहरा सदमा' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन के अधिकारियों का व्यवहार 'अपमान और नस्लीय उपहास' के समान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है।

चीन ने उत्पीड़न से किया इनकार

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को इन आरोपों को गलत बताया कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर परेशान किया गया। चीन ने कहा कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने जो कार्रवाई की, वह कानून और नियमों के मुताबिक थी। थोंगडोक के साथ हुई इस घटना पर जवाब मांगने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि उक्त महिला के साथ किसी भी तरह के अनिवार्य कदम, हिरासत या उत्पीड़न नहीं हुआ। माओ ने कहा कि एयरलाइन ने उनके लिए विश्राम और खाने-पीने की व्यवस्था भी की थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 27 नवंबर 00 .01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

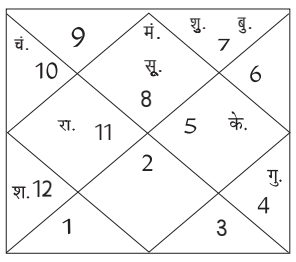

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 27 नवंबर 01 .32 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। अपने सौंदर्य और रहन-सहन पर अत्यधिक ध्यान देंगे। छात्र गुरुजनों के प्रति निष्ठा भाव रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी राय से लोग सहमत नहीं होंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होने के योग बन रहे हैं।

वृष — आज संपत्ति विवाद सुलझाए जा सकते हैं। अपने सिद्धांतों से किसी भी तरह समझौता न करें। दूसरो के व्यक्तिगत मामलों से दूरी बनाकर रखें। अपने भावों की अभिव्यक्ति प्रेमीजन से कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विजय मिल सकती है।

मिथुन — आज किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। यदि आपका स्वतंत्र व्यवसाय है, तो अपने ऑडिट पर नजर बनाए रखें। बदलते मौसम को लेकर सेहत का ध्यान विशेष रूप से रखें।

कर्क — आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन काफी अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ नए एवं रोचक अनुभव आपको प्राप्त होने वाले हैं। उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। आप अपने शौक पर अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

सिंह — आज आत्मविश्वास एवं आशाओं से भरपूर रहेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। मन में विचारों का प्रवाह बढ़ेगा। दूर की यात्रा करने से आपको बचना चाहिए। कुछ मित्र प्रवृत्ति के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

कन्या — आज कम मेहनत से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यशैली को नया रूप देने का प्रयास करेंगे। दोस्तों के साथ बात करके अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमी जन के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे।

तुला — आज घर में किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सामाजिक कार्यों में आप सहभागिता दिखाएंगे। धन संबंधित कार्यों को लेकर आप निर्णय बदल सकते हैं। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक — आज आईटी से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपको प्रशंसा मिलेगी। आपके सुझावों से लोगों को अत्यंत लाभ मिलेगा। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बच्चों को अच्छी सीख दें।

धनु — आज घरेलू चिंताओं का असर कार्य पर पड़ सकता है। मन की उथल-पुथल को शांत करने का प्रयास करें। विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका समाधान खोजें। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के कारण आपके काम अटक सकते हैं।

मकर — आज परिवार और कारोबार में संतुलन बनाकर रखें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। व्यवसाय में साझेदारों से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। दूसरों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ — आज मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग बहुत मेहनत करेंगे। कारोबार में विस्तार के लिए उधार लेना चाह रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। आपको लोगों के साथ संवाद अच्छा रखना चाहिए। विवाह जैसे आयोजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

मीन — आज रोजगार में परिवर्तन करने के लिए समय अच्छा नहीं है। युवा वर्ग को किसी नौकरी आदि के इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। अधिकारियों का रुख आपके प्रति सकारात्मक रहेगा।

सुडोकू-172

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
						6		
			7					
	6							
								3
				3				
		9						5
					4			
								1

सुडोकू - 171 का हल

5	8	4	9	1	2	7	6	3
3	7	1	6	8	4	9	2	5
2	9	6	3	5	7	1	4	8
1	2	3	8	9	6	5	7	4
6	4	8	7	2	5	3	9	1
7	5	9	4	3	1	2	8	6
9	3	7	1	6	8	4	5	2
8	1	5	2	4	9	6	3	7
4	6	2	5	7	3	8	1	9

ओलंपिक में निराशा के बाद कड़ी मेहनत के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल था। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया, लेकिन वापसी पर भी मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। मैं बहुत सी चीजों से निपट रहा था और फिट नहीं होने के बावजूद टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
–लक्ष्य सेन, बैटमिंटन खिलाड़ी

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 26 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नागल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में

चेंगडू : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2-6, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिए पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे। नागल को शुरुआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई।

स्पेन, जापान को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

जूनियर हॉकी विश्व कप

मदुरै : दो बार की कांस्य पदक विजेता स्पेन को जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है और उनके कोच ने कहा कि टीम पूरी तैयारी के साथ उतरी है। स्पेन और ऑस्ट्रिया की टीमें मंगलवार को यहां पहुंची जबकि जापान और चिली की टीमें चेन्नई पहुंची हैं। स्पेन के कोच ओरियोल पुइग टोरास ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि हम काफी रोमांचित हैं और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर गौरवान्वित भी। हमारी तैयारियां अच्छी चल रही है और मेरा मानना है कि हमारे पास शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है। स्पेन ने 2003 कुआलालम्पुर जूनियर विश्व कप में भारत को हराकर कांस्य पदक जीता था।

शादी से पहले के पोस्ट मंधाना के अकाउंट से हटे

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा।

मीनाक्षी ने विवि खेलों का पहला स्वर्ण जीता

जयपुर। गुरु नानक देव विवि की साइकिलिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को महिला व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में 2025 खेलो इंडिया विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। शिवाजी विवि की काजोल सरगर ने भारोतोलन के महिला 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीता जबकि लवली यूनिवर्सिटी की साक्षी ने निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साइकिलिंग ने पदार्पण किया है और रोड स्पर्धाओं में वापसी कर रहीं 2022 एशियाई खेलों की टीम परसुइट स्पर्धा की कांस्य पदक विजेता मीनाक्षी ने पहला स्वर्ण पदक जीता।

भारत को बधिर ओलंपिक निशानेबाजी में 16 पदक

तोक्यो : भारत ने बधिर ओलंपिक निशानेबाजी में 16 पदक जीते जबकि चेतन हनमंत सपकाल मंगलवार को पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में छठे स्थान पर रहे। क्वालीफाइंग दौर में तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे सपकाल आठ स्कोर करके छह पुरुषों के फाइनल में बाहर होने वाले पहले खिलाड़ी रहे। द. कोरिया के सियुंग वा ली ने स्वर्ण, ताए यंग किम ने कांस्य और यूक्रेन के सेरही ओहोरोदनिक ने रजत जीता। भारतीयों ने निशानेबाजी रेंज पर 16 पदक जीते, जिनमें 7 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य हैं।

असंभव लक्ष्य के सामने लड़खड़ाया भारत

दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराया, भारतीय टीम ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन बनाएं

गुवाहाटी, एजेंसी

जिस पिच की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रवृत्ति का दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया ,उस पर भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में भी जूझते नजर आए। इससे उनकी टीम पर दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराने लग गया है। दो मैच की शृंखला में पहले ही पीछे चल रहे भारत ने 549 रन के लगभग असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवर में दो विकेट पर 27 रन बनाए हैं और लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उसे अब 522 रन की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका में इससे पहले अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की। उसका आकर्षण ट्रिस्टन स्टब्स की पारी रही। इस युवा बल्लेबाज ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (68 गेंद पर 49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (69 गेंद पर नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। कोलकाता में पहला टेस्ट 30 रन से जीतने के बाद शृंखला में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और अपनी पारी समाप्त घोषित करने में देर लगाई। भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसके दोनों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13) और केएल राहुल (06) दस ओवर और 21 रन के अंदर पवेलियन में विराजमान थे।

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में भारतीय बल्लेबाज के आउट होने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

जायसवाल ने पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन की तेजी से उठती गेंद पर कट करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दिया जबकि राहुल ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। दिन का खेल समाप्त होने के समय साई सुदर्शन दो और नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव चार रन पर खेल रहे थे। पिच पर दरार पड़ गई हैं जिससे स्पिन गेंदबाजों को टर्न मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में अगर भारत हार्मर एंड कंपनी के सामने मैच बचाने में सफल रहता है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय बल्लेबाजों के हाल के समय में स्पिनरों के सामने खराब रिकार्ड को देखते हुए ऐसी संभावना कम ही नजर आती है। पहली पारी में एक रन से अर्धशतक से चूकने वाले स्टब्स ने भारत के सबसे सफल गेंदबाज रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया लेकिन इसी ओवर में स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने पारी समाप्त घोषित कर दी।

जडेजा ने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। डि जॉर्जी और स्टब्स ने मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डि जॉर्जी ने चार चौके और एक छक्का लगाया। इन दोनों ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कई स्वीप शॉट लगाए। जडेजा ने डि जॉर्जी को पगबाधा आउट करके उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। एक निश्चित समय के बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों के हाव भाव से लग रहा था कि वे दूसरे सत्र के समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद पारी घोषित होने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेलटन (64 गेंदों पर 35 रन) और एडेन मारक्रम (84 गेंदों पर 29 रन) ने एक बार फिर अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन जडेजा ने दोनों को आउट कर दिया। रिकेलटन गेंद की पिच तक पहुंचने की कोशिश में बहुत करीब आ गए और कवर के ऊपर से लगाई गई उनकी ड्राइव को मोहम्मद सिराज ने छलांग लगाकर कैच में बदल दिया। मारक्रम के लिए जडेजा ने थोड़ी धीमी गति की गेंद की जिसे बल्लेबाज ने आगे बढ़कर रक्षात्मक रूप से खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद तेजी से घूमकर बल्ले का किनारा लेते हुए ऑफ-स्टंप पर जा लगी। वाशिंगटन ने इसके बाद बावुमा (03) को आउट किया, जिनकी उछाल लेती गेंद बल्लेबाज के दस्तानों को चूमकर लेग स्लिप में खड़े नीतीश कुमार रेड्डी के सुरक्षित हाथों में चली गई।

यह शृंखला गंवाने का हम पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अगली शृंखला आठ महीने बाद : जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में संभावित हार का अगले साल अगस्त में श्रीलंका में होने वाली टेस्ट शृंखला पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे टेस्ट में ड्रॉ कराना युवा टीम के लिए 'जीत' जैसा होगा। भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की शृंखला गंवाना तय है क्योंकि आखिरी दिन 549 रन का लक्ष्य हासिल करना नामुमकिन होगा। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका अगली शृंखला पर कोई असर पड़ेगा। लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर कोई भी शृंखला हारना नहीं चाहता, विशेषकर भारत में। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे। अगर हम शृंखला नहीं भी जीत रहे हैं तो भी हम मैच ड्रॉ कर सकें जो हमारे लिए जीत की तरह की स्थिति होगी।

भारत

27/2 (दूसरी पारी) (15.5 ओवर)

- यशस्वी का वेरेन बो यानसेन 13
- लोकेश राहुल बो हार्मर 06
- साई सुदर्शन खेल रहे हैं 02
- कुलदीप यादव खेल रहे हैं 04

गेंदबाजी : यानसेन 5-2-14-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 3 .5-2-1-1, महाराज 3-1-5-0

दक्षिण अफ्रीका

260/5 (दूसरी पारी) (78.3 ओवर)

- रेयान का सिराज बो जडेजा 35
- ऐडन मारक्रम बो जडेजा 29
- ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा 94
- तेम्बा बावुमा का रेड्डी बो वाशिंगटन 03
- टोनी डि जॉर्जी पगबाधा बो जडेजा 49
- वियान मुल्डर नाबाद 35

गेंदबाजी : बुमराह 6-0-22-0, सिराज 5-1-19-0, जडेजा 28 .3-3-62-4, कुलदीप 12-0-48-0, वाशिंगटन 22-2-67-1, जायसवाल 1-0-9-0,रेड्डी 4-0-24-0

जायसवाल को कट शॉट से करना पड़े परहेज : स्टेन

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने यशस्वी जायसवाल को अपने शानदार कट शॉट को कुछ समय के लिए उसी तरह से छोड़ने की सलाह दी जैसे कि सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में ड्राइव शॉट का त्याग किया था। जायसवाल मंगलवार को दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में एक बार फिर से कट शॉट खेलने की कोशिश में मार्को यानसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्तानों में चली गयी। स्टेन ने कहा कि यह उनका पसंदीदा शॉट है और इस तरह के शॉट से परहेज करना मुश्किल है। जब आप गेंद को अपने क्षेत्र में देखते हैं, तो आप उसे खेलने के लिए जाते हैं। उन्हें हालांकि इससे बचने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि सचिन ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल से ड्राइव शॉट हटा दिया था। जायसवाल को यह भी कहना पड़ सकता है कि जब तक गेंद किसी खास क्षेत्र में न हो तो वह उसे खेले ही ना। ऐसी गेंदों पर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर भरोसा करना होगा। भारत को जीत के लिए 549 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते समय सलामी जोड़ी से मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी लेकिन जायसवाल उछाल लेती गेंद पर कट शॉट खेलने के लालच में विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच दे बैठे। स्टेन ने कहा कि वह दायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से इस शॉट को खेल लेते है लेकिन मार्को यानसेन जैसे बायें हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद उनकी उम्मीद से ज्यादा शरीर के करीब होती है।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा शृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है। दो मैचों की इस शृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा कि गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा।

हार्दिक की वापसी, आईपीएल से पहले खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

हैदराबाद, एजेंसी

सैयद मुश्ताक ट्रॉफी

चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे।

हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी-20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी-20 शृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा कि वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिए अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है।

वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आएंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।

भारत अजलन शाह कप हॉकी में बेल्जियम से 2-3 से हारा

इपोह (मलेशिया)। भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के मैच में डटकर मुकाबला किया लेकिन आखिर में वह बेल्जियम से 2-3 से हार गया।

भारत के लिए अभिषेक (33वें मिनट) और शिलानंद लाकड़ा (57वें) ने, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17वें और 57वें) और निकोलस डी केर्पेल (45वें) ने गोल किए। डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में रविवार को तीन बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहला मैच 1-0 से जीता था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इसके बाद उसने जल्द ही दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल कर लिया। लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय रक्षापंक्ति ने डटकर मुकाबला किया और सुनिश्चित किया कि पहले क्वार्टर के अंत तक वे बराबरी पर रहें। भारतीय गोलकीपर पवन ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह 17वें मिनट में रोमन डुवेकोट को गोल करने से नहीं रोक पाए जिससे बेल्जियम ने बढ़त ली। भारत ने दूसरे हाफ में गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में मंगलवार को महिला व पुरुष युगल के मुख्य ड्रा के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछली विजेता इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की चेंग सू हूई और तैन झिंग वाई की जोड़ी को 1 घंटे 14 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-9 से हराया। पहला गेम बढ़त में रहने के बावजूद हारने के बाद त्रिशा-गायत्री ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम लगातार जीते। यह मुकाबला दिन के महिला युगल के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से रहा।

पिछली उपविजेता व दूसरी वरीय जोड़ी साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने भारत के ही स्वर्णराज बोरा व निबिर रंजन को 21-8, 21-17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

यूपी की खिलाड़ी श्रुति मिश्रा अपनी साथी प्रिया कोंजेंगबम के साथ जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंचीं। इन दोनों ने भारत की ही समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह को 21-8, 21-11 से हराया। हालांकि यूपी की अन्य जोड़ी समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतमिर ने भारत की तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत को 21-9, 21-19 से हराया। पुरुष युगल की तर्ज पर महिला युगल में भी कई मुकाबले एकतरफा रहे।

पुरुष युगल : भारतीय जोड़ियों का दबदबा

पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी एमआर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन ने भारत के आयुष मखीजा व सुजय तंबोली को 21-11, 21-13 से मात दी। चीनी ताइपे की चौथी वरीय जोड़ी ह्वांग जुई-शुआन व झी-वेई हे ने भारत के शशांक छेत्री व नितिन कुमार को 21-19, 21-15 से हराया। भारत के विप्लव कुवले व विराज कुवले ने कड़े मुकाबले में अपने हमवतन आदित्य दिवाकर व केविन थंगम को 22-20, 16-21, 21-19 से हराया।

क्वालीफायर के परिणाम

क्वालीफायर में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में जगह पक्की की।

पुरुष एकल : अभिनव ठाकुर, ओर्जित चालिहा,आर्य, भरत राघव,

महिला एकल : प्रकृति भारत, अदिता राव, अलीशा नायक,

मिश्रित युगल : मिथिलेश पी. कृष्णन व वरना, विशाखा टोप्पो व भव्य छाबड़ा, सी. लालरामसंगा व तारिनी सूरी, नितिन एचवी व श्रीनिधि नारायण

पुरुष युगल : भव्य छाबड़ा व परम चौधरी, मयंक राणा व आर्यन, असिथ सूर्या व गणेश, आयुष अग्रवाल व दक्ष गौतम।

महिला युगल : आरती सारा सुनील व वी. विश्वनाथ, जेनिथ व लिखिता श्रीवास्तव, वीआर नारधाना व ऋद्धिवंशी रामास्वामी।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 : भारत की मेजबानी पर मुहर लगने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2010 में दिल्ली में हुए थे राष्ट्रमंडल खेल, अब अहमदाबाद में आयोजन की तैयारी

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से कहा गया है कि आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अहमदाबाद में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे।

टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम

15 फरवरी को दोनों टीमों का कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा आमना सामना

भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के लिए एक ही ग्रुप में

मुंबई, एजेंसी

चिर-प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है और मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के बीच टूर्नामेंट के लिए हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा और उसके बाद 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए कोलंबो जायेगी और फिर 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक आठ स्थलों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में 55 मैच होंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली शामिल हैं। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

रोहित को बनाया गया दूत

दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को इस विश्व कप के लिए टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32 .01 की औसत और 140 .89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। रोहित ने गत वर्ष अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी-20 से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

डब्ल्यूपीएल में दीप्ति, गौड़, चरणी को मोटी राशि मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। लॉरा वोलवार्ट और भारत की विश्व कप में जीत की नायिका दीप्ति शर्मा सहित कई शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर गुरुवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में आकर्षण का केंद्र होंगे, जबकि घरेलू खिलाड़ी क्रांति गौड़ और श्री चरणी को भी मोटी धनराशि मिलने की उम्मीद है। कुल 277 खिलाड़ी (194 भारतीय और 83 विदेशी) पहली बार होने वाली इस मेगा नीलामी का हिस्सा होंगे। पांच टीमें अधिकतम 73 स्थानों को भरने की कोशिश करेंगी, जिनमें 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे। कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। वनडे विश्व कप जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों की भारी मांग होगी। टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट दीप्ति शर्मा पर अच्छी बोली लगने की संभावना है। उन्हें विश्व कप फाइनल के तुरंत बाद यूपी वॉरियर्स ने रिलीज़ कर दिया था।